RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 August, 2016

अंक - 2 (मासिक) वर्ष - 12 अगस्त, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

सर्वधर्म सद्भाव जगाता राम स्नेही सम्प्रदाय

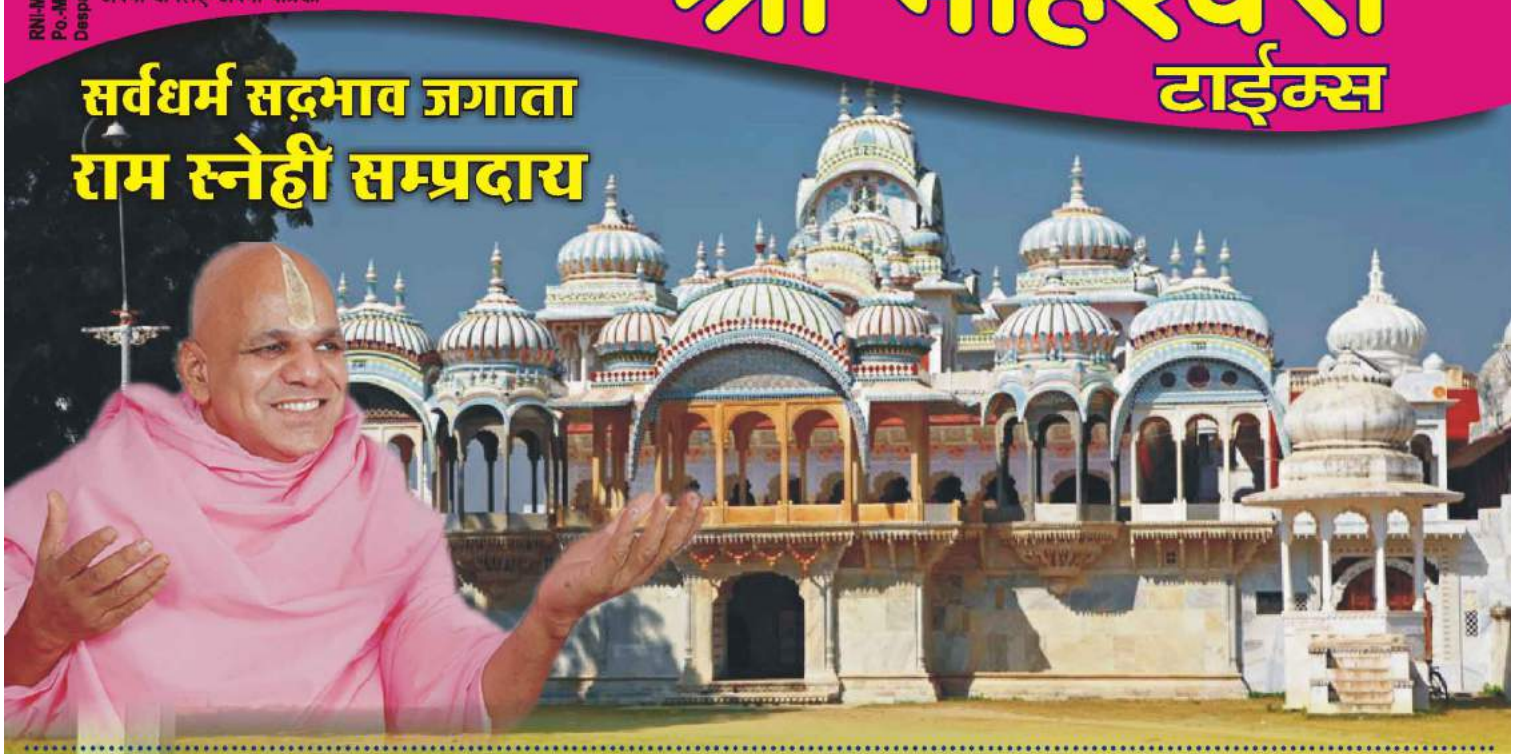

क्या बन पाएगी
आम लोगों के मन की महासभा

27 वें सत्र की अंतिम बैठक में निकला नया सन्देश

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

kabra
travel services
private limited
Rely on us..

समय, सत्ता, संपत्ति और साहस
चाहे साथ दे ना दे, लेकिन..

स्वभाव : समझदारी और सच्चाई

हमेशा साथ देते हैं..

We Are Proud To Announce That We Rank Amongst The Highest Sellers Of Luxury Hotels & Resorts All Over India As We Offer Lowest Rates In The Market !!!

BEST DEALS FOR FIT | MICE | WEDDINGS | ANNIVERSARIES | ETC

For Details Call:

Kailash Kabra: 09619480777 ♦ 09821124873 ♦ wedding@kabrabalaji.com

Jaipur Office: 09015188888 ♦ jaipur@kabrabalaji.com

635, Ijmima Complex, Behind Goregaon Sports Club, Link Road, Malad (W), Mumbai-64. T.: 022 - 42141313

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-2 अगस्त, 2016 वर्ष-12

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
डॉ. सतीश राठी (रायपुर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार-क्रान्ति

पहचानो... अपने आपको

एक चिड़िया जिसका एक दाना पेड़ के कंदरे में कहीं फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से बहुत अनुरोध किया उस दाने को दे देने के लिए लेकिन पेड़ उस छोटी-सी चिड़िया की बात भला कहां सुनने वाला था। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और उसने उससे अनुरोध किया कि तुम उस पेड़ को काट दो, क्योंकि वो उसका दाना नहीं दे रहा। भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था। फिर चिड़िया राजा के पास गई और उसने राजा से कहा कि तुम बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा। राजा ने उस नन्हीं चिड़िया को डांटकर भगा दिया कि कहां एक दाने के लिए वो उस तक पहुंच गई है।

चिड़िया हार नहीं मानने वाली थी। वो महावत के पास गई कि अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना क्योंकि राजा बढ़ई को सजा नहीं देता। बढ़ई पेड़ नहीं काटता। पेड़ उसका दाना नहीं देता। महावत ने भी चिड़िया को डपट कर भगा दिया। चिड़िया फिर हाथी के पास गई और उसने अपने अनुरोध को दोहराया कि अगली बार जब महावत तुम्हारी पीठ पर बैठे तो तुम उसे गिरा देना क्योंकि वो राजा को गिराने को तैयार नहीं। राजा बढ़ई को सजा देने को तैयार नहीं। बढ़ई पेड़ काटने को तैयार नहीं। पेड़ दाना देने को राजी नहीं। हाथी बिगड़ गया। उसने कहा- ऐ छोटी चिड़िया तू इतनी सी बात के लिए मुझे महावत और राजा को गिराने की बात सोच भी कैसे रही है। चिड़िया आखिर में चींटी के पास गई और अनुरोध दोहराकर कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ। चींटी ने चिड़िया से कहा- चल भाग यहां से... बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली।

अब तक अनुरोध की मुद्रा में रही चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया। उसने कहा कि मैं चाहे पेड़, बढ़ई, राजा, महावत और हाथी का कुछ न बिगाड़ पाऊं पर तुझे तो अपनी चोंच में डालकर खा ही सकती हूं।

चींटी डर गई। भागकर वो हाथी के पास गई। हाथी भागता हुआ महावत के पास पहुंचा। महावत राजा के पास कि हुजूर चिड़िया का काम कर दीजिए नहीं तो मैं आपको गिरा दूंगा। राजा ने फौरन बढ़ई को बुलाया। उससे कहा कि पेड़ काट दो नहीं तो सजा दूंगा। बढ़ई पेड़ के पास पहुंचा। बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा।

निष्कर्ष- *आपको अपनी ताकत को पहचानना होगा। आपको पहचानना होगा कि भले आप छोटी सी चिड़िया की तरह होंगे, लेकिन ताकत की कड़ियां कहीं न कहीं आपसे होकर गुजरती होंगी। हर सेर को सवा सेर मिल सकता है, बशर्ते आप अपनी लड़ाई से घबराएं नहीं। आप अगर किसी काम के पीछे पड़ जाएंगे तो वो काम होकर रहेगा। यकीन कीजिए हर ताकत के आगे एक और ताकत होती है और अंत में सबसे ताकतवर आप होते हैं।*

आम सहमति

एक बार बोल कर देखिए इस दो शब्दों की जोड़ी को, अचानक मन को तसल्ली सा अहसास होता है। मानों सिर से कोई बोझ उतर गया हो। दैनिक दिनचर्या में इन शब्दों की ज्यादा अहमियत भले न हो लेकिन जहां महत्वपूर्ण फैसले की घड़ी हो और मामला मंथन के दौर से गुजर रहा हो तो इन शब्दों का सुनाई देना-अचानक पूरे माहौल को बदल देता है। निश्चित तौर से इन शब्दों का आशय बहुत मामूली है, लेकिन असर काफी विस्तृत और सुकुनदायक। यही कारण है कि जब कभी विवाद जैसी स्थिति बनती है, तो इस प्रक्रिया की जरुरत महसूस होने लगती है। जो लोग शांति और सद्भाव के बीच अहम फैसले लेना चाहते हैं, वे इसका महत्व जानते हैं और जरुरत भी।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के चुनाव को लेकर लंबे अर्से बाद इन शब्दों की गूंज जब जोधपुर में कार्य -समिति की बैठक में सुनाई दी, तो उन तमाम वरिष्ठ समाजसेवियों के मन में हो रही उथल-पुथल में थोड़ा ठहराव आया होगा। जिन्होंने दौर देखा है, जब महासभा के निर्णय इसी तरह लिए जाते थे, भले ही सभापति का चुनाव ही क्यों न हो। आम सहमति से होने वाले फैसले के लिए वे तमाम लोग जिम्मेदार होते हैं, जिनके पास जिम्मेदारी है और वे अपनी इस भूमिका को बहुत गंभीरता से समझते भी हैं। महासभा का वह आम सहमति का दौर ऐतिहासिक फैसलों का रहा है। समाज को विश्व पटल पर पहचान देने और नई पीढ़ी के लिए उत्तरोत्तर उन्नति के रास्ते तैयार करने वाले उस दौर के नायकों के अनुभव की संपदा को फिर प्रयत्न में लाने का वक्त लौटता नजर आ रहा है। निश्चित ही यह महासभा के दुःस्वप्न की माली हालत की विदाई और स्वर्णिम एक नये सवेरे की शुरुआत का शुभ संकेत है। महासभा का नया गठन यदि आम सहमति से होता है तो फिर महासभा की वह चमक लौटेगी। जरुरत इस बात की है कि जिन लोगों को इसकी जिम्मेदारी मिली है, वे अपने दायित्व का निर्वहन बड़ी चिंता और फिक्र के साथ करें कि वे एक बार फिर नया इतिहास गढ़ने जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में समाज के प्रति समर्पित, सेवा भावी और सद्विचारों से अपना अलग व्यक्तित्व बनाने वाले समाजजनों के हाथों में महासभा की बागडोर आनी चाहिए, जो निजी हितों से ऊपर उठकर समाज के हित पर फैसले ले सकें और जो ठहराव महासभा की गतिविधियों में आ गया है, उसे गतिमान कर सके।

इसके लिए निश्चित तौर से समाज की छोटी इकाइयों तक भी मंथन का दौर चलाना पड़े, तो यह कवायद करनी चाहिए। जोधपुर से प्रस्फूटित यह वैचारिक अंकुर की बेल जब पूरे समाज में फैलेगी तो समाज के बीच एकजुटता और सह अस्तित्व का प्रादूर्भाव नए सिरे से होगा। महासभा में प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली से जो दोष घर कर गये हैं, उनका निवारण हो सकेगा। महासभा से शुरू हुई आम सहमति की प्रक्रिया छोटी इकाइयों तक जाकर समाज में एक नई ताकत और जोश का संचार करेगी। समाज और महासभा को इस आम सहमति के नए दौर की अग्रिम शुभकामनाएँ।

इसी माह में 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के संरक्षक पद्मश्री बंशीलाल राठी व महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा का जन्म दिवस है अतः मैं 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से उन्हें जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, साथ ही हम उनके दीर्घ जीवन की ईश्वर से कामना करते हैं।

यह अंक आपके हाथ में है, आशा है यह अंक भी आपकी कसौटी पर खरा उतरेगा। इस अंक में आप पाएंगे सभी स्थायी स्तम्भों के साथ पठनीय बहुत कुछ। अपनी प्रतिक्रया से अवगत कराना न भूलें। धन्यवाद।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अपनों से मन की बात

रायपुर में 25 जनवरी 1963 को श्री नारायणदास राठी के यहाँ जन्मे डॉ. सतीश राठी एक ख्यात चिकित्सक हैं और नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं। आपने अपने पिताजी के स्वप्न को साकार करने के लिये एमबीबीएस व एमएस (ई.एन.टी.) तक शिक्षा ग्रहण कर मुम्बई में तीन वर्ष का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर परिवार के प्रथम चिकित्सक होने का गौरव प्राप्त किया। आज चिकित्सा क्षेत्र में ई.एन.टी. की ऑटोलेरिंगोलॉजी एसोसिएशन रायपुर के अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ प्रदेश के सचिव रह चुके हैं। आपने 200 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का संचालन किया है। अपने व्यस्तताओं के बावजूद आप गत 36 वर्षों से समाज संगठन से भी सक्रिय रूप से सम्बद्ध हैं, माहेश्वरी युवा संगठन रायपुर के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के उपाध्यक्ष, रायपुर जिला माहेश्वरी सभा के सचिव, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक महासभा के संयुक्त मंत्री रहे हैं। वर्तमान में छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि प्रादेशिक ट्रस्ट के मानद मंत्री एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत चेतना लहर समिति के मध्यांचल संयोजक हैं। पिछले दो सत्रों में आपके नेतृत्व में समाज में वर्धा, छिंदवाड़ा, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर में टॉक शो का आयोजन किया गया है। अखिल भारतवर्षीय युवा संगठन के 1998 में राष्ट्रीय खेल एवं क्रिकेट स्पर्धा व पिछले सत्र में राष्ट्रीय खेल क्रिकेट उद्घाटन समारोह का मंच संचालन प्रमुख रहे। छात्र जीवन में मेडिकल कॉलेज रायपुर के छात्र संघ महासचिव रहे। रायपुर सिटी जेसीस में अध्यक्ष एवं अनेक पदों पर कार्य किया। पत्रिका संपादन में आपकी विशेष रुचि रही है। मेडिकल कॉलेज लायंस, जेसीस, मेडिकल एसोसिएशन सहित अनेकों सम्मेलन की पत्रिका में आपने संपादक की भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ माहेश्वरी पत्रिका में सहसम्पादक के रूप में सहयोग रहा है। आपकी पत्नी डॉ. छाया राठी (एमडी) पैथालाजिस्ट हैं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के माध्यम से आप तक मन की बात कहने का सौभाग्य मिला है। लंबे समय से सामाजिक विशेषकर माहेश्वरी संगठनों में कार्य करने का अवसर मिला। संगठन पदाधिकारी एवं समाज सदस्य एक-दूसरे के पर्याय हैं, किन्तु एक-दूसरे से इतनी अधिक अपेक्षा रहती है, जो शायद उचित भी हो सकती है, किंतु दोनों हमेशा असंतुष्ट रहते हैं। इसका मुख्य कारण मेरी दृष्टि में है, हम अपने अधिकारों के प्रति ज्यादा सजग रहते हैं और कर्तव्य की ओर कम।

पिछले तीन सत्रों यानी करीब 11 वर्षों से शृंखलाबद्ध संगठन के अनुरूप राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं स्थानीय संगठनों को एक लय में एक साथ कार्य करने के लिए तैयार किया जा रहा है, जो श्रेष्ठ प्रयास है। स्थानीय संगठनों की समस्या तीन वर्षों का कार्यकाल है, जो अखिल भारतीय समय कम होने के कारण तय किया गया है। पिछले तीन सत्रों का अनुभव रहा, हर सत्र में छह माह का कार्यकाल बढ़ाया गया जिसका कोई ठोस कारण नहीं था। पूछने पर उत्तर मिला, संविधान में प्रावधान है। क्या यह उचित है? एक प्रमुख कड़ी के कारण निचला महत्वपूर्ण ढांचा बिगड़ जाता है। राष्ट्रीय संगठन के लिए विचाराधीन है, कमजोर कड़ी कौन? ऐसे अनेक विश्वव्यापी संगठन हैं, जिन्होंने केवल एक वर्ष में समय पर कार्य पूर्णकर कीर्ति स्थापित की है। तो फिर हम समय पर कार्य को पूर्ण क्यों नहीं कर पाते यह सोचना चाहिए।

पिछले वर्षों में समाज में शिक्षा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। शिक्षा का स्तर उच्च विशिष्ट उपलब्धियों के साथ बढ़ा है। लड़कों के अनुपात में लड़कियाँ ज्यादा उच्च शिक्षा में सफल होकर परचम लहरा रही हैं, जो गौरव का विषय है। किंतु दूसरा पहलू विचारणीय है कि उच्च शिक्षित होने के बावजूद समाज में विवाह संबंधों में देरी हो रही है। समाज का बड़ा भाग 28-35 वर्षों का युवा शिक्षित समूह अविवाहित लोगों की संख्या ज्यादा है। इसके क्षेत्रवार और भी कारण हो सकते हैं। विवाहित होने पर दोनों की सहमति से संतान उत्पत्ति के प्रयास में देरी भी हो रही है। मेरा मत है कि अधिक उम्र में मातृत्व सुख लेना घातक व दुष्परिणाम का कारण हो सकता है। अनेकों अनुवांशिक बीमारियों का ज्यादा खतरा बना रहता है। लालन-पालन में संस्कारों एवं घरेलू वातावरण की व्यवस्था एकल परिवार में संभव नहीं हो पा रही है। पारिवारिक, व्यापारिक व सामाजिक जिम्मेदारी से दूर होने की कड़ी का प्रारंभ हो चुका है। अपने आपको स्वयं तक सीमित करना छद्म दंभ है कि हम किसी पर निर्भर नहीं है, समाज से दूर रहकर भी बेहतर निर्वाह कर सकते हैं। देर सबेर समझ आएगा तब तक देर हो जाएगी। इस पहलू पर शिक्षित युवा समुदाय का उत्तरदायित्व है, विचार करें और लें निर्णय।

सूर्य नगरी जोधपुर में संपन्न कार्यकारी मंडल बैठक का सुखद अनुभव रहा। **पहला-**चुनाव का प्रजातांत्रिक अधिकार होने के बावजूद हम चुनाव के माध्यम से सफल सक्रिय नेतृत्व तलाशने में असफल रहें। अतः इस बार आम सहमति की बात हो रही है। भगवान महेश की कृपा से हम अच्छे वातावरण में संगठन को समयबद्ध सक्रिय नेतृत्व के साथ देख सकेंगे।

दूसरा- बैठकों में स्वागत क्रम बहुत ज्यादा लंबा, दिखावे वाला व बोझिल होता जा रहा था। इसे पूर्ण विराम देते हुए केवल अध्यक्षीय स्वागत उद्बोधन तक सीमित करना श्रेष्ठतम उदाहरण रहा। सभी ने इसका पूर्णरूपेण समर्थन भी किया। नो माला, नो बुके, नो एनीथिंग। इस जोधपुर के स्वागत को उदाहरण के रूप में सभी संगठनों की बैठकों में अपनाया जाना चाहिए।

जोधपुर की बैठक में जो हुआ वह शुभ संकेत है, लेकिन यह तब शुभ हो सकता है, जब कार्यान्वित भी हो अन्यथा कल्पना के सिवा कुछ नहीं। यदि वास्तव में हम चुनाव की बजाए सर्वसम्मति से महासभा के पदाधिकारियों का चयन करने में सफल होते हैं, तो यह महासभा का स्वर्णिम सत्र होगा। इससे गत लम्बे समय से चल रही गुटबंदियों पर तो विराम लगेगा ही, साथ ही समाज का समय व धन भी समाजहित में लग सकेगा। अंत में मैं इस प्रयास के लिए सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ और इसके साकार होने की मंगलकामना करता हूँ।

डॉ. सतीश राठी
अतिथि सम्पादक
Mo. 94252 03588 | e-mail : dr.satishrathi@gmail.com

श्री दधिमती माताजी

श्री दधिमती माताजी बाहेती, डागा, असावा, चेचानी, मणियार, होलानी, कचौलिया, जाखेटिया, ईनानी, लोया, गिलड़ा, पलौड़ एवं लखोटिया खाँप की कुलदेवी है। इसके अतिरिक्त दधिच ब्राह्मण, चौधरी एवं जाट समाज वाले भी इन्हे अपनी कुलदेवी मानते हैं।

दधिमति माता 52 शक्तिपीठों में से एक (कपाल शक्तिपीठ) है। माताजी का मंदिर राजस्थान में नागौर जिले के जायल तहसील के छोटे से गाँव गोठ मांगलोद में स्थित है। ग्राम गोठ मांगलोद जायल तहसील से 12 किलोमीटर तथा नागौर जिले से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। माताजी का मंदिर भव्य एवं आकर्षक रूप लिये लगभग 4 बीघा क्षेत्रफल मे फैला हुआ है। मान्यता है कि आज से लगभग 2 हजार वर्ष पूर्व माता ने एक चरवाहे को आकाशवाणी रूप में अपने प्रकट होने का संदेश सुनाया। इसके तत्काल पश्चात बिजली की गड़गडाहट एवं शेरों की गर्जना के साथ-साथ माताजी ने धरती में से प्रकट होना शुरु किया। इसी बीच चरवाहे के डरकर भागने के कारण माता वर्तमान स्वरूप (शीर्ष स्वरूप) में ही स्थापित हो गई। दधीची ऋषि से भी जुड़ी हुई कई घटनाएँ बताई जाती हैं। अतः माता का नाम दधिमती माता तथा कुण्ड का नाम दधिची कुण्ड पड़ा। मंदिर परिसर में दो कुएँ है जिनका जल निर्मल एवं मीठा है, जबकी बाहर स्थित कुओं का जल खारा है।

कहाँ ठहरें

मंदिर परिसर में ही रहने एवं ठहरने की व्यवस्था है। इसके साथ ही भोजन की व्यवस्था भी है, जिसमें आप 15 रु. प्रति व्यक्ति के हिसाब से शुद्ध वैष्णवी भोजन प्राप्त कर सकते है। मंदिर के पास ही सुन्दर एवं भव्य धर्मशाला बनी हुई है, जिसका किराया भी न्यूनतम है। मंदिर परिसर में एक यज्ञशाला भी है। मंदिर परिसर में माताजी की अखण्ड ज्योत जलती रहती है।

आरती पूजन

माताजी का मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ 24 घंटे खुला रहता है। प्रातः 5.30 बजे मंगला आरती और 11 बजे अभिषेक, संध्या 7.30 बजे आरती एवं रात्रि 9.30 बजे शयन आरती की जाती है। माताजी को दाल-बाटी एवं चुरमे का भोग लगाया जाता है तथा दूध से अभिषेक किया जाता है।

कैसे पहुँचें

ग्राम गोठ मांगलोद जयपुर से लगभग 300 कि.मी. तथा अजमेर से लगभग 110 किलोमीटर दूर स्थित है।

विमान द्वारा जयपुर पहुंचकर यहां से बस, किराये या स्वयं के चौपहिये वाहन द्वारा यहां पहुंचा जा सकता है।

यदि आप ट्रेन से जाना चाहते हैं तो ट्रेन द्वारा अजमेर पहुंचकर यहां से बस, किराये या स्वयं के चौपहिये वाहन द्वारा यहां पहुंच सकते हैं।

महासभा ने की फिर इतिहास लिखने की कोशिश

जोधपुर में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के चयन का प्रयास अन्यथा 18 दिसम्बर को होंगे चुनाव

जोधपुर। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति की षष्ठम् एवं कार्यकारी मंडल की द्वितीय बैठक का आयोजन 22 से 25 जुलाई तक पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में किया गया। इस चुनाव पूर्व की बैठक में महासभा के पदाधिकारियों के निर्वाचन के लिये 18 दिसम्बर का दिन निर्धारित तो किया गया, लेकिन इसके पूर्व 15 अगस्त तक चुनाव की बजाय सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के चयन के लिये प्रयास करने का निर्णय भी किया गया। यदि इसमें सफलता मिलती है, तो यह लंबे अरसे के बाद देश के समाज संगठनों में से सबसे बड़े व सबसे पुराने संगठन का वर्तमान दौर में लिया गया ऐतिहासिक फैसला होगा।

तय कार्यक्रम के अनुसार 23 जुलाई को महासभा की कार्य समिति व 24 जुलाई को कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन हुआ। इसके संयोजक प्रदेश अध्यक्ष जे.एम. बूब तथा समन्वयक संदीप काबरा थे। इसके लिये पूर्व दिवस 22 जुलाई को प्रातः 9 बजे से माहेश्वरी जनोपयोगी भवन प्रांगण में आगंतुकों का पंजीयन प्रारंभ हो गया था। दोपहर के भोजन के पश्चात उपस्थित सदस्यों व पदाधिकारियों ने "आरोग्य भवन-अपना घर" बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र में पौधारोपण किया। इसके पश्चात सभी बस द्वारा जोधपुर जिला सभा छात्रावास प्रांगण पहुंचे, जहां कौशल विकास केंद्र जोधपुर जिला सभा एवं शैक्षणिक प्रकोष्ठ समिति द्वारा नवनिर्मित 'स्किल एंड पर्सनॉलिटी डिवलपमेंट सेंटर" का लोकार्पण किया गया। इसका लोकार्पण सभापति जोधराज लड्ढा तथा पूर्व सभापति रामपाल सोनी के हाथों माधवदास मोदी के सान्निध्य में किया गया। भोजन के पश्चात रात्रि 9 बजे जनोपयोगी भवन के शारदा पलोड़ हॉल में "राजस्थानी लोक संगीत" का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रथम बार शामिल हुए पाकिस्तानी माहेश्वरी

यहां आयोजित कार्य समिति की बैठक में प्रथम बार पाकिस्तान से आया माहेश्वरी समाजजनों का 7 सदस्यीय दल भी हुक्मीचंद्र करनानी के नेतृत्व में शामिल हुआ। इन्हें भारतीय समाज संगठन के प्रयासों से ही शीघ्र वीजा प्राप्त हुआ था। ये भारतीय माहेश्वरी समाज से संबंध स्थापित करने आये थे। बैठक में वक्ताओं ने पाक व अन्य देशों में रहने वाले माहेश्वरी बंधुओं को मुख्य संगठन से जोड़ने पर चर्चा की। विशेष तौर से पाकिस्तान में रहने वाले समाज के लोगों से रिश्ते मजबूत बनाने के साथ शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार व बालिका शिक्षा के बारे में हर संभव सहयोग कर समाज को मजबूती प्रदान की जाएगी। बैठक में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों के साथ आदान-प्रदान कैसे संभव हो, इसे लेकर चिंतन भी किया गया। राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में महासभा के पदाधिकारियों ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने के साथ समाज उपयोगी कार्यों को किस तरह विस्तार दिया जाए, इस पर भी लंबी चर्चा की। बैठक में महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा, पूर्व सभापति रामपाल सोनी, पद्मश्री बंशीलाल राठी, संगठन मंत्री संदीप काबरा, प्रशासनिक अधिकारी सुरेश काकाणी, पूना के हीरालाल मालू, उद्यमी अनिल मोदानी, उपाध्यक्ष रतनलाल नवलखा व जुगल किशोर सोमानी, माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

सर्वसम्मति की बनी रूप रेखा

महासभा के पदाधिकारियों के मतदान से चुनाव के कारण समाज में गुटबंदी की स्थिति बन रही है। अतः लंबे समय से पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी महासभा के पदाधिकारियों का मतदान पद्धति से चुनाव करवाने के बजाय सर्वसम्मति से चयन करने की सभी समाजजनों व सदस्यों से अपील करते रहें हैं। इस बैठक के दौरान भी उन्होंने यही प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। वैसे बैठक में चुनाव हेतु 18 दिसम्बर का दिवस निर्धारित किया गया, लेकिन इससे पूर्व सर्वसम्मति के लिये समन्वय समिति का भी गठन किया गया। महामंत्री श्री भूतड़ा के अनुसार इस समिति में 4 पूर्व सभापति तथा स्वयं श्री भूतड़ा शामिल हैं और आवश्यकता पड़ने पर इसे 11 सदस्यीय की जा सकती है। यह समन्वय समिति सभी संभावित उम्मीदवारों से संपर्क कर सर्वसम्मति की संभावना तलाश कर 15 अगस्त तक चुनाव अधिकारी को अपनी रिपोर्ट देगी।

महासभा का दिल्ली में भवन नहीं बनने का मुझे बड़ा मलाल है - श्री भूतड़ा

बैठक के दौरान सभापति जोधराज लड्ढा ने सारगर्भित अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया, जिसकी व्याख्या महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने की।

महामंत्री श्री भूतड़ा के उद्‌बोधन में कुछ योजनाएँ पूर्ण न करने का दर्द भी था। उन्होंने कहा कि करीब 100 से अधिक शहरों, गांवों में गया हूँ, हजारों समाज बंधुओं से रूबरू होकर अपनी बात कहीं एवं उनकी सुनी व नीति निर्धारण करने वाली हमारी महासभा क्या चाहती है, यह संदेश देने का प्रयास किया। देश के प्रधानमंत्री महोदय से पत्राचार कर श्री श्याम जाजू के माध्यम से महेश नवमी शुभकामनाएँ प्रेषित करवाईं, गृहमंत्री माननीय राजनाथसिंहजी से मिलकर समाज की सुदूर क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति पर समस्याएँ प्रस्तुत की, इसका संतोष है। फिर भी खेद है कि देहली भवन एवं कार्यालय की महत्वपूर्ण योजना एवं समाज के उत्कृष्ट कार्यों का परिचय देने हेतु देहली में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन "राष्ट्र के निर्माण में माहेश्वरी समाज का योगदान" दोनों ही नहीं कर पाये हैं। जिसकी हार्दिक इच्छा थी। प्रभु कृपा से माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष के नाते जहां दुर्गम स्थलों पर, पहाड़ एवं पुराने भवन को तोड़कर एवं अतिक्रमण हटवाकर समाज के सहयोग से लगातार इमारतें खड़ी की, परंतु देहली में महासभा का भवन दिली इच्छा के बावजूद नहीं बनवा पाया। मुझसे आपकी अपेक्षा थी, पर स्वप्न, स्वप्न ही रह गया। इसके लिये मुझे बड़ा मलाल है।

सदस्यों की संख्या को लेकर मतभेद की स्थिति बनी हुई है। वहाँ पर उपस्थिति अन्य पदाधिकारियों का मानना है कि यह समिति केवल 4 सदस्यों की है, जिसमें वर्तमान एवं 3 पूर्व सभापति शामिल हैं।

महासभा के संभावित उम्मीदवारों श्याम सोनी, रामावतार जाजू, रमेश बंग व रामगोपाल मूंदड़ा ने इस समन्वय समिति का निर्णय स्वीकार करने की सहमति प्रदान की है।

इसी दिन शाम 5:15 बजे कायलाना चौराहा पहुंचकर महासभा के 125 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "श्री माहेश्वरी महासभा गौरव स्तम्भ" का अनावरण किया गया। इस अवसर पर समाजजनों के साथ ही कई स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

जैसलमेरिया की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बैठक में संपूर्ण भारत, नेपाल एवं पाकिस्तान से आये हुए माहेश्वरी बंधुओं ने जोधपुर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्व. श्री मगराज जैसलमेरिया चौराहे पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। अ.भा माहेश्वरी महासभा सभापति जोधराज लड्ढा, मंत्री रामकुमार भूतड़ा, संगठन मंत्री संदीप काबरा, निवर्तमान सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी, रामपाल सोनी, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला, प्रदेश माहेश्वरी महासभा अध्यक्ष जे.एम. बूब, जोधपुर जिला सभा अध्यक्ष रतनलाल डागा, जोधपुर माहेश्वरी समाज मंत्री दामोदरलाल बंग, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, जोधपुर विधायक सूर्यकांता व्यास, कैलाश भंसाली, पूर्व विधायक जुगल काबरा, जोधपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष महेंद्रसिंह राठौड़ आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। रेलवे एसपी ललित माहेश्वरी, श्रीचंद्र दम्माणी, सोहनलाल भूतड़ा, उद्योगपति लक्ष्मीनारायण सोमानी, सोहनलाल, शांतिलाल, अरुण एवं दीपक जैसलमेरिया आदि मौजूद थे।

युवा आईआरएस पुनीत डागा से करवाया कार्यकारी मंडल बैठक का शुभारंभ

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की द्वितीय कार्यकारी मंडल बैठक का आयोजन 24 जुलाई को "कस्तुरी आर्चिड" में हुआ। बैठक में श्री सीमेंट के चेयरमैन हरिमोहन बांगड जैसे बड़े उद्योगपति, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू सहित महासभा के कई पदाधिकारी, समाजसेवी आदि मंच पर मौजूद थे, लेकिन मंच द्वारा शिक्षा को सम्मान देने का फैसला लिया गया।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मथानिया के होनहार पुनीत डागा को मंच पर बुलाकर उनके हाथों से दीप प्रज्ज्वलित करवाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। श्री डागा सीए, सीएस करने के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में आईआरएस चुने गये। बैठक में सभापति जोधराज लड्ढा, संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमानी, अर्थ मंत्री रमेश बंग, उप सभापति रतनलाल नौलखा, पद्मश्री बंशीलाल राठी, रामकुमार भूतड़ा, माधवदास मोदी, पश्चिमी राजस्थान माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष जे.एम. बूब, जोधपुर माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग, जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रतनलाल डागा आदि का भी मार्गदर्शन मिला। संयुक्त मंत्री कमल किशोर चांडक, सीताराम राठी, पुरुषोत्तम मूंदड़ा, मुरलीधर सोनी, लालचंद चांडक सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सर्वसम्मति की कवायद अंचलों में चुनाव का विरोध

कार्यकारी मंडल की बैठक के दौरान भी सर्वसम्मति से महासभा के चुनाव करवाने का मुद्दा उठाया गया, जिसका सभी सदस्यों ने हर्ष ध्वनि से स्वागत किया। इस समिति में शामिल महासभा के महामंत्री श्री भूतड़ा ने कहा कि यह इतना बड़ा फैसला है, जिसे मात्र 5 सदस्यीय समिति नहीं ले सकती। आवश्यकता होने पर इसके लिये और भी प्रबुद्धजनों को समन्वय समिति में

शामिल किया जाऐगा। बैठक के दौरान अनावश्यक खर्च को नियंत्रित करने के लिये महासभा के लिये मतदान सिर्फ एक स्थान पर न करवा कर प्रत्येक अंचल में पृथक-पृथक करवाने का प्रस्ताव भी आया, लेकिन अधिकांश सदस्यों ने इसका विरोध किया। उनका मत था कि इससे अंचलों के साथ पक्षपात होगा।

विधान (प्रोटोकॉल) की अवहेलना पर विरोध के स्वर

सदन में महासभा के चुनाव को लेकर "चुनाव स्थल" पर चर्चा हो रही थी। इस चर्चा के दौरान अति उत्साह में महासभा की एक महिला पदाधिकारी ने कोलकाता में चुनावी बैठक के आयोजन का आमंत्रण दे दिया। उनके इस प्रस्ताव पर उपस्थित कोलकाता प्रदेशाध्यक्ष नन्दकिशोर लखोटिया ने विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि उक्त पदाधिकारी को प्रोटोकॉल की अवहेलना नहीं करनी चाहिए। वहीं पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी ने भी चैन्नई में चुनावी बैठक का न्योता दिया, लेकिन इसके लिए उन्होंने विधानानुसार यह प्रस्ताव रखने से पूर्व अपने प्रदेशाध्यक्ष से अनुमति ली। उनके इस व्यवहार की सभी ने प्रशंसा की।

व्यवस्थाओं ने भी रचा इतिहास

जोधपुर की यह बैठक न सिर्फ सर्वसम्मति से चुनाव के प्रस्ताव को लेकर ही ऐतिहासिक रही, बल्कि इसकी व्यवस्थाओं ने भी आश्चर्यचकित कर दिया। यह अपने आप में एक ऐसी बैठक थी जिसमें संगठन का कोई खर्च नहीं हुआ। इसका कारण समस्त आवास व भोजन आदि व्यवस्था समाजजनों के द्वारा निःशुल्क प्रदान करना था। समाज भवन श्री माहेश्वरी जनोपयोगी भवन, श्रीराम शरद कोठारी माहेश्वरी भवन खेतावाड़ी, श्री माहेश्वरी भवन कमला नेहरू नगर, श्री माहेश्वरी सिवांची गेट तथा श्री माहेश्वरी भवन मसूरिया तो निःशुल्क थे। इसके साथ आवास व्यवस्था में उपयोग आये होटल चंद्रा इन, होटल चंद्र इम्पिरियल, होटल श्रीराम इंटरनेशनल, उम्मेद क्लब तथा होटल कस्तूरी आर्चिड जैसे महंगे होटल भी इनके मालिक जे.एम. बूब, बी.एल. सोनी तथा श्याम बाहेती आदि ने समाजहित में अपनी ओर से निःशुल्क उपलब्ध करवाए। प्रथम दिवस पर मनोकामनेश्वर नाथ डूंगरिया धाम भ्रमण के दौरान वहां की भोजन सहित समस्त व्यवस्था सत्यनारायण धूत की ओर से की गई।

इन व्यवस्थाओं को देखकर कार्यक्रम संयोजक व प्रदेशाध्यक्ष जेएम बूब, समन्वयक संदीप काबरा तथा उनकी पूरी टीम की हर किसी ने प्रशंसा की। वास्तव में समन्वयक के रूप में श्री काबरा को भी मंच पर आसीन होना था, लेकिन ऐसा न करते हुए वे व्यवस्थाओं में ही जुटे रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भी इस बैठक की सफलता का श्रेय अत्यंत सहजता से उन्होंने समस्त कार्यकर्ताओं को दे दिया। उनकी इस सहजता व सादगी ने भी सभी का दिल जीत लिया।

महिलाओं ने जताया आक्रोश

प्रथम दिवस को ही रात्रि में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक भी राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी, विमला साबू, गीता मूंदड़ा, प्रो. कल्पना गगरानी सहित, कई सदस्याएँ उपस्थित थीं। इस बैठक में प्रमुखता से महिला संगठन में पुरुषों के हस्तक्षेप का मुद्दा उठा। सदस्याओं का कहना था कि महिला

संगठन के चुनावों में पुरुषों का अत्यधिक हस्तक्षेप होता है। इससे इस संगठन में भी गुटबंदी पनप रही है। वहीं लगभग हर गतिविधि में भी पुरुष वर्ग का न सिर्फ हस्तक्षेप रहता है, बल्कि वे वर्चस्व ही कायम रखते हैं।

महेश रत्न से चार विभूतियाँ सम्मानित

इसी बैठक के दौरान इस बार सम्मान समारोह का आयोजन भी हुआ। इसमें अतिविशिष्ठ उपलब्धियों के लिए 4 समाजजनों का महेश रत्न से सम्मान किया गया। इसमें होस्टन यूनिवर्सिटी की वाइस चान्सलर रेणु खटोड़, स्मृति मानधना, रमेश दम्मानी तथा मेजर आकाश तापड़िया को सम्मानित किया गया। चित्रकला के क्षेत्र में डी लिट की उपाधि प्राप्त करने वाले ख्यात चित्रकार मुरली लाहोटी का भी इस अवसर पर सम्मान किया गया।

दिसम्बर में होगा 'माहेश्वरी आइकॉन' का आयोजन

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन की पदाधिकारियों की बैठक भी इसी दौरान 23 जुलाई को कमल भूतड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि दिसम्बर माह में 'माहेश्वरी आइकॉन' एवं 'लिविंग लिजेंट ऑफ माहेश्वरी' का आयोजन होगा एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई। इसमें प्रमुख रूप से राजकुमार काल्या, विवेक मोहता, दत्तप्रसाद तोतला आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

पाकिस्तानी माहेश्वरियों ने बांटा अपना दर्द...

वैसे तो पाकिस्तान से वीजा पर आने के कारण पाकिस्तान निवासी समाजजन वहां की स्थितियों पर खुलकर नहीं बोल पाये लेकिन फिर भी अपना दर्द छिपा नहीं पाये। पाकिस्तानी हिंदू काउंसिल के अध्यक्ष हुक्मीचंद करनानी (माहेश्वरी) ने कहा कि जब भी भारत में मुंबई-गुजरात जैसी परिस्थितियाँ पैदा होती हैं, उसका असर पाकिस्तान के अल्पसंख्यक हिंदुओं पर भी पड़ता है। हालांकि पाकिस्तान की अफगान बॉर्डर पर अल्पसंख्यकों का रहना बेहद कठिन है, परंतु सिंध इलाके में जीवन ठीक-ठाक है। हां हालात खराब होते हैं, तो अलर्ट रहना पड़ता है। श्री करनानी ने बताया कि पहली बार पाकिस्तान के माहेश्वरी समाज ने इस बार महेश नवमी मनाई है और मुस्लिम लीग ने हिंदू काउंसिल के संरक्षक को असेंबली में भी जगह दी है। पाक हिंदू दल में ही शामिल घनश्याम कचौलिया ने बताया कि पिछले कुछ समय से तीन हिंदू मंदिर तोड़े गए थे, मगर पुलिस की जांच में सामने आया कि दो मंदिरों को ट्रस्ट व पुजारियों के विवाद में नुकसान पहुंचा गया था। तीसरा मंदिर बहुसंख्यक युवक ने तोड़ा, परंतु वह भी मानसिक विक्षिप्त निकला। हिंदू संगठनों ने आवाज उठाई तो पाकिस्तान सरकार से मुआवजा भी मिला। वहीं पाकिस्तान छोड़कर जयपुर (राज.) में आ बसी डॉ. निर्मला गिग्गल ने खुलकर बताया कि वहाँ के हिंदुओं के हालात अत्यंत खराब हैं। इन्हीं परिस्थितियों के कारण हमने रातों रात निर्णय लिया और यहाँ आ गये। अब भारत की नागरिकता के लिए प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान में 700 से अधिक माहेश्वरी डॉक्टर व इंजीनियर हैं और कई समाजजन प्रशासन के महत्वपूर्ण पदों पर भी सेवा दे रहे हैं।

किन्होंने क्या कहा?

"चुनाव समाज के लिये कभी भी हितकर नहीं रहे हैं। इससे समाज में गुटबंदी पैदा होती है और समाज के पैसे का दुरुपयोग होता है। सर्वसम्मति से चयन ही समाजहित में सर्वोत्तम है। सभी मिलकर इसके लिये जो प्रयास कर रहे हैं, वह स्वागत योग्य है।"

- पद्मश्री बंशीलाल राठी, पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

माहेश्वरी समाज ने सेवा कार्यों से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समाज के लोगों को ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। सेवा प्रकल्पों को जारी रखते हुए जरुरतमंद लोगों सहित समाज के हर वर्ग को मजबूत बनाने की योजनाएं बनानी होगी।

- हरिमोहन बांगड़, चेयरमैन श्री सीमेंट

"चुनाव के पूर्व व बाद में एक वर्ष तक बैठक न होने से संगठन में निष्क्रियता उत्पन्न होती है। इस सत्र में तो चुनाव बाद डेढ़वर्ष तक बैठक ही नहीं हुई। अतः नवीन पदाधिकारी व सदस्य इस अवधि तक अपनी जिम्मेदारी ही समझ न पाऐ। ऐसी स्थिति महासभा में बनना उचित नहीं है।"

- श्याम सोनी, पूर्व महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा

"निर्विरोध निर्वाचन से अधिक श्रेष्ठ समाज के लिये कुछ नहीं है। अंचलों में मतदान करवाना उचित नहीं है। यदि पैसा बचाना ही है, तो ई-वोटिंग करवा लेना चाहिये।

- सुनील गिग्गल, प्रदेश मंत्री, गुजरात माहेश्वरी सभा

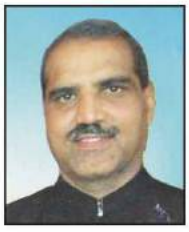

माहेश्वरी समाज के लोगों में लगन व समर्पण की कमी नहीं है। हमारी ताकत व्यवसाय में थी, लेकिन अब भूमंडलीकरण के दौर में बुद्धि की कीमत आंकने का काम शुरू करते हुए हमारे युवा उच्च शिक्षा पाकर प्रशासनिक सेवा में भी स्थान पाने लगे हैं। युवा स्टारडम कंपनी स्थापित करना चाहें तो समाज को सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए।

-सुरेश काकाणी, प्रशासनिक अधिकारी

" समन्वय समिति व चुनाव समिति जो भी निर्णय लेती है, वह सर्वमान्य होना चाहिये। जरूरत नकारात्मक ढंग से क्या नहीं हुआ, इस पर बात करने की बजाय, हम क्या कर सकते हैं, यह सोचने की है। गलतियाँ का चिंतन कर उनका सुधार करें।

- रामपाल सोनी, पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

"समाज संविधान से नहीं नैतिकता से चलता है। पार्टी संगठन में रहते हुए अनुभव हुआ कि माहेश्वरी होने के कारण लोग मुझे कितने सम्मान से देखते हैं। आडम्बर रहित समाज के लिए हमें मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समाज को नई दिशा देने की जरूरत है। इसके लिए युवा पीढ़ी को भी संस्कारवान बनाकर हर क्षेत्र में आगे लाने की जरूरत है।

- श्याम जाजू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा

" हमारे समाज के इस गरिमामय संगठन ने 125 वर्ष पूर्ण किये हैं। इस अवसर पर गौरव स्तम्भ का लोकार्पण तो हुआ ही साथ ही पाकिस्तान से भी समाजजन शामिल हुए, यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। वहां माहेश्वरी समाज के 1500 से अधिक परिवार हैं। इन्हें भी समाज से जोड़ने के प्रयास किये जाने चाहिये।

- संदीप काबरा, कार्यक्रम समन्वयक व संगठन मंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा

" अंचलों में चुनाव होना उचित नहीं है। इससे अंचलों में उम्मीदवारों की स्थिति सामने आयेगी और इससे पक्षपात की स्थिति निर्मित होगी। यदि बहुमत प्राप्त उम्मीदवार भी 5 में से 3 अंचल में हार गया, तो उसे उसकी नैतिक हार मानी जाऐगी। अतः ऐसी स्थिति उचित नहीं है।"

-रमेश मर्दा, पूर्व अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

समाज के लोग दुनिया में कहीं भी हों, एक-दूसरे से जुड़ाव बनाए रखें, उनमें परस्पर पारिवारिक रिश्ते बनें ऐसे प्रयास किये जाने चाहिये।

-पवन सारड़ा, सांसद नेपाल

'माहेश्वरी' पत्रिका कचरे में फेंकने लायक थी?

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'माहेश्वरी' वास्तव में महासभा का मुखपत्र (गजट) है। इसकी गरिमा व योगदान इतिहास में अंकित है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी इसने अपना ऐसा योगदान दिया कि जिससे घबराकर अंग्रेजी हुकूमत ने इसके प्रकाशन पर प्रतिबंध तक लगा दिया था। आजादी के बाद भी इसने संगठन की योजनाएँ तो जन-जन तक पहुँचाईं ही साथ ही समाज सुधार का अलख भी जगाया। इसकी इस गरिमा का कारण श्री रामगोपाल माहेश्वरी नागपुर, श्री नथमल डालिया तथा श्री बनवारीलाल जाजू जैसे समस्त समर्पित प्रबुद्ध बोर्ड अध्यक्ष तथा संचालक रहे हैं। अल्प संसाधनों के बावजूद इसका सतत व स्तरीय प्रकाशन होता रहा है, लेकिन महासभा की जोधपुर बैठक के दौरान कार्यकारी मंडल सदस्य व जयपुर के प्रशासनिक अधिकारी विनोद अजमेरा ने 'माहेश्वरी' के इन सभी समर्पित सेवियों की सेवाओं को ही कूड़े में डाल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान बोर्ड के पूर्व प्रकाशित हो रही 'माहेश्वरी' पत्रिका कचरे में फेंकने लायक थी। क्या उनकी नजर में माहेश्वरी बोर्ड के पूर्व पदाधिकारियों की सेवाओं का कोई मूल्य ही नहीं है? वर्तमान में प्रिंटिंग तकनीकों का अत्यधिक विकास हुआ है लेकिन ये शृंगारित तो सामग्री को ही करती है। अतः मात्र प्रिंटिंग ही किसी पत्रिका का मापदंड नहीं हो सकती। मात्र इसके आधार पर पूर्व पदाधिकारियों की सेवाओं का अपमान करना क्या उचित है? उल्लेखनीय है कि श्री अजमेरा ने पूर्व में आयोजित वृन्दावन बैठक में भी इन्हीं शब्दों का उपयोग किया था।

अमेरिका में लहराया माहेश्वरी संस्कृति का परचम

MMNA ने किया IMRC 2016 का भव्य आयोजन - रंगारंग कार्यक्रमों के साथ युवाओं को भी मिली कई सौगात

बोस्टन (अमेरिका)। माहेश्वरी महासभा ऑफ नार्थ अमेरिका (एमएमएनए) द्वारा गत 1 से 4 जुलाई तक स्टेडफोर्ड हिल्टन में आठवें अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन (आईएमआरसी-2016) का भव्य आयोजन किया गया। इसमें सम्पूर्ण विश्व से न सिर्फ बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए बल्कि उन्होंने इस आयोजन में अपना योगदान भी दिया। इसमें शामिल लोगों में से 20 फीसदी से अधिक 21 से 35 वर्ष के युवा थे। इस स्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि युवाओं के अनुकूल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, तो युवा भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होने से पीछे नहीं रहते।

इस बार के इस आयोजन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी ही सम्पूर्ण विश्व से समाजजनों का बड़ी संख्या में इसमें शामिल होना था। इसके लगभग 650 सहभागियों में से इस बार 21 से 35 वर्ष आयु के 120 से भी अधिक युवा के शामिल होने से कार्यक्रम में विशेष उत्साह उत्पन्न हो गया। वर्तमान में यह आम धारणा है कि युवा वर्ग समाज की मुख्यधारा से दूर होता जा रहा है। इस आयोजन ने युवाओं की इस लगभग 20 प्रतिशत से भी अधिक उपस्थिति से इस धारणा को भ्रांति सिद्ध करते हुए स्पष्ट कर दिया कि यदि समाज संगठनों से युवा वर्ग दूर हो रहा है, तो इसमें संगठनों की अपनी कमी है। इसमें शामिल युवा वर्ग "दी राजस्थानी एब्राड यूथ समाज" से सम्बद्ध था। इनमें पाकिस्तानी मूल के 60 समाजजन भी शामिल हुए।

अतिथियों ने दिया शुभकामना संदेश

इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा आमंत्रित थीं, लेकिन किन्हीं कारणवश वे उपस्थित नहीं हो सकीं। फिर भी उन्होंने वीडियो मैसेज के माध्यम से अपना शुभकामना संदेश प्रेषित कर एमएमएनए को युवा वर्ग में राजस्थानी संस्कारों का बीजारोपण करते हुए सम्पूर्ण समाज को साथ लाने के इस प्रयास पर बधाई दी। विशेष सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित न्यूयार्क में भारत की कन्सल जनरल रिया गांगुलिया, सम्माननीय अतिथि तेलंगाना के विशेष मुख्य सचिव विनोद के. अग्रवाल, ख्यात व्यवसायी गोविंद चाँडक तथा सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. कमल टावरी ने भी अपने हृदयस्पर्शी उद्‌बोधन दिये।

लाहोटी व बजाज सम्मानित

इस अवसर पर अपनी परंपरानुसार विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित भी किया गया। इसके अंतर्गत "लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड" से डेट्राइट मिचिगन के हनुमानदास लाहोटी को माहेश्वरी समाज की उन्नति में सतत सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। "स्पेशल एक्सीलेंस इन लीडरशिप अवॉर्ड" से एमएमएनए के अध्यक्ष पराग बजाज को मेट्रिमोनियल बेवसाइट सहित अपने नेतृत्व में समाज को दिए गए विभिन्न उल्लेखनीय योगदानों के लिए सम्मानित किया गया।

युवाओं की उन्नति के द्वार खोले

इस अवसर पर युवाओं को शिक्षा व नव उद्यम के लिए भी सौगातें मिलीं। एमएमएनए के संस्थापक सदस्य सोधानी फाउंडेशन के विमल सोधानी ने युवा उद्यमियों की सहायता के लिए बीज पूंजी प्रदान करने की घोषणा की। इसके लिए उनकी फाउंडेशन एमएमएनए को प्रतिवर्ष 1 लाख डॉलर की राशि प्रदान करेगीं। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं में विकास की प्रबल क्षमता है, बस उन्हें कुछ आर्थिक सहयोग की जरूरत है। इस आयोजन में सदस्यों से प्राप्त हुए आर्थिक सहयोग से जरूरतमंद

क्या कहते हैं लोग

इतनी बड़ी संख्या में इस आयोजन में युवाओं के शामिल होने पर हमें अत्यंत प्रसन्नता है और आश्चर्य भी। न केवल ये युवा कार्यक्रमों में शामिल हुए बल्कि उन्होंने आरएवायएस के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभागिता भी की। एक माह की कठोर मेहनत तथा प्लानिंग के बाद यह वीकेंड हमारी कल्पनाओं से भी अधिक खरा उतरा।

-प्रिया मालानी मनचंदा, अध्यक्ष राजस्थानी अब्राड यूथ समाज

आईएमआरएसी 2016 की प्लानिंग की शुरुआत कुछ लोगों से हुई थी, लेकिन कई हाथ जुड़े और साथ आकर वृहद एमएमएनए परिवार बन गया। कई कार्यकर्ताओं ने तो इसके पूर्व किसी कन्वेंशन को अटैंड भी नहीं किया था लेकिन उनके समर्पण ने हर आयु वर्ग के लोगों के लिए इस आयोजन को यादगार बना दिया। यह अनुभव कई लोगों को आगामी आयोजनों में सतत शमिल होने तथा एमएमएनए की गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा।

- अभिलाषा राठी, सहसंयोजक आईएमआरसी 2016

साथ आना एक शुरुआत है, साथ रहना उन्नति तथा साथ कार्य करते रहना सफलता है।

- प्रभुलाल राठी

संस्थापक सदस्य एमएमएनए व न्यू इंग्लैंड चैप्टर

वर्तमान में समाज का यह जो गरिमामय स्वरूप दिखाई दे रहा है,यह समाज की आर्थिक व सामाजिक क्रान्ति का ही प्रतिफल है। पहली क्रान्ति में समाज के पूर्वजों ने मारवाड़ के गाँवों से निकलकर कलकत्ता आदि देश के अधिकांश महानगरों में कदम रखे और अपनी व्यावसायिक दक्षता का ध्वज फहराया। दूसरी क्रान्ति 50 वर्ष पूर्व हुई थी, जब भारत से निकलकर समाजजनों ने अमेरिका में कदम रखा। आज समाज अमेरिका में भी आर्थिक, औद्योगिक व तकनीकी हर क्षेत्र में अपना ध्वज फहरा रहा है।

- रमाशंकर झँवर, संयोजक

(महासभा की सर्वांगीण विकास योजना तथा विश्व के सबसे बड़े टी ग्रुप के डायरेक्टर)

आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने फुल टाइम जॉब की तरह हमारी टीम नेतृत्व कर रही थी और कार्यकर्ता रात-दिन काम। इस कन्वेंशन का सबसे महत्वपूर्ण भाग समाज तथा युवा पीढ़ी को एक साथ लाना है।

- पुष्पा हेड़ा, अध्यक्ष न्यू इंग्लैंड चैप्टर

निश्चित रूप से इस आयोजन ने सभी परिवारों को एकता का संदेश दिया है। आरएवायएस के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से युवाओं की प्रतिभा को प्रदर्शित होने का अवसर मिला है।

- मोना खेतान, कार्यक्रम संयोजक

विद्यार्थियों की सहायता के लिए स्थापित "एज्युकेशन फंड" भी 40 हजार डॉलर के ऊपर पहुँच गया।

समाजसेवा में बढ़े हाथ

यह आयोजन सभी आयु वर्ग के सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरा उतरा। संगठन सखी तथा राजस्थानी एब्राड यूथ समाज द्वारा राजस्थानी संस्कृति तथा परंपरा के प्रति जागृति के लिए कई ब्रेक आउट सेशन आयोजित किये। "सखी मिलन" कार्यक्रम के दौरान स्नेक्स पैक आदि अनाथालय के बेसहारों को पहुँचाए गए। महिलाओं ने राजस्थान के एक स्कूल के लिए पेंसिल पाऊच तैयार किए और स्टमफोर्ड में निवासरत बच्चों के लिए खिलौने तैयार किये। 4 जुलाई को महिलाओं ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए ब्रेसलेट बनाये तो वहीं यूएस यात्रा पर आधारित पत्र लिखकर अपनी रचनात्मकता भी प्रदर्शित की।

सभी के लिए बहुत कुछ

तीन दिवसीय इस आयोजन में विभिन्न आयु समूह की आवश्यकता के अनुसार कॉलेज प्लानिंग, बिजनेस व इंटरप्रेन्योर-शिप, टैक्स/इस्टेट प्लानिंग, रिटारयमेंट तथा मेट्रिमोनियल आदि पर आधारित विभिन्न सत्रों का आयोजन हुआ। दो वैवाहिक सत्र में युवाओं को अपने लिए उचित जीवनसाथी चयन का भी पर्याप्त अवसर मिला। उल्लेखनीय है कि एमएमएनए अपनी मेट्रिमोनियल बेवसाइट के माध्यम से वैवाहिक संबंध जोड़ने में भी अपना विशिष्ट सहयोग दे रही है। इस बेवसाइट पर केवल यूएस के निवासियों के बायोडाटा ही डाले जाते हैं।

रंगारंग कार्यक्रमों ने समां बांधा

प्रथम शाम को इसके अंतर्गत 13 से 35 वर्ष आयु वालों के लिए एक फ्रेंडली प्रतियोगिता "तरंग नाइट-एमएमएनए गॉट टैलेंट" का आयोजन हुआ। इसमें समाज की युवा प्रतिभा के टैलेंट को देखकर दर्शक दंग रह गए। न्यू इग्लैंड के संयोजन में "रामायण गॉट रेव रिविव" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें रामायण की कहानी को आधुनिक युग के गीतों के साथ समायोजित कर अत्यंत प्रभावशाली रूप में प्रदर्शित किया गया। सेटर्डे चैप्टर के अंतर्गत बालीवुड मसाला नाइट (तरंग

नाइट) का आयोजन किया गया। इसमें बॉलीवुड की कहानियों को अत्यंत मनोरंजक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसमें न्यू इंग्लैंड चैप्टर द्वारा निर्मित स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। रविवार को 'गाला नाइट' (उमंग नाइट) का आयोजन हुआ। जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने नृत्य व गायन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर गायिका अनुराधा पालाकुर्थी द्वारा इस आयोजन के लिए मारवाड़ी में लिखे गये अपने गीतों की प्रस्तुति दी गई। अर्चना पांडा तथा प्रीतीश श्रीवास्तव ने अपने मनोरंजक संचालन से समां बांधे रखा। कवि सम्मेलन के अंतर्गत तीन अंतरराष्ट्रीय कवि अना देहलवी, महेंद्र अजनबी व सरदार मंजीतसिंह तथा वहीं की कवयित्री अर्चना पांडा ने हास्य की फुलझड़ियाँ बिखेरीं।

नम आँखों से ली बिदाई

कन्वेंशन का समापन अन्तिम दिवस 4 जुलाई को हुआ। इस अवसर पर संयोजक मोना खेतान ने इस कार्यक्रम के समस्त सहयोगियों तथा उपस्थित समाजजनों का आभार प्रदर्शित किया। आईएमआरसी-2016 के इस चार दिवसीय आयोजन ने इसमें शामिल परिवारों के बीच अपनत्व के नये सम्बन्धों का सूत्रपात किया। इस दौरान सभी का परस्पर लगाव हो गया। कारण यह था कि उन्हें परस्पर एक-दूसरे को ठीक से जानने-पहचानने का पर्याप्त अवसर मिला। इसी का प्रभाव कार्यक्रम के समापन पर नजर आया। कई लोगों के चेहरे पर एक-दूसरे से बिछड़ने के दर्द की शिकन स्पष्ट नज़र आ रही थी, जैसे वे कई सालों बाद मिले और चार दिन साथ रहे तथा अब फिर बिछड़ रहे हैं।

हुरकट बनी महिला मंडल अध्यक्ष

हिंगणघाट। श्री माहेश्वरी पंचायत के अंतर्गत श्री माहेश्वरी महिला मंडल के अध्यक्ष पद के चुनाव गत दिनों हुए। समाज अध्यक्षा संगीता नारायण जाखोटिया व सचिव कल्पना रामनाथ बाहेती ने बताया कि इसके नये अध्यक्ष का चुनाव वोटिंग पद्धति से हुआ। इसमें अध्यक्ष संध्या अरुण हुरकट चुनी गईं। पूर्व अध्यक्षा ने चुनाव प्रक्रिया को सुनियोजित ढंग से संपन्न कराया और अपने कार्यकाल के दौरान जमा राशि में से श्री माहेश्वरी पंचायत को 40 हजार रुपए एयर कंडीशनर के लिए स्थानीय समाज के अध्यक्ष विजयबाबू राठी को भेंट किए।

बिरला बने सहवृत्त निदेशक

बूंदी। जयपुर में राजस्थान अर्बन बैंक्स फेडरेशन अध्यक्ष हरिगोपाल राठी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राजेश कृष्ण बिरला का मनोनयन सर्वसम्मति से किया गया। बिरला वर्तमान में कोटा जिला सहकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार, श्री माहेश्वरी समाज, श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल कोटा के अध्यक्ष तथा अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य भी हैं।

"जवानी से अच्छा
कहीं एक बचपन हुआ करता था
जिसमें दुश्मन की जगह
सिर्फ एक कट्टी
हुआ करती थी
सिर्फ दो अंगुलियाँ जुड़ने से
दोस्ती फिर
शुरु हो जाती थी।"

रामेश्वरम् भवन समिति के चुनाव सम्पन्न

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा के प्रकल्प "रामेश्वरम्" की भवन समिति की प्रबंधकारिणी के चुनाव गत दिनों मुख्य चुनाव अधिकारी जगदीश प्रसाद कोगटा व उनके सहयोगियों के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, उपाध्यक्ष रामेश्वरलाल काबरा व नंदलाल नाराणीवाल, सचिव राजेंद्रप्रसाद बिड़ला, सहसचिव नवीन काकाणी व मुकेश अजमेरा, कोषाध्यक्ष रमेशचंद्र नामधराणी तथा प्रचार-प्रसार मंत्री कृष्ण-गोपाल जाखेटिया चुने गए। इनके साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव भी हुआ। चुनाव के दौरान नगर आगमन पर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का भवन समिति की ओर से स्वागत भी किया गया।

अजमेरा हॉस्पिटल

स्त्री प्रसूति, निसंतानता, शिशु एवं नेत्र विभाग

यू.आई.टी. के पास, अजमेर रोड, सुभाष नगर, भीलवाड़ा (राज.)
फोन- 01482-265100, मो. 95495-98620, 96675-37990

डॉ. आशीष अजमेरा
M.B.B.S., M.S.
स्त्री-प्रसूति,
निसंतानता रोग विशेषज्ञ

डॉ. शीतल अजमेरा
M.B.B.S., D.N.B.,
F.V.R.S., F.A.E.H.
नेत्र एवं रेटिना विशेषज्ञ

डॉ. अतुल हेड़ा
M.B.B.S., MD
नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ

उपलब्ध सुविधाएँ

- प्रसव पूर्व जाँच व उपचार।
- नार्मल व सिजेरियन डिलेवरी की 24 घंटे आपातकालीन सेवाएँ।
- सफेद पानी, नलों में दर्द, अत्यधिक रक्त स्राव का उपचार।
- अनियमित महावारी का बिना ऑपरेशन के ईलाज।
- अण्डाशय में सूजन, रसोली की जाँच व ईलाज।
- शरीर का बाहर निकलने का ऑपरेशन से, बिना बच्चेदारी निकाले ईलाज।
- बच्चेदानी के मुँह के कैंसर की जाँच, ईलाज व टीका।

उपलब्ध सुविधाएँ

- नेत्र रोग व रेटिना का उपचार।
- शुगर व बीपी बढ़ने पर आँखों में असर की जाँच व ईलाज।
- पर्दे की जगह से हटने की जाँच व ईलाज।
- आँख में लोहे का कण, कचरा व घाव का ईलाज।
- बढ़ती उम्र के साथ होने वाली आँखों की बीमारी की जाँच व उपचार।
- बिगड़ा हुआ मोतियाबिन्द का उपचार।
- समय पूर्व जन्मे बच्चे की आँखों की जाँच व उपचार।
- लेजर द्वारा आँखों का इलाज।
- आँखों की इंजियोग्राफी।
- आँखों की बीमारियों की जाँच व ऑपरेशन।

फोटोथेरेपी E.N.T. वार्मर टीकाकरण भर्ती की सुविधा।
कॉटेज वार्ड की सुविधा। एम्बुलेंस की सुविधा।

ICU गहन चिकित्सा इकाई। मेडिकल स्टोर व लेबोरेट्री की सुविधा।
सभी प्रकार के जनरल ऑपरेशन की सुविधा।
बच्चों की समस्त बीमारियों की जाँच व ईलाज।

परवाल अध्यक्ष, चौखड़ा सचिव

महेश नारायण परवाल

सुमित चैखड़ा

सनावद। नगर के माहेश्वरी समाज के द्विवर्षीय संगठन के चुनाव समाज की बैठक में सम्पन्न हुए। इसमें महेश नारायण परवाल अध्यक्ष व सुमित चैखड़ा सचिव मनोनीत हुए। उपाध्यक्ष गिरधारी मंत्री, कोषाध्यक्ष राम मूंदडा, सहसचिव गोविंद जाखेटिया, संगठन मंत्री अनिल पलोड़, संरक्षक प्रवीण दुजारी व विवेक मंत्री चुने गए।

ईनानी बने रेलवे सलाहकार

हैदराबाद। रमाकांत ईनाणी निर्देशक ईनाणी कमोडिटीज एंड फाइनेंस लिमिटेड हैदराबाद को रेल मंत्रालय ने फेडरेशन ऑफ तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि के रूप में जोनल सलाहकार समिति, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद का मानद सदस्य मनोनीत किया है।

समाज पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

सनावद। नगर के माहेश्वरी समाज के अखिल भारतीय महासभा सदस्य श्याम माहेश्वरी, नवमनोनित नगर अध्यक्ष महेश नारायण परवाल, पश्चिमांचल सदस्य गोविंद अजमेरा का मांडव में वांडर्स क्लब के तत्वावधान में स्वागत समारोहपूर्वक हुआ। अध्यक्ष डॉ. सी.एस. डागोर ने पदाधिकारियों को सम्मान स्वरूप शॉल-श्रीफल भेंट किए। राजा जटाले, द्वारकादास माहेश्वरी, विवेक मंत्री आदि मौजूद थे।

> मंजिल तो तेरी यहीं थी
> बस जिंदगी गुजर गई आते-आते,
> क्या मिला तुझे इस दुनिया से
> अपनों ने ही जला दिया जाते-जाते।

श्रीजी पॉलिमर्स (इंडिया) लि. होगा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित

उज्जैन। श्रीजी पॉलिमर्स (इंडिया) लि. औद्योगिक क्षेत्र मक्सी रोड उज्जैन को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा मध्यम उद्यम में उत्कृष्ट उद्यमिता हेतु प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गयाहै। उक्त जानकारी देते हुए उद्योग के सीईओ विष्णु जाजू ने बताया कि पूरे भारत वर्ष में 6 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से 500 प्रविष्टिओं को प्रतियोगिता हेतु चयनित किया गया। इसमें संस्थान को प्रथम स्थान मिला है। उल्लेखनीय है कि मध्यम श्रेणी के इस उद्योग को तीन वर्ष पूर्व शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयास हेतु राष्ट्रीय स्तर पर विजेता का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। श्रीजी पॉलिमर्स की उज्जैन के अलावा देश-विदेश में विभिन्न शाखाएँ स्थापित हैं और विभिन्न रचनात्मक कार्यों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। चेयरमैन श्री आनंद बांगड़ के कुशल नेतृत्व में नवीन तकनीक को अपनाते हुए कुशल व अनुभवी टीम के सदस्यों के सहयोग से संस्थान प्रतिवर्ष व्यवसाय के क्षेत्र में इतिहास रच रहा है। प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में यह पुरस्कार घोषित होना अपने आप में प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। शीघ्र ही भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्य उद्यम मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आगामी महीने में कोई भी तारीख पर एक गरिमामय आयोजन किया जाएगा। इसमें राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

आकाश तापड़िया को 'कोठारी बंधु शौर्य' पुरस्कार

जोधपुर। अखिल भारत-वर्षीय माहेश्वरी महासभा की कार्यकारिणी मंडल जोधपुर के भव्य अधिवेशन में 'मेजर' आकाश अशोक तापड़िया को महेश रत्न पहली बार घोषित एवं वीरता के लिये 'कोठारी बंधु शौर्य' पुरस्कार से सन्मानित किया गया। कश्मीर क्षेत्र में ड्यूटी पर होने के कारण वे स्वयं उपस्थित नहीं हो सके। अतः उनके माता-पिता को यह सन्मान दिया गया। सैन्य पदक से सम्मानित मेजर आकाश तापड़िया को कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट द्वारा माहेश्वरी समाज का सर्वश्रेष्ठ शौर्य पुरस्कार महासभा के कार्यकारी मंडल बैठक में प्रबन्ध न्यासी घनश्याम करनानी प्रदान करते हुए साथ में महासभा के सभापति श्री जोधराज लड्ढा, महामंत्री श्री रामकुमार भूतड़ा व महासभा के अन्य पदाधिकारी द्वारा प्रदान किया गया।

पुण्य स्मृति में हुआ रक्तदान

गंगापुर। स्व. श्री शुभकरण समदानी की पुण्य स्मृति में भारत विकास परिषद के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी सेवा संस्थान में किया गया। शांतिलाल समदानी, कन्हैयालाल मूंदड़ा, रामेश्वरलाल सोनी, राजू समदानी, शांतिलाल बहेड़िया, सत्यनारायण बिहानी, गणपत झँवर, भारत विकास परिषद के पदाधिकारी आदि मौजूद थे। शिविर में 200 से अधिक यूनिट रक्त जमा हुआ। रक्त रामस्नेही चिकित्सालय की टीम ने संग्रहित किया।

बागड़ी बने केंद्रीय मानवधिकार संगठन के राष्ट्रीय सलाहाकार

नागपुर। ख्यात पोर्टफोलियो कंसल्टेंट व समाजसेवी शरद गोपीदास बागड़ी को उनके सामाजिक कार्यों के कारण केंद्रीय मानवधिकार संगठन नईदिल्ली द्वारा राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया गया है। श्री बागड़ी को उनके सामाजिक कार्यों के लिए पुरस्कृत कर मानवधिकार समाज रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। श्री बागड़ी लायंस क्लब ऑफ नागपुर के सचिव, रोटरी क्लब ऑफ नागपुर इलाइट के उपाध्यक्ष, भारत विकास परिषद पश्चिम नागपुर के उपाध्यक्ष, जीवन सुरक्षा प्रकल्प के मार्गनिर्देशक तथा श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

जबलपुर जिला माहेश्वरी सभा के त्रिवार्षिक चुनाव सम्पन्न

श्यामसुंदर जेठा

विनोद माहेश्वरी

प्रद्युम्न गुप्ता (सीए)

जबलपुर। गत दिवस महेश भवन गोपाल बाग में जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव गिरिराज चाचा एवं चुनाव अधिकारी डॉ. के.जी. जेठा की देखरेख में निर्विरोध संपन्न हुए। श्यामसुंदर माहेश्वरी (जेठा), उपाध्यक्ष पंकज गाँधी, सचिव विनोद मालानी, कोषाध्यक्ष प्रद्युम्न गुप्ता व सांस्कृतिक सचिव अतुल राठी को चुना गया। मनोनीत सदस्य राजेश माहेश्वरी (मालपाणी), डॉ. शिवनारायण मंत्री, चितरंजन बंग, नटवर गट्टानी व गोविंद साबू है।

मुक्तिधाम में हुआ 'हरिता हारम'

वरंगल। प्रगतिशील मारवाड़ी समाज एवं माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में मुक्तिधाम के संयोजक श्यामसुंदर जाखोटिया की देख-रेख में मुक्तिधाम में तेलंगाना सरकार का 'हरिता हारम' का कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि स्मार्ट सिटी वरंगल कार्पोरेशन के मेयर नरेंद्र एवं सुरेश जोशी थे। नवलकिशोर मूंदड़ा (माहेश्वरी समाज सांस्कृतिक मंत्री), रामकिशोर मनियार (माहेश्वरी समाज उपाध्यक्ष), ब्रिज गोपाल लाहोटी (माहेश्वरी समाज के जिला मंत्री), सत्यनारायण कालानी (माहेश्वरी समाज के भूतपूर्व मंत्री), गोपाल तोषनीवाल (माहेश्वरी समाज जिलाध्यक्ष), आदि शामिल थे। मुक्तिधाम की समस्याओं के बारे में मेयर को अवगत भी करवाया व एक मेमोरंडम पत्र भी दिया।

प्रतिभाओं को भेंट किये प्रमाण-पत्र, मोमेंटों, पेन सेट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन व ताजा टीवी द्वारा गोर्की सदन के प्रेक्षागृह में मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महानगर एवं आसपास के 28 स्कूलों के लगभग 500 विद्यार्थियों को 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट अंकों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें प्रमाण-पत्र, मोमेंटो, पेन सेट एवं आईलीड के गिफ्ट कूपन भेंट किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार ने किया। विशेष अतिथि विधायक वैशाली डालमिया, दीपक जालान, पुर्तगाल के कौंसुलेट जनरल रवि पोद्दार, उद्योगपति व समाजसेवी घनश्याम सारडा तथा प्रदीप चौपड़ा आदि थे। संयोजक श्री विश्वंभर नेवर ने कहा कि मीडिया का कार्य सिर्फ समाचार देना ही नहीं है बल्कि समाजिक परिवर्तन में भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष जगदीशचंद्र मुंधरा, सचिव घनश्याम शर्मा आदि भी मंच पर उपस्थित थे।

Dr. R. K. Agrawat
M.D. (ACU.) B.A.M.S.

किडनी डायबिटिक हॉस्पीटल

किडनी एवं डायबिटिज रोग की विशिष्ट चिकित्सा (जिसमें डायलिसिस की आवश्यकता नहीं)

वे रोगी जिन्हे डायलिसिस या इन्सुलीन की सलाह दी गई है विशेष रूप से मिलें

A PERFECT TREATMENT OF KIDNEY, DIABETES & HEART DISEASE

राजस्थान का पहला हर्बल किडनी-डायबिटीक हॉस्पीटल

S.G.™

Shiv Ganesh
HOSPITAL

किडनी & डायबिटीक रिलिफ सेन्टर

सत्यम् कॉम्पलेक्स रोड़, आर. के. कॉलोनी, भीलवाड़ा
मो. : 094600.66725, E-mail. drrkagrawat@gmail.com

"उनके साथ जरूर रहो, जिनकी तबियत खराब है
पर उनका साथ छोड़ दो, जिनकी नीयत खराब है।"

संगम ग्रुप ने की पौधे व ट्री गार्ड निःशुल्क वितरण की शुरुआत

भीलवाड़ा। पर्यावरण सुधार के लिए संगम उद्योग समूह की ओर से एक लाख पौधे व पाँच हजार ट्री गार्ड निःशुल्क वितरण करने जा रहा है। इसकी शुरुआत करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन व सराकर के मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर ने कहा कि भीलवाड़ा को हराभरा बनाने के लिए यदि उद्योगपति मिलकर प्रयास करें तो पर्यावरण की रक्षा हो सकती है। समूह के चेयरमैन रामपाल सोनी ने आह्वान किया कि पर्यावरण के इस राष्ट्रीय कार्यक्रम से जुड़े और शहर को हराभरा बनाने में योगदान दें। संगम समूह के प्रबंध निदेशक एसएन मोदानी व वीके सोडानी ने बताया कि ट्री गार्ड के लिए सोनी हाउस से आवेदन पत्र लिया जा सकता है। कार्यक्रम प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि गुमानसिंह पिपाड़ा, विद्यासागर सुराणा, सुरेश सुराणा, मुकेश अजमेरा, उद्योगपति आरएल नौलखा आदि मौजूद थे।

''हम माहेश्वरी'' ने आयोजित किया चिंतन शिविर

नासिक। ''हम माहेश्वरी संगठन'' द्वारा दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन नासिक रोड स्थित माहेश्वरी भवन में समाज में उत्पन्न हो रही समस्याओं पर किया गया। इसकी विशेषता यह थी कि इस चर्चा सत्र में कोई भी प्रमुख अतिथि या अध्यक्ष नहीं था, न ही कोई मंच था। चर्चा सत्र में विवाह योग्य माहेश्वरी प्रत्याशियों के विवाह में विलंब, अंतरजातीय विवाह, माहेश्वरी समाज में टूटते विवाह, सगाई, परिजनों में बढ़ती दूरियाँ, युवाओं की गलत संगत, संस्कारों का अभाव, समाज के संगठन में कमी, समाज के घटते व्यापार आदि विषय पर चिंतन किया गया। इस चर्चा में सम्मिलित होने हेतु महाराष्ट्र के विभिन्न प्रांतों के साथ तेलंगाना, कर्नाटक से भी महानुभाव आए थे। इनमें न केवल पुरुषों अपितु महिलाओं व किशोरियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर समाजजनों को अपने मन की बात सामने रखने का अवसर मिला। इसके साथ कविता-कहानी आदि की भी समस्या पर प्रस्तुति दी गई। मयुरेश मानधने-मानवत ने योग साधना एवं ध्यान का महत्त्व बताया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन राधेश्याम राठी नासिक रोड प्रेमरतन राठी यवतमाल, अजय जाजू संगमनेर आदि ने किया। प्रफुल्ल मंत्री एवं पीयूष मंत्री नासिक ने सामाजिक कार्य को ध्यान में रखते हुए अत्यंत ही किफायती मूल्य में सुरुचिपूर्ण भोज प्रदान किया।

> "पत्थर में एक ही कमी है, कुछ भी करो पिघलता नहीं
> लेकिन उसकी एक खूबी भी है, कि वो कभी बदलता नहीं।"

किचन का खजाना

गेहूं के आटा का डोसा

आवश्यक सामग्री- एक कप गेहूं का आटा, 2 कप चावल का आटा, आधा कप खट्टा दही या मट्ठा, आधा छोटा चम्मच जीरा, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, 4 से 5 करी पत्ते बारीक कटे, स्वादानुसार नमक व तेल।

विधि- बर्तन में चावल और गेहूं का आटा छानकर मिलाएं। अब आटे में हरी मिर्च, करी पत्ते, जीरा, नमक और दही या मट्ठा डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसके बाद आटे के मिश्रण में लगभग 1 से 2 कप पानी डालकर मिलाएं और पतला घोल तैयार कर लें। अब गैस पर डोसा तवा या पैन रखकर मध्यम आंच पर गर्म करें। तवे पर तेल की कुछ बूंदें डालकर प्याज के टुकड़े से तवे को रगड़ दें। अब तवे पर डोसे का घोल डालें, फिर चारों तरफ तेल डालकर घोल को हल्का सुनहरा होने दें। अब चमचे से घोल को तवे पर गोल शेप में फैलाकर सेंकें। इसके बाद डोसा पलटकर दूसरी तरफ से भी सेंक लें। इसे हल्का ब्राउन होने तक सेंकें। फिर इसे प्लेट में निकाल लें। इसी प्रकार बाकी के डोसे बनाएं। लीजिए तैयार है गेहूं आटा डोसा। अब इसे सांभर व नारियल चटनी या पसंदीदा चटनी के साथ सर्व करें।

पूनम राठी
मो. 99700 57423

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

मनोरमा तोतला

संगीता गेलड़ा

रतलाम। श्री माहेश्वरी महिला मंडल सरवन जिला रतलाम के चुनाव गत दिनों सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष मनोरमा तोतला, उपाध्यक्ष सूर्यकांत तोतला, सचिव संगीता गेलड़ा, उपसचिव सुनीता तापड़िया, कोषाध्यक्ष ज्योति लड्ढा, उपकोषाध्यक्ष कीर्ति धूत, आय मंत्री आशा तापड़िया, उप आय व्यय मंत्री उमा झँवर, प्रचार मंत्री संतोष तोतला, उप प्रचार मंत्री उमा तोतला तथा संरक्षण मंत्री कांतादेवी भट्टड़ चुनी गईं। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

गट्टाणी अध्यक्ष, कालाणी मंत्री

सरोज गट्टाणी

जयश्री कालाणी

परभणी। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव गत दिनों सेतु तालुका के आतिथ्य में सम्पन्न हुए। इसमें सरोज घनश्याम गट्टाणी अध्यक्ष एवं जयश्री राजगोपाल कालाणी सर्वसम्मति से मंत्री चुनी गईं।

महिला मंडल के चुनाव

विदिशा। स्थानीय समाज द्वारा आयोजित महेश नवमी उत्सव के अवसर पर जिला महिला संगठन के चुनाव भी सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष चंद्रकला मोहता, सचिव प्रीति राठी तथा कोषाध्यक्ष निर्मला लोलानी चुनी गईं।

"जीवन में ऊपर उठते समय सभी लोगों से अदब से पेश आएँ क्योंकि नीचे गिरते समय इन्हीं लोगों से दोबारा मुलाकात हो सकती है।"

प्रगति संस्थान भी बनाएगा माहेश्वरी पब्लिक स्कूल

भीलवाड़ा। शाहपुरा रोड पर सिंदरी के बालाजी के पास महेश प्रगति संस्थान के माहेश्वरी पब्लिक स्कूल का अंतरराष्ट्रीय रामस्नेह संप्रदाय के आचार्य रामदयाल महाराज ने भूमिपूजन किया। मुख्य अतिथि कंचन ग्रुप के लादूराम बांगड़, विशेष अतिथि महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, नगर परिषद सभापति ललिता समदानी, उद्योगपति रतनलाल नौलखा व पूर्व सभापति ओमप्रकाश नराणीवाल थे। संस्था के अध्यक्ष सत्यनारायण डाड ने कहा कि जो बीड़ा उठाया है वह समाज के सहयोग से समय पर पूरा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद सुभाष भहेड़िया ने की। मंत्री सुशील मरोठिया ने आभार जताया। संयोजक कृष्णगोपाल तोषनीवाल ने संस्थान के कार्यों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष कंवरलाल पोरवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चांदमल सोमाणी सहित कई ट्रस्टीगण समारोह में मौजूद थे। इस आयोजन के दौरान कई प्रकार की चर्चा भी लोगों में होती रही। इसका कारण इस कार्यक्रम में भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह होना था परंतु केवल भूमिपूजन का ही कार्यक्रम हुआ। साथ ही एक ही नाम से भीलवाड़ा में दो स्कूलों का होना भी चर्चा का विषय रहा।

बैंककर्मियों के लिए आयोजित हुईं प्रतियोगिताएँ

हैदराबाद। महेश बैंक द्वारा प्रतिवर्ष 9 अगस्त को मनाये जाने वाले वार्षिक दिवस में बैंककर्मियों में विभिन्न प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए क्रीड़ा एवमं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। पहले दिन 9 जुलाई को क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ सुल्तानबाजार क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त बी. चक्रवर्ती द्वारा किया गया। बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल, संयुक्त महाप्रबंधक ए. मस्तान रेड्डी, उपमहाप्रबंधक अजीत वर्मा के साथ कई वरिष्ठ प्रबंधक भी मौजूद थे। क्रिकेट टूर्नामेंट के साथ कैरम, म्यूजिकल चेयर, शतरंज, शटल बैडमिंटन, बाधा दौड़ आदि स्पर्धाएँ भी छुट्टी वाले दिन आयोजित की जा रही हैं। बैंककर्मियों में गायन प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक के स्टाफ प्रशिक्षण कॉलेज में गायन स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के संयोजक ए. रामाराव ने जानकारी दी कि सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को वार्षिक दिवस पर आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे।

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'
में समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें -

श्यामसुन्दर जेठा
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
मो- 098270 07227

उज्जैन जिला माहेश्वरी संगठन की षष्टम बैठक सम्पन्न

कृष्णा जाजू

हेमा मोहता

शोभा मूंदड़ा

उज्जैन। जिला माहेश्वरी संगठन की षष्टम बैठक का आयोजन तहसील महिदपुर में किया गया। इसमें पुरानी कार्यकारिणी के समापन के साथ नए सत्र के अध्यक्ष, सचिव व कार्यकारिणी का चयन किया गया। चुनाव पर्यवेक्षक इंदौर जिलाध्यक्ष वीणा सोमानी, चुनाव अधिकारी ललिता बाहेती एवं लक्ष्मी साबू थीं। सर्वसम्मति से अध्यक्ष कृष्णा जाजू, सचिव हेमा मोहता, उपाध्यक्ष रुखमणि भूतड़ा, जया बिंझानी, किरण डोडिया, चंद्रिका मोहता चुनी गईं। सहसचिव पुष्पा लाठी, सीमा मालपानी, दीपा राठी व ललिता राठी, कोषाध्यक्ष शोभा मूंदड़ा उज्जैन, संगठन मंत्री पुष्पा कोठारी उज्जैन तथा प्रचार सचिव रितु समदानी मनोनीत की गईं। इंदौर जिलाध्यक्ष वीणा सोमानी ने नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पहनावा विषय पर स्लोगन स्पर्धा हुई। विजेताओं को पुरस्कार बांटे गए। लगभग 30 महिलाओं द्वारा मृत्युभोज में न जाने का संकल्प लिया गया। संचालन उषा सोडानी व दीपा राठी ने किया। जानकारी रितु समदानी ने दी।

प्रगति मंडल की नवीन कार्यकारिणी गठित

तारा सोनी

सुलोचना मूंदड़ा

औरंगाबाद। माहेश्वरी प्रगति महिला मंडल के नवीन पदाधिकारियों का चयन निर्विवाद रूप से हुआ। इसमें अध्यक्ष तारा सोनी, सचिव सुलोचना मूंदड़ा व कोषाध्यक्ष भारती जाजू चुनी गईं। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट चेअरमैन का भार नम्रता राठी तथा उषा लोया ने उठाया। संचालन कंचन सोनी ने किया। आभार सचिव सुलोचना मूंदड़ा ने माना।

> "सबसे तेज वही चलता है
> जो अकेला चलता है
> लेकिन दूर तक वही जाता है
> जो सबको लेकर चलता है।"

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

हमारी लाड़ली पुत्रवधू

सौ. निशा गगरानी

(पत्नी : विशाल गगरानी)
(पुत्रवधू : कैलाशचन्द्र-इन्द्रा गगरानी)
(सुपुत्री : श्री सतीशचन्द्र-मुन्नादेवी न्याती)

के **CA** बनने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

शुभेच्छु

रामजस-कमला गगरानी (दादा-दादी), कृष्णगोपाल-मधु लढ़ा (फूफाजी-भुआ), योगेश-अर्पिता मूँदड़ा (जियाजी-दीदी) एवं समस्त गगरानी परिवार भीलवाड़ा.

सी-142, सुभाष नगर, भीलवाड़ा (राज.)
फोन : 01482-264925, मो. 75974 56024

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

रतलाम। जिला माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज के नगर अध्यक्ष माधव काकानी की उपस्थिति में पद की शपथ ली। निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रेमनारायण मालपानी सुखेड़ा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रहलाद मंडोवरा, सचिव सुनील डांगरा उपाध्यक्ष, हरिगोपाल सारडा जावरा, लीलाधर डांगरा ढोढर, प्रकाशचंद्र राठी सुखेड़ा, राजेंद्रकुमार मूंदड़ा बड़ावदा, कोषाध्यक्ष नवीन मूंदड़ा रतलाम, संगठन मंत्री सुरेशचंद्र अजमेरा बड़ावदा, सहसचिव अशोककुमार राठी ढोढर, नरेंद्रकुमार तापड़िया सरवन, प्रचार मंत्री विजयकुमार असावा, पदेन मनोहरलाल तोषनीवाल बड़ावदा आदि को एक साथ शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन राजेश चौखड़ा ने किया। आभार प्रदर्शन सचिव सुनील डांगरा ने माना।

सन्दीप बलदवा को वीएससी अवॉर्ड

हैदराबाद। समाज सदस्य व सीए संदीप बलदवा पुत्र डॉ. शंकरलाल बलदवा को लाईफ टाईम डेडिकेशन विजिलेंस स्टीड सर्कल (वीएससी) अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

माहेश्वरी समाज में देश की अर्थव्यवस्था को दिशा देने की ताकत

मालेगांव। देश की अर्थव्यवस्था संभालने के साथ ही अर्थव्यवस्था को सही दिशा देने की क्षमता भी माहेश्वरी समाज में है। यह उद्‌गार अभा माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व महामंत्री श्यामसुंदर सोनी ने मालेगांव में व्यक्त किया। महेश नवमी के उपलक्ष्य में मालेगांव के माहेश्वरी प्रगति मंडल ने समाज के मेधावियों का सम्मान समारोह कृष्णा लॉन्स में आयोजित किया था। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष सतीश चरखा, मालेगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश ओला, माहेश्वरी सभा के विभागीय अध्यक्ष रामविलास बूब, डॉ. रामरतन भंडारी, जयप्रकाश जांतेगांवकर, मालेगांव माहेश्वरी प्रगति मंडल अध्यक्ष आशीष झंवर, रमेश झंवर, श्रीनिवास तापड़िया, ओमप्रकाश सारडा, भरत तापड़िया, श्यामसुंदर लखोटिया, जया काबरा, सरिता बाहेती और सागर तापड़िया मंचासीन थे। आभार शीतल मूंधड़ा और मधुसूदन काबरा ने माना। महेश नवमी पर भगवान महेश की शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

माहेश्वरी अध्यक्ष, गट्टानी मंत्री बने

श्याम बाँगड़

राजेन्द्र गट्टानी

भोपाल। जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पर्यवेक्षक बालकिशन टावरी व चुनाव अधिकारी लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी की उपस्थिति में हुए। इसमें श्याम माहेश्वरी (बांगड़) अध्यक्ष, गिरधर राठी एवं सुरेश झंवर उपाध्यक्ष, राजेंद्र गट्टानी मंत्री, हरीश झंवर संगठन मंत्री, सुबोध माहेश्वरी कोषाध्यक्ष, सुनील जांवधिया प्रचार मंत्री, मनीष खोगटा सांस्कृतिक मंत्री और सत्यनारायण बांगड़ तथा सुमित तोषनीवाल सह-मंत्री सर्वसम्मति से चुने गए। इनके साथ कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ। जिला सभा द्वारा शीघ्र ही एक मासिक पत्रिका के प्रकाशन का भी इस अवसर पर निर्णय लिया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल ने मनाया योग दिवस

मेरठ। गत 21 जून के दिन माहेश्वरी महिला मंडल व माहेश्वरी शिक्षा सहायता समिति ने सुबह 6 से 8 बजे तक योग दिवस मनाया। सुनील कौशिक ने योग की जानकारी दी और योग सिखाया। समाज के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व हेल्थ के बारे में परामर्श लिया। उक्त जानकारी सचिव प्रगति माहेश्वरी ने दी।

जाखड़ माता का रात्रि जागरण

मांडल (भीलवाड़ा)। जाखेटिया परिवारों की कुलदेवी श्री जाखड़ माताजी मांडल (भीलवाड़ा) में विराजमान हैं। कुलदेवी के स्थान पर समस्त जाखेटिया परिवार द्वारा प्रथम बार रात्रि जागरण का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत रात्रि जागरण 6 अगस्त की रात्रि, शोभायात्रा 7 अगस्त प्रातः 8 बजे तथा प्रसादी का आयोजन 7 अगस्त प्रातः 10 बजे होगा। इसमें शामिल होने के इच्छुक समाजजन शंकरलाल रूपाहेली, हरीशचंद्र केदारमल सेवा सदन रोड भीलवाड़ा, मूलचंद ब्यावर, भंवरलाल रूपाहेली, शांतिलाल रूपाहेली, रामकुंवार मेजा (भीलवाड़ा) आदि से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

देवास। सतवास में देवास जिला माहेश्वरी महिला संगठन का वर्ष 2016 से 2019 तक के लिए चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें राजकुमारी ईनाणी-बागली निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गईं। अरुणा भूतड़ा सोनकच्छ सचिव चुनी गईं। अन्य पदाधिकारीगण भी निर्विरोध चुने गए। निर्वाचन पर पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष महेशकुमार तोतला, पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक महिला संगठन अध्यक्ष निर्मला बाहेती, सचिव अरुणा बाहेती, देवास जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजेश धूत एवं सचिव नरेंद्र छापरवाल ने इस निर्वाचन पर हर्ष व्यक्त किया है।

"पृथ्वी पर कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसकी कोई समस्या न हो और कोई भी समस्या ऐसी नहीं है जिसका समाधान न हो। समस्या का समाधान इस बात पर निर्भर करता है कि हमारा सलाहकार कौन है यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दुर्योधन शकुनी से सलाह लेता था और अर्जुन श्रीकृष्ण से...।"

उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

समाज ने पेश की एकता की मिसाल, ऐनवक्त पर बनी सर्वसम्मति

उज्जैन। जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव बड़नगर तहसील सभा के आतिथ्य में स्थानीय शांति वाटिका में निर्विरोध सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी राजकुमार झंवर व सह चुनाव अधिकारी दिनेश डाढ़ एवं पियूष राठी तथा महासभा के पर्यवेक्षक अनिल मंत्री इस अवसर पर उपस्थित थे। इसमें कार्यकारिणी के 35 पदों के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष बड़नगर के ख्यात चिकित्सक व समाजसेवी डॉ. वासुदेव काबरा तथा महामंत्री गोपाल मोहता नागदा चुने गये। उपाध्यक्ष बद्रीलाल नुवाल खाचरौद, श्यामसुंदर भूतड़ा उज्जैन, सुरेश काकाणी, दिनेश लड्ढा, संगठन मंत्री सपन लड्ढा, सह-सचिव अशोक परवाल, ओम बाहेती, गिरिश भट्टड तथा जगदीश भूतड़ा, कोषाध्यक्ष महिदपुर के

डॉ. वासुदेव काबरा

महेश लड्ढा

रवीन्द्र राठी

कैलाश तोषणीवाल चुने गये। महासभा के दो पदों के लिये महिदपुर के रवींद्र राठी व उज्जैन के महेश लड्ढा सहित 7 कार्यकारिणी सदस्य मनोज राठी, शांतिलाल काबरा, गिरिराज मालपानी, अशोक हेड़ा, भूपेंद्र जाजू, महेंद्र परवाल एवं वीरेंद्र गट्टानी चुने गये। इस अवसर पर प्रदेश के लिए 13 प्रतिनिधियों का भी चयन किया गया। इस निर्वाचन को निर्विरोध कराने में महिदपुर के रवींद्र राठी, उद्योगपति आनंद बांगड़, सुरेश डागा, नवनीत काबरा, कांतिलाल राठी, ओमप्रकाश तोतला, रामरतन लड्ढा एवं तराना के सतीश मूंदड़ा की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी समाज बड़नगर के सचिव सुरेश माहेश्वरी ने किया। आभार अजय मूंदड़ा ने माना।

महिला मंडल की तीन नगर इकाई गठित

भोपाल। भोपाल नगर के सतत विस्तार के दृष्टिगत भोपाल की तीन नवीन पूर्वांचल, मध्यांचल व दक्षिणांचल क्षेत्र की इकाइयां गठित की गईं। जिलाध्यक्ष मंगला मूंदड़ा ने गत 17 जुलाई को हुई बैठक में तीनों नवगठित इकाइयों की घोषणा की। माहेश्वरी महिला मंडल पूर्वांचल क्षेत्र में सुनीता झंवर अध्यक्ष, राधा मूंदड़ा, मनीषा काबरा व सुषमा भूतड़ा उपाध्यक्ष, सरिता मालपानी सचिव, साधना तोषनीवाल संगठन मंत्री, अलका पनपालिया कोषाध्यक्ष, प्रियंका बांगड़ सांस्कृतिक मंत्री, सपना मानधन्या प्रचार मंत्री, प्राची मूंदड़ा, सपना चितलांग्या एवं सुषमा केला संयुक्त मंत्री चुनी गईं। मध्यांचल क्षेत्र में उमा काबरा, पुष्पा मालपानी, मालती मूंदड़ा, उषा कोठारी उपाध्यक्ष, सुधा जाखोटिया सचिव, सविता बांगड़ संगठन मंत्री, श्यामकुंवर गोदानी कोषाध्यक्ष, डॉ. माया राठी प्रचार मंत्री, कीर्ति सिंगी सांस्कृतिक मंत्री, संगीता बजाज, विनीता बाहेती एवं तृप्ति राठी संयुक्त सचिव चुनी गईं। दक्षिणांचल में करुणा माहेश्वरी अध्यक्ष, दीपा माहेश्वरी, मनीषा माहेश्वरी एवं शरद भट्टर उपाध्यक्ष, अंजना बजाज सचिव, रेणु गट्टानी कोषाध्यक्ष, आभा जाजू संगठन मंत्री, रश्मि बांगड़ प्रचार मंत्री, ज्योति सोमानी सांस्कृतिक मंत्री, श्रुति राठी, सरिता मालपानी एवं प्रतिभा राठी संयुक्त सचिव चुनी गईं। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्याएँ भी मनोनीत की गईं।

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'

में समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें -

अशोक पनपालिया

क्षेत्रीय प्रतिनिधि

मो- 094207-16599

"निष्फलता के बाद हौंसला रखना आसान है परन्तु सफलता के बाद नम्रता रखना उतना ही कठिन।"

खेमका अध्यक्ष व शरद बागड़ी सचिव

नागपुर। लायंस क्लब ऑफ नागपुर का 60वां पदग्रहण समारोह होटल प्राइड में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बनवारीलाल पुरोहित तथा गेस्ट ऑफ ऑनर गिरीश व्यास थे। नटवर खेमका ने अध्यक्ष, शरद बागड़ी ने सचिव, कुसुम राजेश जिंदल ने कोषाध्यक्ष का पद ग्रहण किया। समारोह में गरीब जरूरतमंद स्कूली बच्चों को छाता वितरण गया। इसके अलावा श्री व्यास की उपस्थिति में 200 पौधे रोपे गए। सचिव शरद बागड़ी ने बताया कि हम दिन-रात प्रकृति से प्राणवायु लेते हैं। हमें आज वह सहजता से उपलब्ध होती है इसलिए हम इसकी कीमत नहीं पहचानते। छाता वितरण विवेकानंद विद्या मंदिर विजयनगर में हुआ। यहां 200 छात्रों को छाते व रेनकोट बांटे गए।

निर्जला एकादशी पर शर्बत वितरण

मेरठ। माहेश्वरी सभा मेरठ जनपद द्वारा निर्जला एकादशी पर्व पर 100 लीटर दूध का शर्बत बनाकर अपने कार्यालय से वितरित किया गया। इसमें सत्यनारायण लाहोटी, हरीश भट्टर, अरविंद तापड़िया, नरेंद्र राठी, अनिल राठी, कृष्णकांत राठी, अशोक राठी, राजेंद्र राठी, योगेश दक, हरिकिशोर मूना, गिरिराजकिशोर मूना, प्रमोद केला आदि का सहयोग रहा।

"कुछ बात तो है अच्छाई में
जो अकेले ही लड़ती है...
'अंधकार' भले कितना भी
गहरा क्यों न हो
एक 'बाती' ही उस पर
भारी पड़ जाती है।"

प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

संगमनेर। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री श्यामसुंदर सोनी के मुख्य आतिथ्य में संगमनेर तालुका माहेश्वरी सभा की ओर से महेश नवमी पर गुण गौरव समारोह का आयोजन भंडारी मंगल कार्यालय में हुआ था। तालुकाध्यक्ष श्रीकांत मणियार ने समारोह की अध्यक्षता की। महासभा के कार्यकारिणी सदस्य गणेशलाल बाहेती, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. संजय मालपाणी, डॉ. शशिकांत पोफले, आरडी मंत्री, सरपंच मदनलाल करवा, नीलेश जाजू, तालुका सचिव सतीशकुमार बाहेती आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर अमेरिका प्रशासन की ओर से 1 साल के लिए अमेरिका जाने वाली नेहा सोमाणी, आय क्यूब की गणित स्पर्धा में देश में 22वां स्थान प्राप्त करने वाले सत्यम लाहोटी, जंप रोप स्पर्धा में स्टेट लेवल पर प्रथम स्थान पाने वाली खुशी तापड़े, सीएम शुभम भूतड़ा तथा पत्रकारिता में समाजरत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले पत्रकार अजय जाजू को सम्मानित किया गया। शुभम कासट, कृष्णा सोमानी, यश जाजू, गौरी लड्ढा, ऐश्वर्या लाहोटी, वेदिका मणियार, समृद्धि भूतड़ा आदि को भी सम्मानित किया गया। अतिथि परिचय प्रकल्प प्रमुख उमेश झंवर ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अजय जाजू तथा रोहित मनियार ने किया। आभार सचिव सतीशकुमार बाहेती ने माना।

छापरवाल को मिला सेवा के लिए सम्मान

नाथद्वारा। नगर की अग्रणी सेवा संस्थान लायंस क्लब वल्लभा के अध्यक्ष पंकज छापरवाल को गत 26 जून को ब्यावर में आयोजित राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 323ई 2 के प्रांतपाल बद्रीविशाल माहेश्वरी के साथ समारोह में वरिष्ठ अतिथि के रूप में राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर के मुख्य न्यायाधीश दिनेश सोमानी उपस्थित थे। पंकज छापरवाल समाजसेवी शांतिलाल छापरवाल के ज्येष्ठ पौत्र और उद्योगपति मोहनलाल छापरवाल के सुपुत्र हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट इतवारी नागपुर द्वारा "पौधे लगाओ-पर्यावरण बचाओ" संकल्प के साथ मां उमिया सहकारी बसाहट स्थित प्रस्तावित नये भवन प्रांगण में पौधारोपण किया गया। आमदार रमेश बंग, वनराई फाउंडेशन के अध्यक्ष आमदार गिरीश गाँधी, नवनीत माहेश्वरी, पूनमचंद मालू, सुबोध मोहता आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। ट्रस्ट अध्यक्ष राधेश्याम सारडा ने निर्माणाधीन नये भवन के अभी तक के निर्माण कार्य की जानकारी दी व समाज के सभी सदस्यों द्वारा सहयोग प्राप्त होने पर पर शीघ्र ही भवन कार्य पूर्ण करने का विश्वास व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मधुसूदन सारडा ने किया। गोविंदलाल सारडा, रामरतन सारडा, घासीराम मालू, दिनेश जाखेटिया, हेमंत गांधी, विजय राठी, कमल कलंत्री, दिलीप सारडा (ट्रांसपोर्ट वाले), जगदीश सोमानी, श्रीनिवास काकाणी, डूंगरमल मालपानी, श्याम परतानी, सुधीर सोनी, पुखराज बंग सहित कई सदस्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

तोषनीवाल को 13वीं बार भामाशाह सम्मान

इंदौर। वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद तोषनीवाल को राजस्थान सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु 28 जून को जयपुर में आयोजित सम्मान समारोह में महामहिम राज्यपाल कल्याण सिंह ने 13वीं बार भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राजस्थानी प्रवासी श्री तोषनीवाल की वर्तमान कर्मभूमि भले ही बंगाल, बिहार हो, लेकिन मन सदैव मातृभूमि में ही रमता है। वे बहुमुखी प्रतिभा के समाजसेवी तथा खुले हाथों से जरूरतमंदों की सहायता में सदैव अग्रणी रहने वाले व्यक्ति हैं। देश में विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों समाजहित के निर्माण कार्यों तथा अनेक समाजसेवी संस्थाओं को मार्गदर्शक के रूप में तन-मन लोकहित में अर्पण कर रहे हैं। श्री तोषनीवाल ने 2015-16 में राजकीय नवीन मा.वि. तारानगर चूरू के निर्माण कार्य में विशिष्ट योगदान दिया है।

ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर सम्पन्न

जोधपुर। श्री माहेश्वरी समाज समिति पश्चिमी क्षेत्र की कार्यक्रम आयोजन समिति एवं महिला संगठन विकास उपसमिति के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 25 जून तक ग्रीष्मकालीन शिविर माहेश्वरी भवन कमला नेहरू नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के बैनर का विमोचन 12 जून को अध्यक्ष श्री लाहोटी, कोषाध्यक्ष पुखराज फोफलिया, जिला महिला संगठन अध्यक्ष उमा बिड़ला, उपसमिति संयोजिका आशा फोफलिया, अनीता कालानी, सहसंयोजिका ज्योति बिड़ला व मीना साबू आदि द्वारा किया गया। इस शिविर में कई ख्यात विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। 25 जून को दोपहर 12 बजे सभी समिति सदस्यों ने टिफिन पार्टी कर सामूहिक भोजन का आनंद लिया। शाम को संयोजिका आशा फोफलिया ने सभी सदस्यों का परिचय कराया। संस्था द्वारा सभी प्रशिक्षकों को निःशुल्क सेवाओं के लिए स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। उमा बिड़ला, फूलकौर मूंदड़ा, रामेश्वरी भूतड़ा, डॉ. सूरज माहेश्वरी, प्रभा वैद्य, सुनीता बिड़ला, रीना राठी, सुशीला राठी, अलका जौहरी, अंजू बूब, शशि मूंदड़ा, सोनू झंवर, सुमित्रा मालू आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग किया। कार्यक्रम संयोजिका अनीता कालानी व आशा फोफलिया थीं।

राष्ट्रीय पक्षी की मौत पर एफआईआर

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बूंदी जिले की नैनवा तहसील के गांव समिधि में 14 मोरों एवं भीलवाड़ा के कोटड़ी तहसील के बागूदार गांव में 1 मोर की हत्या की प्राथमिकी संबंधित पुलिस अधीक्षक को ऑनलाइन ईमेल व रजिस्टर्ड डाक से दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि पिछले 2 वर्षों में श्री जाजू द्वारा बूंदी जिले में 164 मोरों की हत्या की 21 घटनाओं एवं भीलवाड़ा जिले में 65 मोरों की हत्या की 12 घटनाओं की प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी हैं। बावजूद इसके पुलिस प्रशासन राष्ट्रीय पक्षी मोरों के हत्यारों पर कड़ी कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। इससे आए दिन राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्याओं की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं।

25 सितंबर को होंगे सेवा सदन के चुनाव

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के मुख्य चुनाव अधिकारी किशनगोपाल कोगटा की अध्यक्षता में वर्ष 2016 हेतु चुनाव समिति की प्रथम बैठक गत 15 जुलाई को सम्पन्न हुई। इसमें प्रबंध कार्यकारिणी (पदाधिकारियों) का चुनाव आगामी 25 सितंबर को करवाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। देशभर के मतदाताओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए पुष्कर, भीलवाड़ा, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, नाथद्वारा, कोलकाता, दिल्ली, सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, नाशिक, नागपुर, इंदौर एवं हैदराबाद में मतदान केंद्र बनाए जाएँगे। बैठक में सेवा सदन अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला, महामंत्री सुनीलकुमार मूंदड़ा, चुनाव सहयोगी विजयशंकर मूंदड़ा, जेठमल बूब, जगदीशप्रसाद कोगटा, कैलाशचंद्र काबरा आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी सभा विदिशा के चुनाव सम्पन्न

राजेंद्र झंवर

नवलकिशोर मालपानी

विदिशा। स्थानीय माहेश्वरी सभा के त्रिवार्षिक चुनाव माहेश्वरी ट्रस्ट तलैया में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष राजेंद्र झंवर व सचिव नवलकिशोर मालपानी पुनः निर्विरोध चुने गए। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष प्रेमकुमार भूतड़ा, कोषाध्यक्ष शिवनारायण लोलानी, सहकोषाध्यक्ष सुभाष डांगरा, सहसचिव सुरेशचंद्र जावंधिया, प्रचारमंत्री संजीव राठी, जिला युवा मंडल अध्यक्ष नितिन हरकुट तथा सचिव नवीन कोठारी चुने गए। माहेश्वरी नगर युवक मंडल में अध्यक्ष गोपाल मोहता तथा सचिव मनीष लोलानी सर्वसम्मति से चयनित हुए।

> हर पतंग जानती है कि अन्त में कचरे में जाना है लेकिन उसके पहले हमें आसमान छूकर दिखाना है।

जगन्नाथ रथयात्रा का किया स्वागत

हरदा। श्री महेश्वरी युवा संगठन हरदा इकाई के द्वारा गत 6 जुलाई को हरदा में निकली भगवान जगनाथ जी की रथ यात्रा का स्वागत श्री माहेश्वरी धर्मशाला मेन रोड के पास किया गया। युवा साथियों ने सहयोग प्रदान कर रथ यात्रा का भव्य स्वागत फूलों की बरसात कर किया। स्वागत के दौरान युवा साथी सर्वेश सोमानी, नवनीत तोतला, सुनील कोठारी, राघव तोषनीवाल, आनंद बजाज, आयुष राठी, किशन कोठारी, गिरिराज तोतला आदि मौजूद थे।

संगोष्ठी के साथ महेश दर्पण लोकार्पित

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा महेश दर्पण-2016 का विमोचन एवं संगोष्ठी का आयोजन गत 22 मई को सायंकाल 8 बजे एमजीपीएस ऑडिटोरियम में किया गया। स्वागत गान ज्ञान लाहोटी व पार्टी ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि हुलासचंद भूतड़ा, मुख्य वक्ता श्यामसुंदर सोनी नागपुर, विशिष्ट अतिथि बाबूलाल मोहता, स्वागताध्यक्ष रमेशचंद्र मनिहार, महासभा संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमानी, प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल, प्रदेश मंत्री राजेंद्रकुमार मंत्री, माहेश्वरी समाज जयपुर अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा एवं शिक्षा सचिव एमजीपीएस अशोक मालू मंचासीन थे। जिले के पदाधिकारियों, अध्यक्ष प्रदेश युवा संगठन व स्वागत समिति सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान किया। स्वागत नृत्य प्रस्तुत करने वाली नन्हीं सी 8 वर्षीय नर्तकी भव्या लाहोटी का अतिथियों ने 2500 रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मान किया। अपने पिताजी स्व. श्री रामगोपाल अजमेरा की याद में बनाए गए अस्पताल के लिए भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित श्री किशनलाल अजमेरा का शॉल ओढ़ाकर व साफा बांधकर अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इसके साथ माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा का भी समाजसेवा व शिक्षा हेतु "शाने राजस्थान" पुरस्कार से पुरस्कृत होने पर शॉल ओढ़ाकर व साफा बांधकर सम्मान किया गया।

स्व. श्री जेठमल काबरा की प्रतिमा का अनावरण

भीलवाड़ा। किसी व्यक्ति की मूर्ति का अनावरण मात्र उसे स्थापित करना नहीं, वरन उसके द्वारा किए गए सत्कर्मों के जीवंत रूप को चिरस्थायी बनाकर उस से प्रेरणा लेना होता है। उक्त विचार समाजसेवी रामपाल काबरा ने बरेली मंदिर प्रांगण में कस्बे के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री जेठमल काबरा के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में व्यक्त किये। अध्यक्षता कोलकता की समाजसेविका गंगादेवी बाल्दी ने की। दुबई, महाराष्ट्र, गुजरात सहित राज्य के विभिन्न जिलों से आए समाजसेवियों व स्थानीय क्षेत्र के सैकड़ों प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों व स्वयंसेवी संस्था प्रमुखों, व्यापारिक एसोसिएशन पदाधिकारियों, कृषि मंडी के व्यापारियों एवं कई गांवों से पहुंचे किसानों की उपस्थिति में श्री काबरा के परिजनों द्वारा मूर्ति का अनावरण करवाया गया। इससे पूर्व सुबह 56 भोग का गुलाबपुरा के रामचरितमानस मंडल के तत्वावधान में सुंदरकांड का आयोजन हुआ।

माहेश्वरी युवा संगठन बना दक्षिण केरला

मुकेश काकाणी

मोहित पेड़ीवाल

अक्षत काबरा

रौनक चाण्डक

रमेश धीरन

कोच्चि। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन की वार्षिक साधारण की बैठक गत दिनों आयोजित हुई। इसमें एक सामूहिक निर्णय द्वारा कोच्चि में त्रिशुर, कोलम, त्रिवेन्द्रम को भी साथ में जोड़ा गया तथा संगठन का नाम बदलकर माहेश्वरी युवा संगठन दक्षिणा केरला कर दिया गया। इसी दिन संगठन के चुनाव भी आयोजित हुए। इसमें अध्यक्ष मुकेश काकाणी, सचिव मोहित पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष रमेश धीरण, खेल मंत्री अक्षत काबरा, सांस्कृतिक मंत्री रौनक चांडक सहित कार्यकारिणी सदस्य भावेश चाण्डक, दीपक लखोटिया, नवीन मर्दा, आकाश भूतड़ा, अखिल कचोलिया, अविनाश मेहता, किशोर राठी एवं महेन्द्र भूतड़ा चुने गये।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

ग्वालियर(मप्र)। माहेश्वरी युवा मंडल बिड़ला नगर ने महेश नवमी महोत्सव मनाया। इस दौरान 12 जून को सर्वजातीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। युवा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र माहेश्वरी व वर्तमान अध्यक्ष बिड़ला नगर संतोष लखोटिया की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पीडी कॉन्वेंट स्कूल व सहयोग मैरिज गार्डन में आयोजित हुए शिविर में 285 लोगों ने परामर्श लिया। पैथोलॉजी जांचें, एमआईआई, ईसीजी भी कम दरों पर की गईं। रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें महिलाओं व युवाओं ने 51 यूनिट रक्तदान किया। समाज पदाधिकारी ने सभी डॉक्टरों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किए। रेडक्रॉस सोसायटी, माहेश्वरी नर्सिंग होम, समस्त युवा मंडल, माहेश्वरी समाज बिड़ला नगर व महिला मंडल बिड़ला नगर का विशेष सहयोग रहा।

'श्री माहेश्वरी टाइम्स' का भीलवाड़ा अंक विमोचित

भीलवाड़ा। संगम उद्योग समूह के चेयरमैन एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी के हाथों श्री माहेश्वरी टाइम्स के महेश नवमी भीलवाड़ा विशेषांक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर श्री सोनी ने कहा कि श्री माहेश्वरी टाइम्स समाज की राष्ट्रीय स्तर की अग्रणी पत्रिका होकर समाज को सर्वांगीण विकास का आईना दिखा रही है तथा समाज में बदलते परिवेश में शिक्षा व व्यापार को दिशा दे रही है। इसी के साथ समाज के लोगों को समाज व देशहित में समाजसेवा के लिए प्रेरित करने का कार्य भी कर रही है। इस अवसर पर महासभा के उपाध्यक्ष एवं नितिन स्पीनर्स लि. के एमडी आरएल नौलखा ने कहा कि महेश नवमी विशेषांक समाज के लिए प्रेरणादायी व बहुउपयोगी है। विमोचन कार्यक्रम में दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति सदस्य देवकरण गग्गड़, नगर सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी, पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू व श्री माहेश्वरी टाईम्स प्रतिनिधि शंकर सोनी उपस्थित थे। पत्रिका का ये अंक भीलवाड़ा के माहेश्वरी समाजजनों के लिए संग्रहीय होगा।

विद्यार्थियों को मिलेगी भव्य होस्टल की सुविधा

श्रीमती सीतादेवी जयनारायन जाजू माहेश्वरी छात्रावास का होगा लोकार्पण

इंदौर। मां अहिल्या की पावन नगरी व एजुकेशन के हब इंदौर शहर में एबी माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त श्रीमती सीतादेवी जयनारायन जाजू माहेश्वरी छात्रावास भवन समाज को समर्पित होने जा रहा है। इसका लोकार्पण लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के कर कमलों से पद्मभूषण राजश्री बिरला के मुख्य आतिथ्य में आगामी 7 अगस्त को होने जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए सचिव भरत सारडा ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के अनेक गणमान्य बंधु देशभर से साक्षी बनने के लिए आमंत्रित किए जा रहे हैं। सर्वसुविधायुक्त 80 एसी कमरों के इस छात्रावास भवन में 180 छात्र निवास कर सकेंगे। यह लगभग पूर्णता की ओर है। समाज ने जिस कार्य की नींव रखी, जो सपना देखा था, वह अब साकार होने जा रहा है। राष्ट्रीय संत स्वामी गोविंददेव गिरीजी के कर कमलों से व समाज के अन्य वरिष्ठों के सान्निध्य में इस भवन की नींव रखी गई थी। छात्रावास में बन रहे ऑडिटोरियम में 200 विद्यार्थियों के सेमिनार, लेक्चर, प्रजेंटेशन, वीडियो, कॉन्फ्रेंसिंग,

डिस्टेंस लर्निंग व कल्चरल एक्टीविटी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। एक्टीविटी हॉल विद्यार्थियों के मनोरंजन व इंडोर गेम्स के लिए बना है। वहीं शिक्षा की नवीन तकनीक से युक्त ई-लाइब्रेरी भी छात्रावास भवन में उपलब्ध है। 90 छात्रों के साथ बैठने के लिए डायनिंग हॉल व मार्डन किचन, वाय-फाई, प्यूरीफाई वाटर, वाटर कूलर, सोलर गीजर, मंदिर, सिक्यूरिटी सिस्टम आदि सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। दो हायस्पीड लिफ्ट, जनरेटर, एयर कंडीशनिंग आदि सुविधाएँ भी छात्रावास में मिलेंगी। भवन निर्माण के दौरान जो भी ट्रस्टीगण व समाजबंधु बाहर से अवलोकनार्थ पधारे, सभी ने भवन की डिजाइन व उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। सचिव श्री सारडा ने बताया कि ट्रस्ट के चेयरमैन रामअवतार जाजू के नेतृत्व में पदाधिकारियों, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों व निर्माण संयोजक कृष्णकुमार बिड़ला, किशन मूंदड़ा ने अथक मेहनत कर अत्यंत कम समय में व लागत पर पूर्ण नियंत्रण रखते हुए इस का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया है।

> सृष्टि कितनी भी बदल जाए, हम पूर्ण रूप से संतुष्ट कभी नहीं हो सकते
> परन्तु यदि दृष्टि जरा सी भी बदल जाए, तो हम पूर्ण रूप से सुखी अवश्य हो सकते हैं।
> अतः जीवन में किसी चीज को यदि बदलना ही है तो केवल अपनी दृष्टि बदलो।

भजन मंडल का वीडियो लोकार्पित

पुणे। वर्तमान के बदलते प्रतिस्पर्धा वाले परिवेश में समाज की मुख्य समस्या है, विभिन्न संगठनात्मक आयोजनों और बैठकों के प्रति समाजजनों और युवाओं का घटता रुझान और संगठन की शिथिलता। इसी बिंदु पर कार्य करते हुए श्री बालाजी भजन मंडल, कस्बा पेठ पूना द्वारा कुछ विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी संदर्भ में एक विशेष वीडियो का लोकार्पण गत 1 मई को किया गया। इसका उद्देश्य माहेश्वरी समाज की परंपराओं को जीवंत रखते हुए आने वाली पीढ़ी को उचित संस्कार प्रदान कर समाज की धारा से जोड़े रखना है। उक्त जानकारी संजीव चाँडक ने दी।

With Best Compliments from:

ECOVIS®

RKCA ADVISORS LIMITED

(An Affiliation with ECOVIS International having Offices in 60 Countries)

Service Offerings

- Audit, Tax & Advisory
- Accounting & Legal Service
- Risk & Financial Consulting
- Management & Marketing Systems (ISO Certification)

△ **BM Trada RKCA Certifications Pvt. Ltd.**
(A Joint Venture with UK)

△ **Gold Berries Consulting Pvt. Ltd.**
(A management consulting vertical)

△ **RKCA-XAT Advisors Pvt. Ltd.**
(A Joint Venture with Japan)

△ **Fuller-RKCA (Middle East) FZC**
(A Joint Venture with Middle East)

515, TULSIANI CHAMBERS
NARIMAN POINT, MUMBAI - 400 021(India).
TEL: +91-22-22044737
E-mail: - enquiry@rkabra.net

अजमेरा बने अध्यक्ष

जावर। सीहोर जिले की तहसील जावर के स्थानीय माहेश्वरी मांगलिक भवन में समाज की एक अहम बैठक गत दिनों आयोजित की गई। इसमें महेंद्रकुमार अजमेरा उर्फ पप्पू को समाज बंधुओं द्वारा सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

भट्टड़ अध्यक्ष, धूत सचिव

मुरलीधर भट्टड़

सत्यनारायण सारडा

गड़चिरोली। शहर माहेश्वरी समाज के चुनाव गत दिनों सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष मुरलीधर भट्टड़ तथा सचिव सत्यनारायण सारडा चुने गए। कार्यकारिणी में हेमंत राठी, सुनील बल्दवा, गौरीशंकर परतानी, प्रकाश असावा, अमित राठी, सुमित सूरजन, नीलेश काबरा, प्रहलाद काबरा, अशोक परतानी, रितेश राठी सदस्य चुने गए।

मूथा बने परामर्शदाता

उदयपुर। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से एसबीबीजेके माध्यम से संचालित वित्तीय सहायता एवं साख परामर्श केंद्र, उदयपुर में ओमप्रकाश मूथा को परामर्शदाता नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

"व्यक्ति की चाल
'धन'
से भी बदलती है और
'धर्म'
से भी बदलती है
जब 'धन-सम्पन्न' होता है,
तब 'अकड़' कर चलता है
जब 'धर्म-सम्पन्न' होता है,
तो 'विनम्र' होकर
चलता है।"

रोटरी नागपुर इलाइट हुआ सम्मानित

नागपुर। रोटरी क्लब ऑफ नागपुर इलाइट का चौथा पदग्रहण समारोह रामदास पेठ स्थित एक होटल में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता गिरीश गांधी ने की। पूर्व अध्यक्ष प्रशांत पिपलवार ने अजय पाटील को अध्यक्ष का पदभार सौंपा। उल्लेखनीय है कि रोटरी क्लब नागपुर इलाइट ने अभी नासिक डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस में नौ अवॉर्ड प्राप्त किए हैं। इसके अंतर्गत शरद बागड़ी व उनकी टीम के सदस्यों को अंतरराष्ट्रीय कार्यों व प्रोजेक्टस के लिए पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

महिला संगठन ने किया रक्तदान

हैदराबाद। महेश नवमी के उपलक्ष्य में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा लायंस क्लब बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री रमेशकुमार बंग ने भाजपा नेता श्री गोविंद जी, हैदराबाद-सिकंदराबाद माहेश्वरी सभा के मंत्री रामप्रकाश भंडारी की उपस्थिति में

किया। संगठन अध्यक्ष कलावती जाजू एवं मंत्री रेणु सारडा ने बताया कि इस अवसर पर ललिता रघुराम द्वारा अंगदान पर व्याख्यान भी दिया गया। समाज के पहले अंगदान दाता स्व. श्री पुरुषोत्तम मालाणी की पत्नी संतोष मालाणी को इस अवसर पर सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

वट सावित्री व्रत के साथ पौधारोपण

हिंगोली। माहेश्वरी समाज और गोकुल धाम सोसायटी में पौधारोपण कार्यक्रम वटसावित्री पूर्णिमा के अवसर पर संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। आयोजक माहेश्वरी समाज माजी जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बियाणी थे। समाजजन और गोकुलधाम सोसायटी के

परिवारजन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

नईदिल्ली। माहेश्वरी समाज दिल्ली प्रदेश द्वारा आगामी 28 अगस्त को स्थानीय हिंदी भवन में माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। अधिक जानकारी वेबसाइट www.maheswaridelhi.org से प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त जानकारी के लिए मुकेशचंद राठी, राजकुमार माहेश्वरी व संजय माहेश्वरी से भी संपर्क किया जा सकता है।

अकाउंटेंसी का निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षण

जोधपुर। माहेश्वरी समाज जोधपुर, राजस्थान व मुंबई के कुछ बंधु जो चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं व अध्यापन से जुड़े हैं। ये कॉमर्स के विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए अनोखा प्रयास कर रहे हैं। रितेश मोदी ने बताया कि इसके लिए इन्होंने मिलकर एक वेबसाइट का निर्माण किया है। इसके द्वारा कोई भी छात्र कक्षा 11वीं तथा 12वीं कॉमर्स अकाउंटेंसी, लेखाशास्त्र का विषय निःशुल्क पढ़ सकता है। 700 से अधिक डिजिटल लेक्चर्स इस वेबसाइट पर अभी तक अपलोड कर दिए गए हैं। छात्रों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है। इससे न केवल माहेश्वरी छात्र बल्कि भारत में रहने वाला हर कॉमर्स छात्र पढ़ सकता है। इसे निःशुल्क रखने के पीछे लक्ष्य है कि लेखाशास्त्र में नींव मजबूत करना व माता-पिता की जेब पर पड़ने वाले एक्स्ट्रा क्लासेस के बोझ को कुछ कम करना है।

ग्रांड बम्पर तंबोला का आयोजन

रायपुर। माहेश्वरी युवा मंडल (महिला समिति) द्वारा गत 29 जून को वृंदावन हॉल, सिविल लाइंस में ग्राउंड बंपर तंबोला का आयोजन किया गया। इसमें "सब खेलो सब जीतो की तर्ज" पर कई इनाम रखे गए। 200 से ज्यादा महिलाओं ने इकट्ठा होकर तंबोला का आनंद उठाया। इस अवसर पर आकर्षण था बंपर डायमंड रिंग। इसकी हकदार बनी सुनीता अग्रमोदी। लकी ड्रॉ सहित कई अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गये। कार्यक्रम की अध्यक्ष संध्या राठी, सचिव प्राची मोहता तथा मुख्य अतिथि लता बंग मंचासीन रहीं। प्रोग्राम डायरेक्टर रेखा हुरकट तथ राजश्री मूंदड़ा सहित नीना राठी, संगीता राठी, सुरुचि नत्थानी, शीतल डागा, सुमन माहेश्वरी, नंदा सारडा, नीलिमा लड्ढा, रमा बागड़ी, निधि सारडा आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

> "जीवन में आपके साथ भीड़ कितनी है यह महत्वपूर्ण नहीं उस भीड़ में आपके साथ कौन है यह महत्वपूर्ण है।"

बधाई एवं अभिनन्दन

परिवर्तन संसारे मृतः को वा न जायते
स जाते येन जातेन देशः याति समुन्नतिम।

सतत् परिवर्तनशील संसार में कौन नहीं जन्म लेता
या मृत्यु को प्राप्त करता,
जन्म लेना तो उसी का सार्थक है, जिसके जन्म लेने से
देश व समाज उन्नति को प्राप्त होता है।

श्रद्धेय पद्मश्री
बंशीलाल जी राठी

के 83वें जन्मदिवस (14 अगस्त) पर
हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई.

सत्यनारायण राठी
सदस्य
आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र

131, कैलाश पार्क, इन्दौर (म.प्र.)
मो. : 098260-75402

पश्चिमांचल की 'अनुभूति' के साथ हुई कार्यसमिति की बैठक

प्रतिभा प्रदर्शन के साथ कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण - कई प्रबुद्धजनों ने दिया मार्गदर्शन

पुष्कर। गत 25-26 मई को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय बैठक एवं पश्चिमांचल अधिवेशन "अनुभूति 2016" का आयोजन मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में हुआ।

प्रथम सत्र में प्रातः 10 बजे राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, समिति संयोजक, सह संयोजक, राष्ट्रीय कार्यसमिति, प्रदेशों के अध्यक्ष व मंत्री ने भाग लिया। पश्चिमांचल जो कि इसी सत्र में नया अंचल बना है, उसे इस बैठक का आतिथ्य करने का अवसर मिला। कार्यसमिति बैठक का मुख्य विषय प्रदेशों के चुनावों के लिए पर्यवेक्षक एवं चुनाव अधिकारी को नियुक्त करना था। महाधिवेशन सृजन सेतु के आय व्यय का ब्योरा सदन में प्रस्तुत किया गया। माहश्वेरी महिला पत्रिका तथा एमएमयू ब्रांड पर विशेष चर्चा हुई।

द्वितीय सत्र में पश्चिमांचल का अधिवेशन

दूसरे सत्र में पश्चिमांचल अधिवेशन "अनुभूति 2016" का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि महासभा के निवर्तमान सभापति रामपाल सोनी, महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, यूआईटी अजमेर के चेयरमैन शिवशंकर हेड़ा, संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा, संगठन की संरक्षक रत्नीदेवी काबरा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, पश्चिमांचल उपाध्यक्ष आशा माहेश्वरी, संयुक्त मंत्री कौशल्या गट्टानी, मध्य राजस्थान की प्रदेशाध्यक्ष मंजू भूतड़ा, मंत्री सुनीता रादंड थीं। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा, लता लाहोटी व गीता मूंदड़ा भी उपस्थित थीं। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक शांता धूत, रेणुका जैथलिया, आशा काकानी, पूर्व अध्यक्ष ममता मोदानी आदि ने किया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में उपस्थित सदस्याओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रदेशाध्यक्ष मंजू भूतड़ा व पश्चिमांचल उपाध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने स्वागत उद्बोधन दिया। आभार प्रदर्शन पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री कौशल्या गट्टानी ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मंत्री सुनीता रांदड़, नीलू खड़लोया, आभा बेली ने किया।

प्रतियोगिताओं से सजा आयोजन

सायंकाल 7 बजे में बाराहघाट पर पुष्कर सरोवर की आरती का कार्यक्रम महिला मंडल पुष्कर की सदस्याओं के सहयोग से रखा गया तथा रात्रिकालीन कार्यक्रम में पश्चिमांचल की प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुईं। इसमें रिपोर्टिंग फाइल राष्ट्रीय प्रतियोगिता संयोजक ममता मोदानी के संयोजक में सम्पन्न हुई। इसमें प्रथम महाराष्ट्र, द्वितीय कोलकाता, तृतीय गुजरात, चतुर्थ पश्चिम मप्र, पंचम विदर्भ, पूर्वी मप्र व दक्षिण राजस्थान उदयपुर रहे। द्वितीय लोरी स्पर्धा पश्चिमांचल के प्रदेशों की प्रतियोगिता थीं। मधु बाहेती इसकी संयोजिका थीं। इसमें प्रथम मध्य राजस्थान (अजमेर) की नमिता जैथलिया रहीं। प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में राजस्थान के धार्मिक त्योहार पर आधारित नृत्य नाटिका प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। संयोजक पुष्पा सोमानी थी। इसमें प्रथम पूर्वोत्तर राजस्थान, जयपुर रहा। पुरस्कार प्रायोजक- पश्चिमी राजस्थान जोधपुर अध्यक्ष फूलकंवर मूंदड़ा तथा नागौर जिला सचिव उषा झँवर मकराना थीं।

मधुर स्मृतियों के साथ समापन

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा, पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा तथा शोभा सादानी थीं। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा तथा महामंत्री कल्पना गगरानी के सम्मान में अभिनंदन-पत्र पढ़ा गया एवं मध्य राजस्थान प्रदेश तथा पश्चिमांचल के प्रदेशों के कार्यकर्ताओं का सम्मान पत्र से सम्मान किया गया। इस आयोजन में मधुसूदन मालू, सुनील मूंदड़ा, श्यामसुदंर बिड़ला, रामकुमार भूतड़ा व पुष्कर सेवा सदन का विशेष सहयोग रहा। दो दिवसीय इस बैठक की सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

"जीवन में दो तरह के दोस्त जरूर बनाना
एक 'कृष्ण' की तरह जो आपके लिए 'लड़ेगा' नहीं
पर ये सुनिश्चित करेगा कि आप ही 'जीत' जाएँ,
और दूसरा 'कर्ण' की तरह जो आपके लिए तब भी 'लड़ेगा'
जब आपकी 'हार' सामने दिख रही हो।"

राजस्थानी सेवा संघ ने करवाई चारधाम यात्रा

गुलबर्गा। स्थानीय राजस्थानी सेवा संघ गुलबर्गा द्वारा चार दिशा चार धाम यात्रा के अंतर्गत बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमनोत्री व गंगोत्री की यात्रा का आयोजन किया गया। सेवा संघ अध्यक्ष सुनील लोया के नेतृत्व व संपत तापड़िया, सुनील मालू, संतोष मालू तथा राजेश सारडा के मार्गदर्शन में यह यात्रा 19 मई से 2 जून तक आयोजित की गई। इसमें बच्चे, महिला, पुरुष सभी आयु के लोग शमिल थे। इसके साथ भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. श्री रमेशचंद्र भराड़िया का चार दिशा चार यात्रा का संकल्प भी पूर्ण हो गया।

चाँडक प्रतिभा सम्मान से सम्मानित

हरदा। माहेश्वरी समाज के सांस्कृतिक सचिव जयकृष्ण चांडक को स्थानीय इकाई ने प्रतिभा सम्मान के अन्तर्गत सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि जयकृष्ण भगवान के शृंगार, रंगोली, स्टेज डेकोरेशन के साथ-साथ पिछले कुछ सालों से अपनी साहित्यिक प्रतिभा से भी लोहा मनवा चुके हैं। आजकल नवगठित युवा मंडल हरदा समाज की पारिवारिक जानकारियों के संकलन का कार्य भी कर रहा है।

मुलाहिजा फरमाइये

अगर खुदा नहीं तो उसका जिक्र क्यों?
और अगर खुदा है तो फिर फिक्र क्यों।

खुश हूँ और सबको खुश रखता हूँ।
लापरवाह हूँ फिर भी सबकी परवाह करता हूँ।

हर तरह का वक्त आता है जिंदगी में, लेकिन
वक्त के गुजरने में वक्त नहीं लगता।

उत्थान के शिखर पर भले नहीं पहुंचो
मगर पतन की सीमा तय कर लो।

ख्वाहिश भले छोटी सी हो.... लेकिन...
उसे पूरा करने के लिए दिल जिद्दी होना चाहिए।

देखी जो नब्ज़ मेरी हँसकर बोला वो हकीम
जा जमा ले महफिल पुराने दोस्तों के साथ...
तेरे हर मर्ज की दवा वही है।

▸▸ डॉ. नारायण तिवारी, एम.ए., एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी., उज्जैन

मेडिकल परिचय पुस्तिका का विमोचन

जयपुर। गत 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे पर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला जयपुर ने महानगर में सेवा देने वाले माहेश्वरी डॉक्टर्स, जांच केंद्रों व दवाई दुकानों की परिचय पुस्तिका प्रकाशित कर समाज को समर्पित की। विमोचन राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने किया। मंच पर महासभा के संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमाणी, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल, जयपुर जिलाध्यक्ष श्रीकिशन अजमेरा, क्षेत्रीय अध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती और जयपुर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा मौजूद थे। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने बताया कि कृष्णधाम वृद्धाश्रम में समाज द्वारा 4000 वर्गफीट क्षेत्र में अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक लैब शुरू की जाएगी। इसमें समाजबंधुओं को रियायती दरों पर विश्वसनीय व नवीनतम चिकित्सा जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ तिलक नगर ग्राउंड पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के 'स्पोर्ट्स व हैल्थ क्लब' का निर्माण शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर 75 वर्ष से अधिक आयु के डॉक्टर्स बंधुओं का सम्मान भी किया गया।

योग साधना शिविर का हुआ आयोजन

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग साधना शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन गोलामंडी पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा ने की। इस अवसर पर योगाचार्य राजेंद्र सुगंधी एवं अरविंद कुमरावत का सम्मान भी किया गया। श्यामसुंदर भूतड़ा, नरसिंग देवपुरा, आनंदीलाल गांधी, नंदलाल काबरा, राकेश काकाणी, वीरेंद्र गट्टानी आदि मौजूद थे। आभार सचिव अरुण भूतड़ा ने माना। कार्यक्रम के संयोजक महेश पलोड़ थे।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

गुना। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव गत दिनों संपन्न हुए। इसमें गुना की पूनम लड्ढा अध्यक्ष, उपमा राठी उपाध्यक्ष, कुंभराज की उषा राठी सचिव, राघौगढ़ की सपना माहेश्वरी सचिव और कुंभराज की शिवानी काबरा कोषाध्यक्ष और राघौगढ़ की पद्मा लाहोटी संगठन मंत्री चुनी गईं।

रोटरी क्लब में माहेश्वरी

महेश बहेड़िया

चंद्रभानु लाठी

बूंदी। रोटरी क्लब बूंदी के वर्ष 2016-17 के कार्यकाल के लिए माहेश्वरी समाज के सदस्य व प्रमुख व्यवसायी महेश बहेड़िया को अध्यक्ष, सार्वजनिक निर्माण विभाग में ड्रॉफ्टमैन चंद्रभानु लाठी को सचिव तथा समाजसेवी नंदकिशोर जाजू को कोषाध्यक्ष चुना गया। यह पहला अवसर है, जब क्लब के तीनों महत्वपूर्ण पदों पर माहेश्वरी समाज से जुड़े सदस्यों का सर्वसम्मति से चुनाव हुआ है।

राठी अध्यक्ष, हेड़ा सचिव

अकोला। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गत दिनों गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष अन्नपूर्णा राठी तथा सचिव वंदना हेड़ा को नियुक्त किया गया। नवीन कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष विजयश्री जाजू, कविता मालू, सहसचिव संगीता काबरा एवं मनीषा भंसाली, कोषाध्यक्ष हेमा खटौड़ को नियुक्त किया गया।

युवा संगठन के चुनाव

हरदा। श्री माहेश्वरी समाज हरदा की साधारण सभा में समाज के पदाधिकारियों एवं युवा सदस्यों की उपस्थिति में गिरिराज तोतला को माहेश्वरी युवा संगठन हरदा इकाई का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। इसके बाद श्री तोतला ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें संरक्षक गणेश कचोलिया, मुरलीधर मूंदड़ा, विकास बांगड़, ब्रजेश मोहता, उपाध्यक्ष सर्वेश सोमानी, सचिव कौशल काबरा, सहसचिव राघव तोषनीवाल व आनंद बजाज, कोषाध्यक्ष युगल राठी, सांस्कृतिक सचिव संजीव मूंदड़ा, कृष्णमुरारी कोठारी, क्रीड़ा संयोजक कपिल सोमानी, संजय बजाज, बधाई संयोजक शुभम सोमानी तथा मीडिया संयोजक राजू साबू मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष बने मंडोवरा

अध्यक्ष

सचिव

रतलाम। स्थानीय श्री माहेश्वरी भवन में गत 26 जून को संपन्न माहेश्वरी जिला सभा के निर्वाचन में रतलाम के प्रहलाद मंडोवरा प्रतिद्वंद्वी के नाम वापस लेने के पश्चात निर्विरोध अध्यक्ष घोषित हुए। अध्यक्ष पद हेतु कुल दो नाम प्राप्त हुए थे। इसमें सुखेड़ा के प्रकाश राठी द्वारा नाम वापसी के पश्चात निर्वाचन अधिकारी शैलेंद्र डागा ने पर्यवेक्षक गोविंद मोहता की सहमति से श्री मंडोवरा को अध्यक्ष घोषित किया। अ.भा. माहेश्वरी महासभा प्रतिनिधि प्रेम नारायण मालपानी, रामकरण लड्ढा संरक्षक सर्वसम्मति से चुने गए। प्रदेश प्रतिनिधि बाबूलाल राठी, रामचंद्र डारिया, अविनाश लड्ढा, कमलनयन राठी, मांगीलाल अजमेरा, प्रहलाद मालानी, गिरीराज मालानी, राधेश्याम तोला चुने गए। अध्यक्ष श्री मंडोवरा ने अपनी कार्यसमिति की घोषणा की। इसमें उपाध्यक्ष हरिगोपाल सारडा, लीलाधर डांगरा, प्रकाश राठी व राजेंद्र मूंदड़ा, सचिव सुनील डांगरा, कोषाध्यक्ष नवीन मूंदड़ा, सहसचिव अशोक राठी व नरेंद्र तापड़िया तथा प्रचार मंत्री विजय असावा को मनोनीत किया गया।

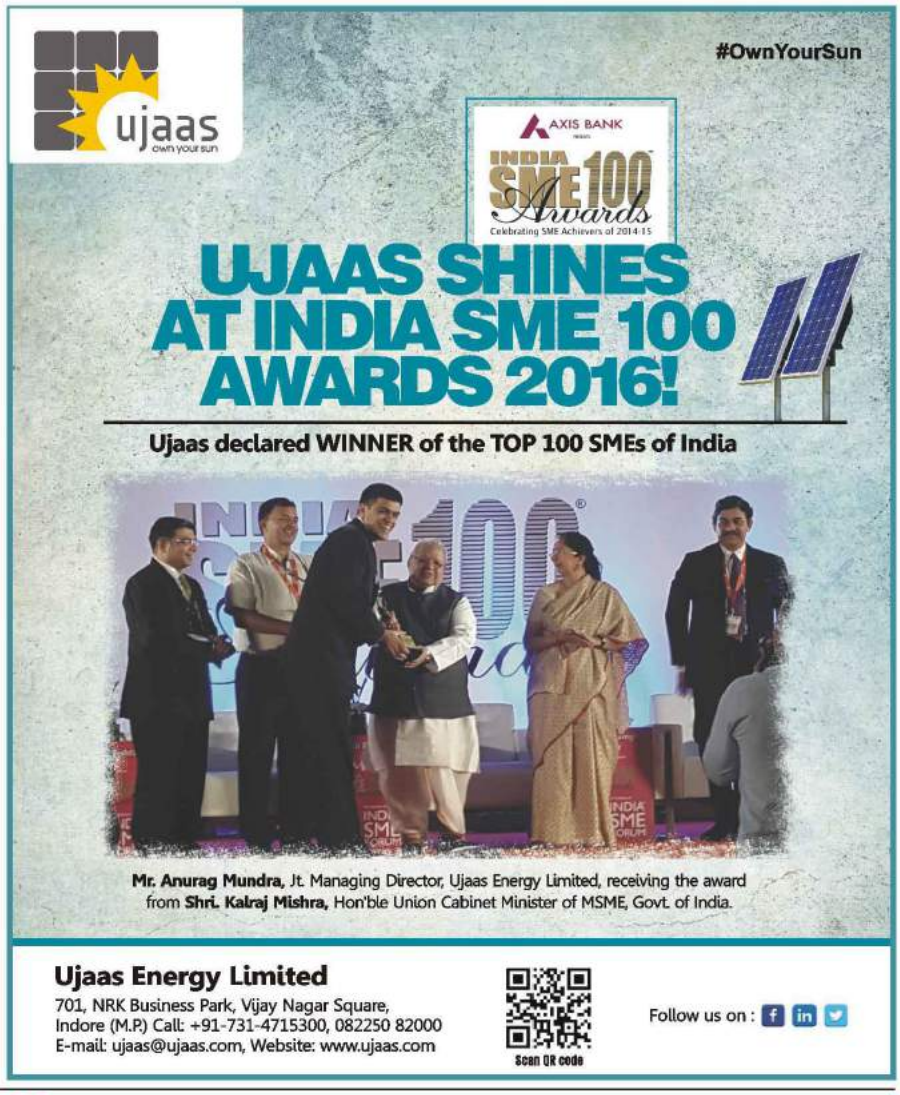

"जिस दिन हम यह समझ जायेंगे कि सामने वाला गलत नहीं है सिर्फ उसकी सोच हमसे अलग है, उस दिन जीवन से दुःख समाप्त हो जायेंगे।"

जय महेश के जयकारों की गूँज अभी-भी शेष

माहेश्वरी समाज द्वारा अपना उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। देश-विदेश हर जगह इस अवसर पर भव्य आयोजन हुए। इन्हीं आयोजनों की गूँज प्राप्त हो रही सूचनाओं के रूप में अभी-भी सुनाई दे रही है।

कोलकाता। वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी सभा कोलकाता, माहेश्वरी विकास परिषद एवं प्रदेश की समस्त आंचलिक सभाओं के सहयोग से शोभायात्रा 12 जून सुबह 8 बजे माहेश्वरी भवन से निकाली गई। भगवान महेश की पूजा प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल दम्माणी ने विधि विधान से कराई। शोभायात्रा के शुभारम्भ अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के वित्त मंत्री डॉ. अमित मित्रा, विधायक स्मिता बक्सी, पार्षद मीना पुरोहित, उद्योगपति विट्ठलदास मूंधड़ा, सुशील मोहता, किसन मल, कमल गांधी, इंद्रकुमार मोहता, शोभायात्रा संरक्षक पुरुषोत्तमदास मिमानी, प्रदेशाध्यक्ष नंदकिशोर लाखोटिया, प्रदेश महिला अध्यक्षा मंजू कोठारी एवं युवा अध्यक्ष राकेश मोहता मंचासीन थे। प्रदेश सभा की ओर से उपाध्यक्ष बृजमोहन मूंधड़ा, विजेंद्र झंवर, प्रदेश मंत्री भंवरलाल राठी, संगठनमंत्री नंदकुमार लड्ढा, संयुक्त मंत्री महेश माहेश्वरी, राजेश नागोरी, अर्थमंत्री श्रीलाल राठी ने अतिथियों का स्वागत किया।

उत्कल। प्रादेशिक माहेश्वरी युवा व ओडिया अखबार संवाद के तत्वावधान में उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के जिला युवा संगठनों ने महेश नवमी पर रक्तदान शिविर लगया। दिनेश करनाणी सचिव उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन ने बताया 7 जिलों में यह आयोजन हुआ। इसमें 350 यूनिट से भी ज्यादा रक्तदान हुआ। बालासोर युवा संगठन ने 107, मयूरभंज, बारीपदा 104 व भद्रक जिला ने 41, मालकानगिरि ने 35, गंजाम जिला ने 35, बरगद ने 20, सुंदरगढ़ ने 18 यूनिट रक्त एकत्र किया। बालासोर एवं बारीपदा के कार्यकर्ताओं ने सर्वाधिक रक्त संग्रह किया।

ग्वालियर। मप्र उच्च न्यायालय के ग्वालियर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायमूर्ति उमेशचंद्र माहेश्वरी डीडवाना ओली स्थित माहेश्वरी भवन में महेश नवमी महोत्सव के पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र क्षेत्र माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रमोहन नागोरी ने की। ग्वालियर जिला माहेश्वरी द्वारा 7 दिनी महेश नवमी महोत्सव 10 जून से 17 जून तक आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत विविध सामाजिक, धार्मिक सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोहश्वरी महिला मंडल की प्रदेशाध्यक्ष मंजरी छापरवाल, ग्वालियर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मोहन मोहश्वरी, सचिव मधुसूदन माहेश्वरी, मध्य क्षेत्र माहेश्वरी सभा के सहसचिव सुनील लोइवाल, डॉ. पुरुषोत्तम जाजू आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

श्री रामगुरुदेवजी महाराज की असीम अनुकम्पा से हमारे प्रिय

अभिषेक सेठिया

सुपौत्र : स्व. हाबुलालजी, स्व. रामेश्वरलालजी, स्व. रामप्यारजी सेठिया
सुपुत्र : कलावती देवी-रामराय सेठिया

के **CA** बनने पर

M. 98876 57588

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

शुभेच्छु

रामदयाल, खूबीराम, रामनिवास, हिम्मतराम, रामधन, हरिराम एवं समस्त सेठिया परिवार (बागौर), स्व. रामचन्द्री-प्रेमशंकर तोतला, स्व. रूकमणदेवी-देबीलाल बिड़ला, रामकन्या-देबीलाल मण्डोवरा, राधा जगदीशचन्द्र आगाल, सुनीता-राजेन्द्रकुमार गग्गड़ (भुआ-फूफाजी), ममता-सीए दिलीप मालीवाल, समता-सीए दिनेश आगाल (दीदी-जियाजी), सन्तोष-रामस्वरूप पोरवाल (नानी-नानाजी), सीता-कमल न्याति (मौसी-मौसाजी), सौम्य, शिवी, हितेन. M. 94146 16746

हिंगोली। महेश नवमी पर्व पर माहेश्वरी भवन से निकली शोभायात्रा का महेश चौक स्थित माहेश्वरी बोधचिह्न के स्तंभ के पास कमलकिशोर काबरा (आदर्श शिक्षण संस्था के अध्यक्ष) ने विधिवत पूजन किया। इसके बाद शोभायात्रा माहेश्वरी भवन पहुंची। यहाँ पर भगवान महेश की पूजा व आरती के पश्चात महाप्रसाद आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। खेल स्पर्धाओं का भी आयोजन किया गया। जिले की सेनगांव, कलमनरी, वसमत और औढ़ा तहसील में भी महेश नवमी धूमधाम से मनाई गई। यह जानकारी ओमप्रकाश बियाणी ने दी।

गड़चिरोली। जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा सेवा समिति गड़चिरोली के तत्वावधान में स्थानीय केमिस्ट भवन में महेश नवमी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेलकूद, सामान्य ज्ञान स्पर्धा आदि का आयोजन हुआ। 13 जून सोमवार को शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए शोभायात्रा निकाली गई। दोपहर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। तत्पश्चात आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में हेमंत राठी, सचिव सुनील बल्दवा, कोषाध्यक्ष गौरीशंकर परतानी एवं समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुरलीधर भट्टड़ उपस्थित थे।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

श्री सिंगोली श्याम की
असीम अनुकम्पा से हमारे लाड़ले

अर्पित तुरकिया

सुपौत्र : पुष्पा- श्री प्रहलाद राय तुरकिया
सुपुत्र : कला-महावीरकुमार तुरकिया

के CA बनने पर

M. 76667 12038

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

शुभेच्छु

शुभम तुरकिया IPCC (भ्राता), रतन-शंकर काखाणी (अहमदाबाद), निर्मला-आनन्द सोमानी (केकड़ी), दिव्या-गिरिराज लढ़ा (अहमदाबाद), पदमा-खयालीलाल आगाल-अहमदाबाद (भुआ-फूफाजी), गणपतलाल-गोरजादेवी (नाना-नानी), हरकलाल-सुभद्रादेवी (मामा-मामी) एवं समस्त तुरकिया परिवार, भीलवाड़ा (राज.)

फर्म : जय चारभुजा होजरी, शुभम होजरी
सांगानेर रोड, सन्मति वाटिका के पास, भीलवाड़ा (राज.)
फोन : 01482-222820, मो. 94141 12630

दुर्ग। श्री माहेश्वरी पंचायत द्वारा 13 जून को महेश नवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि जगदीश झँवर जिलाध्यक्ष रायपुर थे। उपाध्यक्ष छग प्रा.मा. सभा विट्ठल भूतड़ा ने संबोधित किया। समाज के प्रतिभावान छात्र आदित्य पिता गोपाल लड्ढा को आईआईटी में विशेष रैंक आने पर सम्मानित किया गया। आभार संस्था सचिव राजकुमार केला ने माना। श्री माहेश्वरी पंचायत के सदस्यों द्वारा मुख्य चिकित्सालय में मरीजों को फल, बिस्कुट का वितरण किया गया। गर्मी को ध्यान में रखते हुए शहर के हृदय स्थल पुलगांव में महेश चौक के पास जन साधारण के लिए शरबत का वितरण माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा किया गया।

चंद्रपुर। स्थानीय माहेश्वरी समाज का दो दिवसीय महेश नवमी पर्व विभिन्न प्रतियोगिताओं, रक्तदान शिविर तथा भव्य रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। 13 जून को सुबह भगवान महेश की पूजा अर्चना की गई व शाम 5 बजे से श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से विशाल शोभायात्रा विविध झांकियों एवं महेश भजन मंडल के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। शाम 7 बजे से महेश भवन में समापन कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दीप प्रज्ज्वलन विजयकुमार सिकची, डॉ. गोपाल भूतड़ा, गोविंद सारडा, राधेश्याम सोमानी, सुरेश राठी, प्रभाकर मंत्री, आनंदीदेवी सारडा द्वारा किया गया। चंद्रपुर माहेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश सारडा एवं सचिव सुरेश राठी, माहेश्वरी युवक मंडल अध्यक्ष प्रभाकर मंत्री एवं सचिव प्रवीण सारडा, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष निर्माला जाजू, सचिव श्याम जाजू, जिला संगठन अध्यक्ष विनोद मनियार, सचिव गोविंद सारडा सहित समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों का सहयोग रहा।

वडोदरा। माहेश्वरी समाज चौखंडी (वडोदरा-गुजरात) द्वारा महेश नवमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा का भी आयोजन किया, जिसमें विविध प्रकार की झाँकियाँ बनाई गईं। इसी दिन समाज में राहत दर से नोट बुकों का वितरण किया गया। शोभायात्रा के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। इसमें अध्यक्ष सत्यनारायण ईनाणी, उपाध्यक्ष गणेशलाल लड्ढा, मंत्री बद्रीलाल डाड तथा सांस्कृतिक मंत्री भगवतीलाल काबरा सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

कोल्हापुर। श्री महेश सेवा समिति द्वारा महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत शारीरिक मानसिक, विकास तथा स्वास्थ्य मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 27 मई से 12 जून तक किया गया। इसमें साइकिल दौड़, दौड़, बैडमिंटन, विचार मंथन, मैराथन, व्यंजन बनाना, कला कौशल, धार्मिक प्रश्नावली, ऑन द स्पॉट, ट्रेझर हंट, क्रिकेट, कबड्डी, लगोरी, ऑन द स्पॉट, हम ज्येष्ठ सबसे श्रेष्ठ, खेल-खेल में, मेहंदी, बिसलरी बोटल आयटम, अनाज के गहने आदि स्पर्धाएँ तथा रक्तदान शिविर व भव्य शोभायात्रा का आयोजन हुआ। महेश नवमी पर पारितोषिक वितरण कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि उद्योगपति राजेंद्र मोहता, संस्था अध्यक्ष रामकिशोर बांगड़, ट्रस्टी प्रमुख नितिन धूत, कोल्हापुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष चंदनमल मंत्री, इचलकरजी तालुका अध्यक्ष जगदीशप्रसाद भूतड़ा, कोल्हापुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा निर्मला बाल्दी आदि थे। संस्था अध्यक्ष रामकिशोर बांगड़ ने स्वागत भाषण में संस्था की जानकारी दी तथा समाज बंधुओं का आभार माना। ट्रस्टी प्रमुख नितिन धूत ने भी अपने मनोगत रखे। प्रमुख अतिथि व मंच पर आसीन अतिथियों ने पारितोषिक वितरण किये। समाज की कुछ विशेष प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया।

बरुन्दनी (मांडलगढ़)। माहेश्वरी युवा सेवा संगठन बरुन्दनी के तत्वावधान में महेश नवमी पर्व पर रक्तदान शिविर का आयोजन माहेश्वरी धर्मशाला सिगोंली चारभुजा में हुआ। महात्मा गांधी चिकित्सालय की टीम ने डॉ. अनिल लड्ढा के निर्देशन में कार्य किया। इस अवसर पर 51 यूनिट रक्तदान हुआ। माहेश्वरी युवा सेवा संगठन के अध्यक्ष महेश नरानीवाल, मंत्री अभिषेक सोमानी, रामराज्य लड्ढा, भागचंद सोमानी, दिलीप तुरक्या, राकेश सोनी, सत्यनारायण सोमानी सहित समाज के कई गणमान्यजन मौजूद थे।

विदिशा। प्रतिवर्षानुसार स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 6 बजे से प्रभातफैरी शहर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। इसमें सभी पुरुष श्वेत वस्त्र और महिलाएँ पीले परिधान में शामिल हुईं। तत्पश्चात तलैया स्थित माहेश्वरी ट्रस्ट भवन में फैरी का समापन हुआ। कार्यक्रम के दूसरे चरण में सायं 6 बजे से समाज के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। शाम 7.15 बजे राष्ट्रीय युवा मंडल के कार्यक्रम अनुसार सामूहिक महेश वंदना की गई। सभी ने सपरिवार भोजन प्रसादी ग्रहण कर महेश नवमी पर्व को सदैव भक्तिमय और उल्लासमय रूप से मनाने का निर्णय लिया।

कुरखेड़ा। गड़चिरोली जिले के कुरखेड़ा तहसील माहेश्वरी संगठन की ओर से समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी का आयोजन किया गया। शिव मंदिर से शहर के प्रमुख मार्ग से होती हुई शोभायात्रा निकाली गई। महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं द्वारा सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष रामेश्वर काबरा, जिला सचिव पुरुषोत्तम टावरी, नंदकिशोर काबरा, विजयकुमार झँवर एवं समाज के वरिष्ठ नागरिक मौजूद थे।

उदयपुर। नगर माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में 5 से 13 जून तक महेश नवमी महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। 5 जून को कॅरियर प्लानिंग एवं बिजनेस डेवलपमेंट पर सेमिनार मोहनलाल देवपुरा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। 8 व 9 जून को डे-नाइट क्रिकेट मैच, 10 जून को एक शाम अनुभव के नाम तथा 11 जून को समाजसेवी गोपाल काबरा के मुख्य आतिथ्य में भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित हुई। इसमें माहेश्वरी युवा संगठन की वेबसाइट का शुभारंभ हितेश भदादा एवं पूनम भदादा के मार्गदर्शन में हुआ। 12 जून को खेलकूद स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। 12 जून को भव्य भजन संध्या मुख्य अतिथि जानकीलाल मूंदड़ा की उपस्थिति में आयोजित हुई। 13 जून को शिव अभिषेक एवं भव्य शोभायात्रा तथा सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आभार युवा संगठन अध्यक्ष आशीष कोठारी ने व्यक्त किया। हिरण नगरी क्षेत्र में भी विभिन्न कार्यक्रमों के साथ महेश नवमी उत्सव मनाया गया।

मेरठ। माहेश्वरी मित्र मंडल द्वारा महेश नवमी उत्सव मनाया गया। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष देवेंद्रकुमार भट्टर ने की। मुख्य संयोजक नरेश माहेश्वरी, उपप्रमुख संयोजक गौरव टावरी, उपाध्यक्ष रूपनारायण टावरी, कोषाध्यक्ष संजीव हरकूट एवं सभी संस्थाओं के अध्यक्ष व पूर्व अध्यक्ष/मंत्री भी शुभारंभ अवसर पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि महापौर हरिकांत आहलूवालिया थे। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन रितू केला व ज्योत्सना कोठारी ने किया। श्याम केला, त्रिभुवन मूना, चेतन लाहोटी, कमल ढक, प्रमोद केला, रूपनारायण, गौरव टावरी, प्रदीप टावरी, मनीष केला आदि का सहयोग रहा।

अमलनेर। जिला जलगांव (महाराष्ट्र) में स्थित अमलनेर में महेश नवमी पर्व का आयोजन अनोखी तथा नवीन पद्धति से किया गया। इसमें तहसील माहेश्वरी समाज और माहेश्वरी महिला मंडल ने आयोजन का जिम्मा समाज के गिलड़ा परिवार को प्रदान किया था। प्रो. डॉ. सुरेश माहेश्वरी (गिलड़ा) ने अपनी नवीन सोच से रामबिलास गिलड़ा के सहस्र चंद्र दर्शन समारोह को सामाजिक भूमि प्रदान की। इसमें माहेश्वरी समाज के अस्सी वर्ष के ऊपर के सदस्यों के सम्मान के साथ ही माहेश्वरी स्नेह मिलन का आयोजन भी किया गया। स्वामी नारायण संप्रदाय के प्रमुख स्वामीजी तथा उनके शिष्य आनंदजीवन स्वामी तथा योगीस्नेह स्वामीजी ने आशीर्वाद प्रदान किया।

उदयपुर। नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित महेश नवमी महोत्सव 5 से 13 जून तक धूमधाम से मनाया गया। आयोजन कॅरियर मार्गदर्शन सेमिनार, अंताक्षरी, महेश प्रीमियर लीग डे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट, वॉलीबॉल, महिलाओं व बच्चों के लिए खेलकूद, विराट सांस्कृतिक संध्या, प्रतिभा सम्मान समारोह, भजन संध्या, अभूतपूर्व शोभायात्रा, महाआरती तथा सामूहिक भोज के साथ हुआ। अध्यक्ष आशीष कोठारी तथा सचिव नरेंद्र लावटी ने समाजजनों का आभार माना। संगठन द्वारा निर्मित वेबसाइट का शुभारंभ भी अतिथियों ने किया।

उदयपुर। जिला माहेश्वरी सभा के आग्रह एवं तत्वावधान में संपूर्ण जिले के सालेराकलां, पलानाखुर्द, मावली, फतहनगर, ईटाली, भिंडार, हीता सलुम्बर एवं कुथवास सहित समस्त स्थानों पर महेश नवमी महोत्सव मनाया गया। इसके अंतर्गत उदयपुर शहर में 5 से 13 जून की अवधि में नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा विभिन्न मनोरंजक व सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित खेलकूद स्पर्धाएँ आयोजित हुईं। भजन संध्या, महाशिवाभिषेक, रक्तदान शिविर, शोभायात्रा, महाआरती एवं स्नेहभोज का आयोजन किया गया। इसी प्रकार हिरण मगरी, उदयपुर तहसील-मावली, भिंडर, फतहनगर एवं सलुम्बर में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह जानकारी जिलाध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा ने दी।

प्रत्युष व श्रेयांस अव्वल

प्रत्युष

श्रेयांस

अजमेर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पश्चिमांचल के उपसभापति आरएल नौलखा के सुपौत्र तथा दिनेश नौलखा के सुपुत्र प्रत्युष ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने गणित व अकाउंटेंसी दोनों विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वह अपनी स्नातक की पढ़ाई एसआरआरसी दिल्ली से करेंगे। इसी तरह श्री नौलखा के दोहित्र तथा विवेक मालानी के सुपुत्र श्रेयांस ने भी सीबीएसई 12वीं परीक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। उन्होंने इसमें इकोनॉमिक्स व बिजनेस स्टडीज दोनों विषयों में 100-100 अंक प्राप्त किए हैं। वह अपनी स्नातक की पढ़ाई लंदन स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स लंदन से करेंगे। दो विषयों में राज्य में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले ये दोनों ही विद्यार्थी हैं।

मनीषा 10वीं में टॉपर

अमृतसर। समाज सदस्य पवन-मंजू सारडा की सुपुत्री मनीषा ने सीबीएसई की 10वीं परीक्षा टॉप रैंक के साथ उत्तीर्ण की। स्थानीय समाज द्वारा इस उपलब्धि पर मनीषा का सम्मान किया गया।

मोहित के 89 प्रतिशत अंक

सूरत। समाज के वरिष्ठ मन्नालाल व रत्नीदेवी मंत्री के पौत्र तथा पुरुषोत्तमलाल व डॉ. आशा मंत्री के सुपुत्र मोहित ने सीबीएसई 12वीं (विज्ञान) की परीक्षा 89.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

सारा को 96 प्रतिशत अंक

नौखा (बीकानेर)। समाज सदस्य श्रीगोपाल मोहता की सुपुत्री सारा ने राजस्थान बोर्ड की सेकंडरी परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इसमें सारा ने जिले में सातवीं तथा राज्य में 18वीं रैंक प्राप्त की है।

एकता को 97 प्रतिशत अंक

सोलापुर। समाज की प्रतिभा एकता लाहोटी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 97.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण करते हुए पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ एकता खेलों में भी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है। इसमें ब्लैक बेल्ट के साथ उन्होंने राज्यस्तरीय कराते स्पर्धा में कांस्य पदक, स्कैटिंग व चेस में राज्य जिला चैंपियनशिप सहित बॉस्केटबॉल, थ्रो बॉल और खो-खो में भी विशेष उपलब्धि प्राप्त की है।

नंदिनी को ए ग्रेड

हैदराबाद। समाज सदस्य लक्ष्मीकांत व विष्णुकांता सोनी की सुपुत्री नंदिनी ने तेलंगाना राज्य बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा ए ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की। इस में उन्होंने गणित विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। इस परीक्षा में उन्होंने कुल 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

नयन को 89 प्रतिशत अंक

उदयपुर। समाज सदस्य शार्दूल व उषा आगाल के सुपुत्र नयन ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सीनियर सेकंडरी (विज्ञान-गणित) की परीक्षा 89 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अपूर्वा को 97 प्रतिशत अंक

बरेली। समाज की प्रतिभा अपूर्वा माहेश्वरी ने आईसीएससी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मंडल में तृतीय स्थान प्राप्त किया। अपूर्वा डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी एवं डॉ. मोनिका माहेश्वरी की सुपुत्री हैं।

शैली को 93 प्रतिशत अंक

अमरावती। भारतीय जीवन बीमा निगम में कार्यरत कमलेश व कविता मुंधडा की सुपुत्री शैली मुंधड़ा ने कक्षा 10वीं में 93 प्रतिशत अंक हासिल किए।

साक्षी ने किया कैम्ब्रिज विवि टॉप

अलीगढ़। समीपस्थ डिबाई निवासी स्व. श्री पीतांबर-दास राठी की सुपौत्री एवं इंग्लैंड निवासी उनके सबसे छोटे पुत्र-पुत्रवधू संजीव-शालिनी राठी की सुपुत्री साक्षी राठी ने कैम्ब्रिज विवि में अपने कॉलेज से टॉप करके समाज को गौरवान्वित किया है। साक्षी ने इंटर की पढ़ाई विश्व के जाने-माने स्कूल 'नार्थ लंदन' से मेरिट स्कॉलरशिप के साथ पूरी की थी। उसी दौरान सन् 2012 में इंग्लैंड में आयोजित निबंध स्पर्धा (हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश पार्लियामेंट) में भाग लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर साक्षी को ब्रिटिश पार्लियामेंट में आमंत्रित कर वहाँ की स्पीकर द्वारा भी से सम्मानित किया गया। वर्तमान में साक्षी विश्व की जानी-मानी कंसल्टिंग कंपनी मैकेंजी में कार्य कर रही हैं।

श्रिया को सीएस में चौथी रैंक

उदयपुर। समाज की प्रतिभा श्रिया जाखेटिया ने दी इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक्जिक्यूटिव प्रोग्राम परीक्षा चौथी रैंक के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

वांछित को 9.4 सीजीपीए

समाज सदस्य दिलीप व सुशीला सोमानी के सुपुत्र वांछित ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा 9.4 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर परिजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

आयुषी को 90 प्रतिशत अंक

अमरावती। राजेश व पुष्पा भूतड़ा की सुपुत्री आयुषी भूतडा ने कक्षा 10वीं की परीक्षा 90.40 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

कोमल को 96 प्रतिशत अंक

अकोला। बियाणी दाल मिल के संचालक नीलेश बियाणी की सुपुत्री कोमल बियाणी ने कक्षा 10वीं में 96.60 प्रतिशत अंक हांसिल किये। कोमल भविष्य में डॉक्टर बनना चाहती हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान देने CA बनने में फिर माहेश्वरी आगे

माहेश्वरी समाज न सिर्फ अपने उद्योग धंधों से समाज देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं बल्कि सीए के रूप में अपनी विशिष्ट सेवा देने में भी समाज अग्रणी ही है। सम्भवतः देश को सर्वाधिक सीए देने वाला समाज माहेश्वरी ही है और वर्तमान में आए सीए के परिणाम में भी यही स्थिति नजर आ रही है।

राधिका को सीए में 43वीं रैंक

उज्जैन। समाज सदस्य सुनील बांगड़ की सुपुत्री राधिका ने सीए की परीक्षा में ऑल इंडिया में 43वीं रैंक पाई है। राधिका ने इससे पूर्व सीपीटी की परीक्षा भी ऑल इंडिया में 11वीं रैंक तथा आईपीसीसी की परीक्षा 47वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की थी। राधिका ने बिना किसी विशेष कोचिंग की सहायता के यह ऊँचाई छुई है। राधिका ने विक्रम विवि से बीकॉम भी यूनिवर्सिटी में 5वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की थी। राधिका के पिता सुनील बांगड़ जिला सहकारी बैंक में कार्यरत हैं। राधिका की माता ममता बांगड़ अपने निवास पर बुटिक का संचालन करती हैं।

आयुषी जागेटिया

भीलवाड़ा। समाज सदस्य राकेश व कुसुम जागेटिया की सुपुत्री आयुषी ने सीए के दोनों ग्रुप में एक साथ सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष जताया है।

सपना जाजू

सेलू (परभणी)। समाज सदस्य राजाराम एवं चंदा जाजू की पुत्रवधू व कुशल जाजू की धर्मपत्नी सपना जाजू ने सीए फाइनल की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

ऋषभ राठी

उज्जैन। समाज के प्रतिभावान विद्यार्थी ऋषभ राठी ने सीए फाइनल दोनों ग्रुप की परीक्षा एक साथ व एक ही प्रयास में उत्तीर्ण की। ऋषभ समाज के वरिष्ठ सदस्य रामचंद्र व कमला सातल (राठी) के पौत्र तथा प्रदीप व प्रीति राठी के सुपुत्र हैं। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

निशा गगरानी

भीलवाड़ा। समाज सदस्य विशाल गगरानी की धर्मपत्नी निशा ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। निशा वरिष्ठ समाज सदस्य रामजस व कमला गगरानी की पौत्रवधू, कैलाशचंद्र व इंदिरा गगरानी की पुत्रवधू तथा सतीशचंद्र व मुन्नादेवी न्याती की सुपुत्री हैं। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

अभिषेक सेठिया

भीलवाड़ा। समाज सदस्य कलावती देवी व रामराय सेठिया के सुपुत्र अभिषेक सेठिया ने सीए की परीक्षा श्रेष्ठ अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अर्पित तुरकिया

भीलवाड़ा। समाज सदस्य महावीरप्रसाद व पुष्पा तुरकिया के सुपुत्र अर्पित ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसके साथ अर्पित ने सीएस की फाइनल परीक्षा भी दी है। वे आगे व्यापार करना चाहते हैं।

अर्पण डागा

नांदुरा। स्थानीय समाज के वरिष्ठ सदस्य नंदकिशोर डागा के पौत्र व अजय व ज्योति डागा के सुपुत्र अर्पण डागा ने साढ़े 21 वर्ष की अवस्था में सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। सभी स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

"श्री माहेश्वरी टाईम्स' की ओर से सभी को कोटिशः कोटिशः बधाई एवं शुभकामनाएँ

हर्षिता व निकिता नरानीवाल

हर्षिता

निकिता

भीलवाड़ा। समाज सदस्य गोपाललाल व सुनीता नरानीवाल की सुपुत्रियों हर्षिता व निकिता ने सीए की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। खुशमिजाज स्वभाव की सुनीता व हर्षिता हमेशा टॉपर रही हैं। निकिता सीएस भी हैं और यश बैंक में सर्विस करती हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

परिधि समदानी

उज्जैन। ख्यात एडवोकेट एवं समाजसेवी माहेश्वरी थोक पंचायत के ट्रस्टी राजेंद्र-रितु समदानी की सुपुत्री परिधि ने इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अनमोल भंडारी

अहमदाबाद. समाज की प्रतिभा अनमोल भंडारी सुपुत्री महावीरप्रसाद-मंजू भंडारी ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर समस्त परिवार एवं समाज के गौरव को बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मोहित बाहेती

मालेगांव (नासिक)। समाज सदस्य कैलाश व सरिता बाहेती के सुपुत्र मोहित बाहेती ने 21 वर्ष की अवस्था में सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। सभी स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

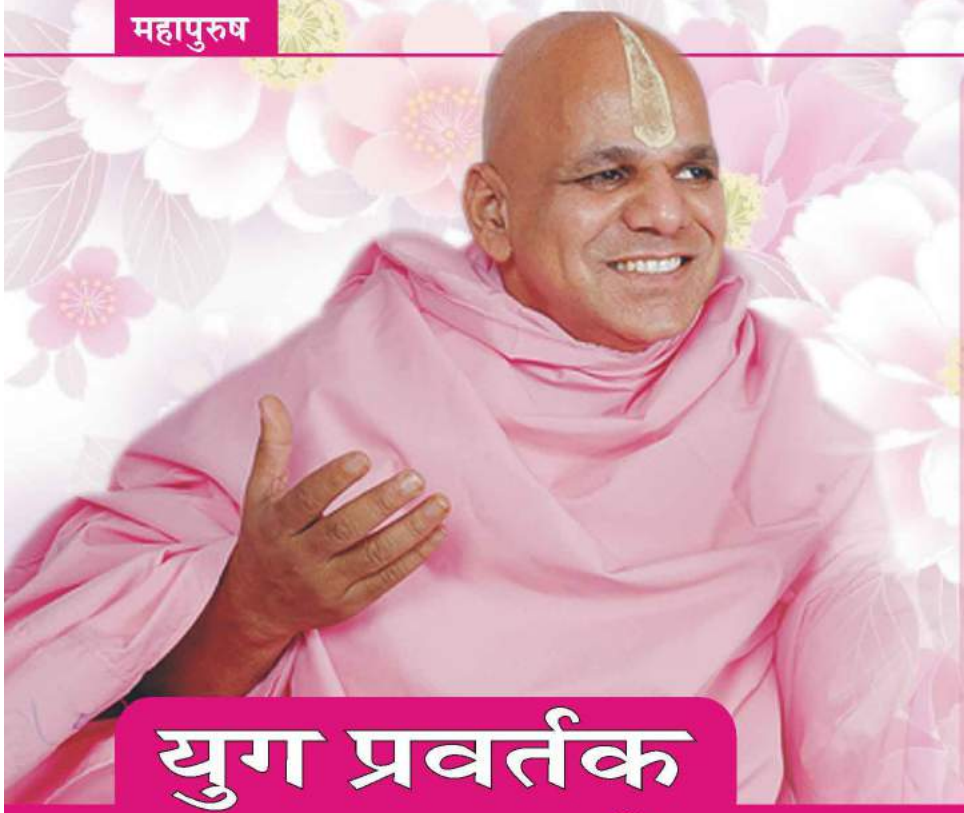

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय को आध्यात्म पथ पर १५वें आचार्य के रूप में जगद्गुरु स्वामी श्री १००८ श्री रामदयालजी महाराज का नेतृत्व प्राप्त हो रहा है। स्वामीजी इस सम्प्रदाय के संस्थापक स्वामी रामचरणजी महाराज के पद्चिह्नों पर चलते हुए उन्हीं की तरह युग प्रवर्तन कर रहे हैं। 'रामनाम' की अलख हर दिल में जगाना ही उनका परम लक्ष्य है।

युग प्रवर्तक
जगद्गुरु स्वामी रामदयालजी महाराज

अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के 15वें आचार्य हैं, अनंत श्री विभूषित स्वामी श्री 1008 श्री रामदयालजी महाराज। स्वामीजी इस सम्प्रदाय के एक ऐसे आचार्य हैं, जिन्होंने इसे पूर्ण गतिशीलता प्रदान की। महाप्रभु स्वामीजी श्री रामचरण जी महाराज ने जिस साहस, संकल्प व आत्मशक्ति के साथ आत्मोत्थान के शिखर पर अपने चरण चिह्न अंकित किए, ठीक उन्हीं के पद्चिह्नों का अनुसरण करते हुए आचार्यश्री स्वामी रामदयालजी महाराज भी साधना के क्षेत्र में गतिशील हैं। आपके मार्गदर्शन में रामस्नेही संप्रदाय के विभिन्न तीर्थ स्थलों के विकास सहित विभिन्न धार्मिक गतिविधियों ने एक अप्रतीम गति पकड़ी। यही कारण है कि आप जगद्गुरु जैसे पद से अलंकृत हैं। भीलवाड़ा का यह सौभाग्य है कि उसे स्वामीजी के इस बार के चातुर्मास की मेजबानी करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

मात्र 17 साल की आयु में ली दीक्षा

1008 श्री रामदयाल जी महाराज का जन्म आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी मंगलवार सं. 2013 तद्नुसार 26 सितंबर 1956 को मप्र के ऐतिहासिक शहर इंदौर में हुआ। 17 वर्ष की अल्पायु में ही आपने चित्तौड़ के भजनानंदी महापुरुष श्री भगतरामजी महाराज से दीक्षा ली। स्वामीजी मात्र 12 वर्ष की अल्पायु में ही घर-बार छोड़कर जीवन के शाश्वत आनंद की खोज में निकल पड़े थे। यहीं से वैराग्य का बीज इनके मन में अंकुरित होने लगा। अपनी जन्मभूमि इंदौर को छोड़कर थोड़े दिन इधर-उधर विचरण करने के बाद आप चित्तौड़ की धरा पर पधारे जहाँ आपकर संपर्क सम्प्रदाय के तपस्वी व यशस्वी संत पूज्य सद्गुरु श्री भगतराम से हुआ। यहीं से प्रारंभ होती है, आपकी शिखर यात्रा, जिसमें आप ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। श्रद्धेय सद्गुरु संतश्री भगतरामजी महाराज ने फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी संवत 2028 के दिन आपको राममंत्र सन्यस्थ दीक्षा प्रदान की।

37 वर्ष में बने सम्प्रदाय के आचार्य

वैराग्य अंगीकार करने के बाद आपका अधिकांश समय जप, तप, राम नाम-सुमिरन व स्वाध्याय में व्यतीत होने लगा। ध्यान, संयम, तप का अभ्यास, सहिष्णुता, निष्ठा, एकाग्रता, कर्मठता व अनुशासन जैसे आदर्शों से व्यक्तित्व इतना विराट होता चला गया कि मात्र 37 साल की उम्र में ही 20 जनवरी 1994 को आप अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के 15वें आचार्य पद पर विराजे। आपके आचार्यत्व काल के अल्प समय में ही सम्प्रदाय ने तीव्रगति से चहुंमुखी विकास किया एवं अनेक ऐतिहासिक कार्य सम्पन्न हुए। इनमें 'स्वामीजी श्रीरामचरण महाप्रभु निर्वाण द्विशताब्दी समारोह, हरिद्वार एवं इलाहबाद (प्रयाग) में महाकुंभ शिविर का विराट आयोजन आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।

सम्पूर्ण विश्व में किया प्रचार

आप श्रीमद्भागवत् के मर्मज्ञ हैं। आपने देश के लगभग हर प्रांत में अनेक बार अपनी अमृतमयी वाणी से श्रीमद्भागवत कथावृत्त का पान कराकर असंख्य आत्माओं का उद्धार किया है। आचार्य प्रवर एक कुशल संगठक तो हैं ही, साथ ही आप में समय की नब्ज को पहचान कर तद्नुरूप निर्णय लेने की विलक्षण क्षमता भी है। यही कारण है कि रामस्नेही सम्प्रदाय को ना केवल पूरे देश ही अपितु संपूर्ण विश्व में व्यापक पैमाने पर मान्यता मिली है। एक जानकारी के अनुसार रामस्नेही संप्रदाय

के इस समय देश में लगभग 250 संत लगभग इतने ही रामद्वारा और अनुयायियों की संख्या लाखों में है। आचार्य प्रवर क्रांतिकारी विचारों के धनी हैं।

आध्यात्म में भी क्रांतिकारी विचार

आपकी प्रवचन शैली सहज, सरल और अन्तर्मन को आसनी से छूने वाली है जिसमें एक ओर जहाँ जीवन की वास्तविकता का दिव्य दर्शन होता है, वहीं दूसरी ओर रूढ़ियों, अंधविश्वासों, सामाजिक विकृतियों, कन्या भ्रूणहत्या, जीव हत्या एवं बाल विवाह के खिलाफ सिंह गर्जना भी सुनाई पड़ती है। यही कारण है कि आप केवल एक परंपरा के प्रतिनिधि संत के रूप में नहीं बल्कि राष्ट्रीय क्रांतिकारी, तारनहार एवं करुणानिधि के रूप में उभर कर लोकप्रिय हुए हैं।

संस्कृत और संस्कारों के सच्चे उन्नायक

अपने देश में ही मूल संस्कृत भाषा के साथ लगातार हो रहे सौतेले व्यवहार ने भी आपको काफी आहत किया है। आपके द्वारा संस्कृत स्कूल की स्थापना करने के पीछे भी मूलतः यही भावना रही है कि आने वाली पीढ़ी इस भाषा को फिर से अपनाकर प्राचीन गौरवशाली स्थान दिलाने के लिए एकजुट होकर प्रयास कर सके। पाश्चात्य संस्कृति और सभ्यता की अंधानुकरण प्रवृत्ति के चलते देश में जिस प्रकार का वैचारिक प्रदूषण फैल रहा है, आचार्यश्री का मन इससे अत्यधिक व्यथित है। इसलिए पूरे देश में भ्रमण कर लोगों को स्वाभिमान और स्वावलंबन के साथ जीने की प्रेरणा देते हैं। आपकी प्रेरणा का ही परिणाम है कि अनेक स्थानों पर युवाओं ने दुर्व्यसनों से बचने का संकल्प लिया है। यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि भौतिक तृष्णाओं की इच्छापूर्ति के इस अंधे दौर में आचार्य प्रवर संयम साधना में स्थिरप्रज्ञ बनकर जिस प्रभावोत्पादकता से धार्मिक संस्कारों का निर्माण कर रहे हैं, वह अनुकरणीय है। यही कारण है कि प्रयाग में सहस्त्राब्दी महाकुंभ के मेले में आपको 'जगद्गुरु' की उपाधि से अलंकृत किया गया।

स्वामीजी ने भी श्री माहेश्वरी टाईम्स को सराहा

रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज तक जब श्री माहेश्वरी टाईम्स पहुँची, तो इसकी सामग्री पढ़कर वे भी इसे सराहे बिना नहीं रहे। उन्होंने संस्कृति संरक्षण के श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रयास की विशेष रूप से सराहना की।

कई देशों का किया भ्रमण

आचार्यश्री ने नियमित एवं निरंतर रूप से रामस्नेही धर्म के प्रचार तथा चिकित्सा सेवा के लिए देश विदेश में प्रवास कर अथक परिश्रम से रामस्नेही विचारधारा को नए आयाम प्रदान किये हैं। आचार्यश्री ने सर्वप्रथम शुकताल से प्रारंभ कर चारों धाम बद्रीविशाल, रामेश्वरम, जगन्नाथपुरी तथा द्वारिका धाम एवं अन्य क्षेत्रों में विराट भागवत सप्ताह आयोजित कर प्राप्त अंशदान को रुग्ण जनमानस की सेवा हेतु समर्पित किया। इसके साथ ही आपने विदेश यात्राओं के माध्यम से सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, बैंकॉक, लंदन, पेरिस, स्विट्जरलैंड, स्कॉटलैंड आदि देशों में धर्म प्रचार का पुनीत कार्य किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय दिव्यातिदिव्य पूज्य श्री रामनिवास धाम, शाहपुरा(भीलवाड़ा) राज.

आध्यात्म से साम्प्रदायिक एकता का प्रतीक

रामस्नेही सम्प्रदाय

वैसे नाम से तो 'रामस्नेही' शब्द का अर्थ 'राम' से स्नेह रखने वाले निकलता है, लेकिन रामस्नेही सम्प्रदाय सिर्फ यहीं तक सिमटा हुआ नहीं है, बल्कि इस सम्प्रदाय ने तो हर जाति-धर्म के लोगों को 'राम के स्नेह' की डोर में बाँधकर एकता का एक अनूठा ही मार्ग दिखाया है।

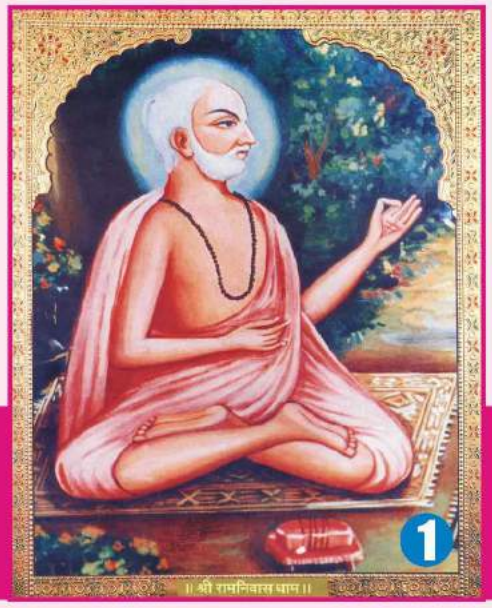

सनातन धर्म में आध्यात्म की कई धाराएँ हैं, जैसे शैव व वैष्णव आदि। ठीक इसी प्रकार की एक और धारा है, रामस्नेही सम्प्रदाय। इस सम्प्रदाय को मानने वालों के लिए 'रामनाम' से ऊपर कुछ नहीं है। वही इसके लिए मुक्ति का मार्ग है। यह नाम ही इनके लिए महामंत्र है और गुरु ईश्वर। वैष्णवों की तरह इस सम्प्रदाय के भी चार धाम हैं, जहाँ दर्शन करने से समस्त पापों का नाश होकर मुक्ति प्राप्त होती है। इस सम्प्रदाय की इसी सरलता व सहजता के कारण इससे सम्बद्ध होकर आध्यात्म पथ की यात्रा तय करने वालों में माहेश्वरी समाजजनों की भी एक बहुत बड़ी संख्या है।

स्वामी रामचरणजी थे प्रवर्तक

रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रवर्तक स्वामी रामचरणजी महाराज थे। स्वामी रामचरण जी का जन्म भीलवाड़ा जिले के ग्राम सोडा में 1776 में हुआ था। इनके गुरु का नाम कृपारामजी

श्री सनातन धर्मोद्धारक श्रीमद्वीतराग रामस्नेही सम्प्रदाय के पूज्य पादाचार्य
श्री स्वामीजी श्री 1008 श्री रामचरणजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1776 माघ सुदी-14 शनिवार - दीक्षा वि.सं. 1808 भादवा सुदी-7 गुरुवार
सम्प्रदाय प्रादुर्भाव वि.सं. 1817, ब्रह्मलीन वि.सं. 1855 बैशाख बदी-5 गुरुवार

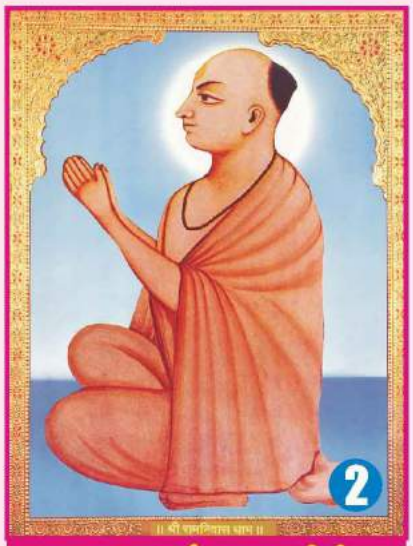

प्रथम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री रामजसजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1795 - दीक्षा वि.सं. 1824 -
गादी पदासीन वि.सं. 1855 बैशाख सुदी-2 -
ब्रह्मलीन वि.सं. 1867 आषाढ़ बदी-11

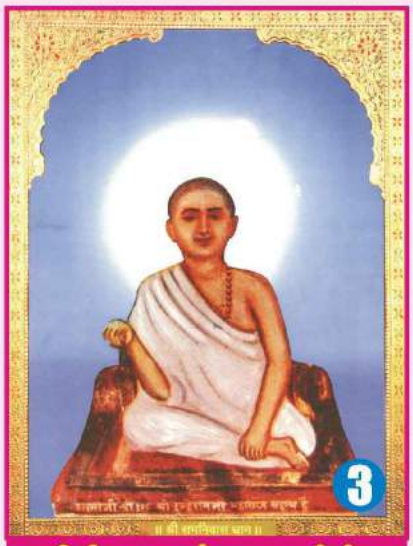

द्वितीय आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री दुल्हेरामजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1813 जेठ सुदी - दीक्षा वि.सं. 1833 माघ सुदी
गादी पदासीन वि.सं. 1817 बैशाख सुदी-8
ब्रह्मलीन वि.सं. 1881 आषाढ़ बुदी-10 मंगलवार

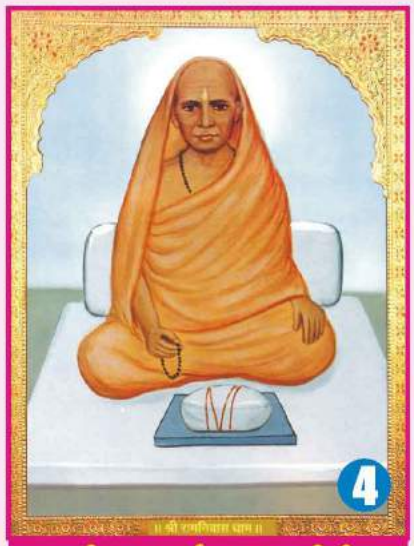

तृतीय आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री चत्रदासजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1809 - दीक्षा वि.सं. 1821
गादी पदासीन वि.सं. 1881 कार्तिक बदी-2 रविवार
ब्रह्मलीन वि.सं. 1887 माघ बदी-30 मंगलवार

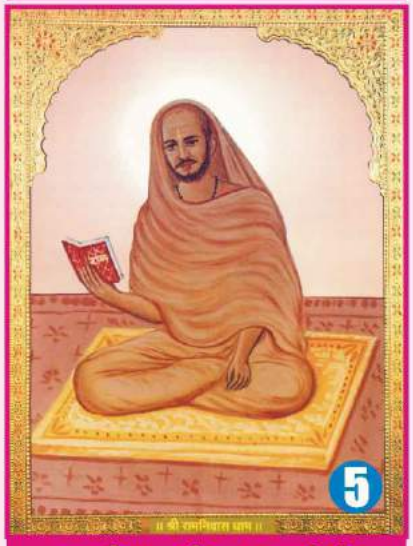

चतुर्थ आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री नारायणदासजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1853 - दीक्षा वि.सं. 1860
गादी पदासीन वि.सं. 1887 माघ सुदी-12
ब्रह्मलीन वि.सं. 1905 मागसर बदी-9 रविवार

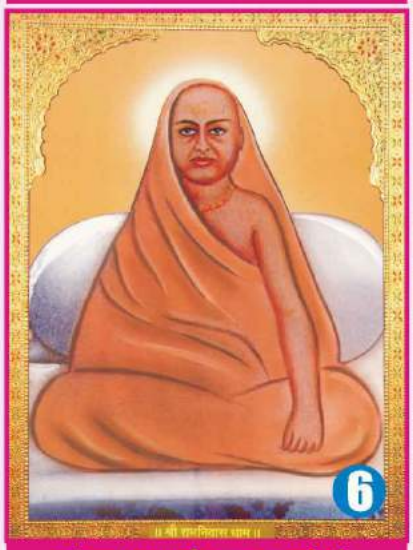

पंचम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री हरिदासजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1860 - दीक्षा वि.सं. 1872
गादी पदासीन वि.सं. 1905 मागसर सुदी-6
ब्रह्मलीन वि.सं. 1921 चैत्र सुदी-8

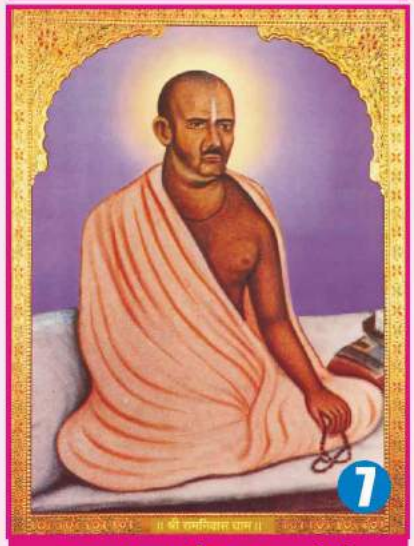

षष्ठम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री हिम्मतरामजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1883 आसोज बदी-14 - दीक्षा वि.सं. 1907
गादी पदासीन वि.सं. 1921 बैशाख बुदी-5
ब्रह्मलीन वि.सं. 1947 चैत्र सुदी-9 शनिवार

था। इन्होंने कठोर साधना करने के बाद अपने विचारों का प्रचार किया। उन्होंने गुरु को सर्वोपरि देवता मानते हुए कहा कि गुरु भक्ति के माध्यम से ही मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। भक्ति के समस्त साधनों एवं कर्मकांडों में इन्होंने राम के नाम को जपना ही सर्वश्रेष्ठ बतलाया तथा पुनर्जन्म के बंधनों से मुक्ति पाने का सर्वश्रेष्ठ साधन माना।

भगवत कृपा से हुआ था स्वामीजी का प्राकट्य

जयपुर राज्य में मानपुरा के निकट बनवाड़ा ग्राम में सौभाग्यमान श्री बखतरामजी विजयवर्गीय गौत्र कापड़ी अपनी धर्मपत्नी देऊजी सहित नितिमय वणिक व्यवसाय करके अपना जीवन निर्वाह करते थे। आप दोनों वैष्णव धर्म में अटूट श्रद्धा रखते थे। भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के लिए 'अतिथि देवो भवः' में विश्वास रखकर आप अतिथि सत्कार में सदैव तत्पर रहते थे तथा कथा कीर्तन हरि स्मरण में अपना समय व्यतीत करते थे। देवयोग से एक समय मध्याह्न में भोजनादि कार्य से निवृत्त होने के पश्चात इनके द्वार पर एक महान संत का आगमन हुआ। योगवश उस दिन भिक्षार्थ अतिथि के आतिथ्य के लिए उपयुक्त सामग्री घर में उपलब्ध नहीं थी। देऊजी ने सूखा सामान, आटा-दाल आदि के लिए महात्माजी से

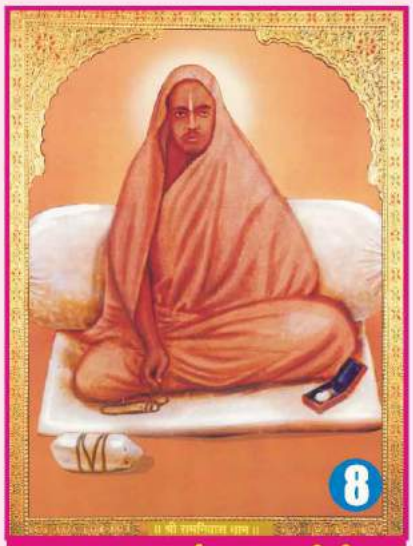

सप्तम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री दिलशुद्धरामजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1910 - दीक्षा वि.सं. 1915
गादी पदासीन वि.सं. 1947 बैशाख सुदी-6
ब्रह्मलीन वि.सं. 1953 आसोज सुदी-12 रविवार

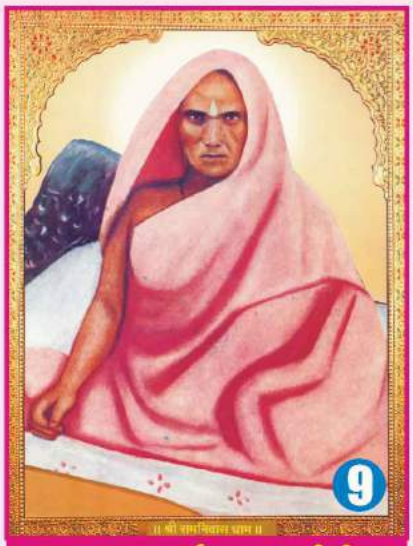

अष्ठम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री धर्मदासजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1906 कार्तिक बदी - दीक्षा वि.सं. 1918
गादी पदासीन वि.सं. 1953 कार्तिक बुदी-9
ब्रह्मलीन वि.सं. 1954 कार्तिक सुदी-5 शनिवार

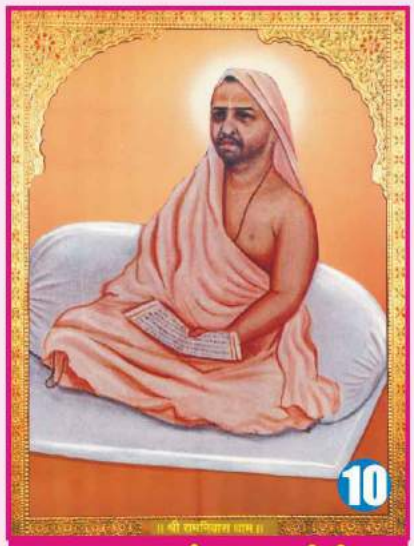

नवम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री दयारामजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1918 - दीक्षा वि.सं. 1929
गादी पदासीन वि.सं. 1954 मगसर सुदी-2
ब्रह्मलीन वि.सं. 1962 आषाढ़ सुदी-4 गुरुवार

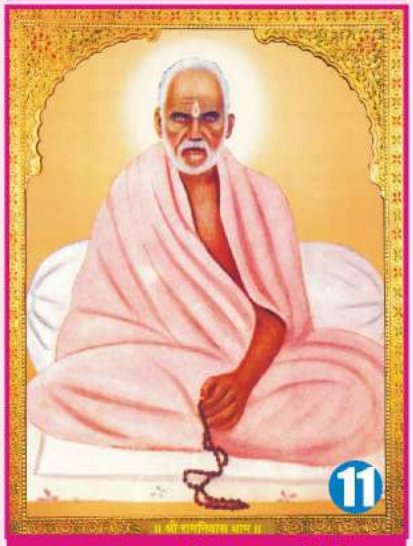

दशम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री जगरामदासजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1907 सुदी-4 - दीक्षा वि.सं. 1934 फाल्गुन बदी-7
गादी पदासीन वि.सं. 1962 कार्तिक बदी-5
ब्रह्मलीन वि.सं. 1967 चैत्र सुदी-13

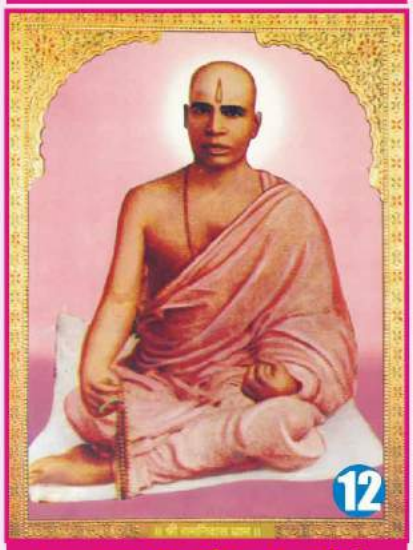

एकादशम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री निर्भयरामजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1943 चैत्र सुदी-13 - दीक्षा वि.सं. 1955 चैत्र बुदी-5
गादी पदासीन वि.सं. 1967 बैशाख सुदी-10
ब्रह्मलीन वि.सं. 2012 श्रावण सुदी-13 सोमवार

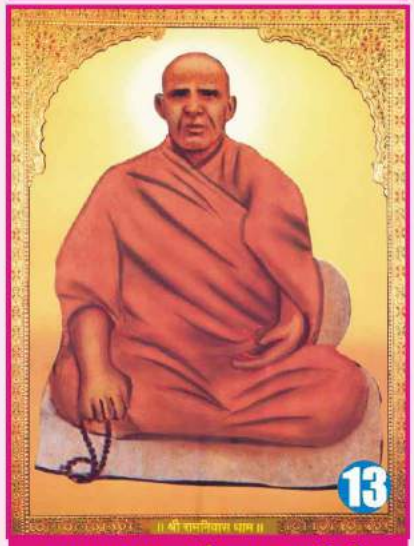

द्वादशम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री दर्शनरामजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1954 - दीक्षा वि.सं. 1961 आषाढ़ सुदी-11
गादी पदासीन वि.सं. 2012 कार्तिक बदी-5
ब्रह्मलीन वि.सं. 2035 कार्तिक बदी-1

विनती की, किंतु विरक्त संत होने के कारण वे हाथ से भोजन नहीं बनाते थे। संत ने कहा 'यदि कुछ भोजन तैयार, हो तो दे दें। नहीं तो कोई चिंता की बात नहीं। देऊजी ने अपने मन में विचार किया कि द्वार से महात्मा भूखे लौटें, यह एक सद्गृहस्थ के लिए लज्जा की नहीं अपितु महान दुःख की बात है। दादू पंथी श्री बाजिन्दजी की पंक्तियाँ उन्हें स्मरण हो गईं-

भूखा दुर्बल देख, मुख नहीं मोड़िये।
जो हरि आधी देय, तो आधी तोड़िये।
आधी की अधकोर, कोर की कोर रे।
परिहा बाजिन्दा अन्न सरीखा पुण्य, नहीं कोई ओर रे।।

माता देऊजी ने तत्काल महात्माजी से विनती कर उन्हें निकट ही रघुनाथ जी के मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा और निवेदन किया कि वह शीघ्र ही भोजन लेकर आती हैं, आप तब तक विश्राम करें। महात्माजी ने कहा जैसी तुम्हारी इच्छा और आप मंदिर में जा बैठे। अतिशीघ्र भोजन बनाकर ग्रीष्म की कड़कड़ाती धूप में नंगे पैर भोजन लेकर मंदिर में महात्माजी के पास पहुंची और भोजन करने के लिए कहा। महात्माजी ने अतिप्रेमपूर्वक भोजन करने के पश्चात देऊजी से कहा माता

आपने इस भयंकर गर्मी में कष्ट क्यों किया, जो स्वयं आईं। किसी बच्चे के साथ ही भोजन भिजवा देती। यह सुनकर माता के नेत्रों में आँसू भर गए। उन्हें पोंछकर बोली स्वामी हमारे भाग्य में बालक कहाँ? सरल हृदय के महात्मा ने कहा चिंता मत करो। ईश्वर दयालु हैं, दीन-बंधु हैं अवश्य दया करेंगे। इस प्रकार शुभ आशीर्वाद देकर एवं सांत्वना रखकर कुछ समय विश्राम कर महात्माजी अन्यत्र पधार गए। माता घर आईं सब वृत्तांत अपने पतिदेव को कह सुनाया। बख्तरामजी ने कहा ईश्वर की जैसी इच्छा होती है, वैसा ही होता है। किसी प्रकार की चिंता नहीं करना चाहिए। ईश्वर स्मरण करो। महात्माजी के वचन वरदान सिद्ध हुए और दस माह पश्चात ही विक्रम संवत् 1779 माघ शुक्ल चतुर्दशी शनिवार तदनुसार दिनांक 28 फरवरी सन् 1520 ई. को जयपुर राज्यान्तर्गत अपने ननिहाल सोडा नगर में स्वामीजी श्रीश्री 1008 श्री रामचरणजी महाराज का प्रादुर्भाव हुआ।

त्रयोदशम आचार्य पूज्य स्वामीजी
श्री 1008 श्री रामकिशोरजी महाराज
श्री राम निवास धाम, शाहपुरा
जन्म वि.सं. 1936 चैत्र सुदी-5 शनिवार - दीक्षा वि.सं. 1963 मगसर सुदी-11
गादी पदासीन वि.सं. 2016 चैत्र सुदी-8
ब्रह्मलीन वि.सं. 2050 पौष बुदी-11 शनिवार

सर्वधर्म समभाव का दिया संदेश

उन्होंने 'राम' शब्द का हिंदू-मुस्लिम की समन्वय की भावना का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि 'रा' शब्द तो स्वयं भगवान श्रीराम का प्रतीक है, जबकि 'म' शब्द मुहम्मद साहब का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन जीने वाला व्यक्ति भी कपट रहित साधना करते हुए मोक्ष प्राप्त कर सकता है। इसके लिए गृहस्थ जीवन का त्याग करना आवश्यक नहीं है। इसी धारा के विद्वान दरियावजी ने बताया है कि किस प्रकार व्यक्ति निरंतर राम नाम का जप कर ब्रह्म में लीन हो सकता है। संत दरियावजी ने समाज में प्रचलित आडम्बरों, रूढ़ियों एवं अंधविश्वासों का भी विरोध किया। उनका मानना था कि तीर्थ यात्रा, स्नान, जप, तप, व्रत, उपवास तथा हाथ में माला लेने मात्र से ब्रह्म को प्राप्त नहीं किया जा सकता। वे मूर्ति पूजा तथा वर्ण पूजा के घोर विरोध थे। उन्होंने कहा कि इन्द्रिय सुख दुःखदायी है। अतः लोगों को चाहिए कि वे राम नाम का स्मरण करते रहें।

रामस्नेही अर्थात मानवीय धर्म

साधारणजन को लोकभाषा में धर्म के प्रति मर्म की बात समझाकर एक सूत्र में पिरोने में इस संप्रदाय से जुड़े लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन संतों ने हिंदू-मुसलमान, जैन-वैष्णव, द्विज-शूद्र, सगुण-निर्गुण, भक्ति व योग के द्वंद को समाप्त कर एक ऐसे समन्वित सरल मानवीय धर्म की प्रतिष्ठापना की, जो सबके लिए सरल एवं ग्राह्य था। आगे चलकर मानवीय मूल्यों से सम्पन्न इसी धर्म को 'रामस्नेही सम्प्रदाय' की संज्ञा से अभिहित किया गया। वर्तमान में इस सम्प्रदाय के सैकड़ों प्रचारक संत हैं तथा जगद्गुरु स्वामीश्री रामदयालजी महाराज मुख्य आचार्य के रूप में मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। रामस्नेही सम्प्रदाय से सम्बद्ध होने में वैराग्य लेने की आवश्यकता नहीं होती। बल्कि गृहस्थ भी इसे अपना सकते हैं। इसी विशेषज्ञता के कारण इस सम्प्रदाय में दीक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। वर्तमान में देश-विदेश में यह संख्या लाखों में है।

श्रीरामजी राम को लड्ढा परिवार का राम-राम

रामरतन लड्ढा

विशाल लड्ढा

संजय लड्ढा

Ramratan & Co.
Ramratan & Sons
Priya International
Ramratan Laddha

CANVASSING AGENT - GRAIN, PULSES, OIL SEEDS & CHAKKI ATTA

Near Canara Bank, Daulatganj, UJJAIN (M.P.) 456001
Phone : (O) 0734-2550896, 2554964, 2557251, 2556751, 4010700, 3298964, (Res.) 2515718,
Mobile : 94250 91751 (S), 94259-17891 (V), 93016 26181 (R), **E-mail :** vishalladdha111@gmail.com

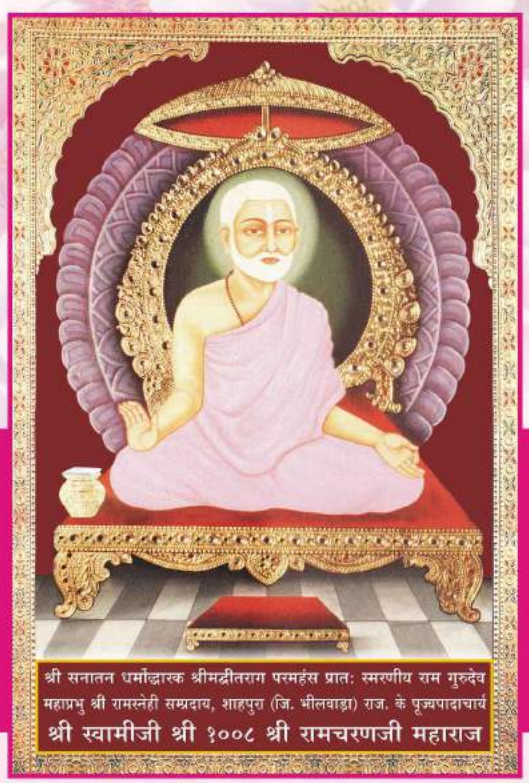
श्री सनातन धर्मोद्धारक श्रीमद्वीतराग परमहंस प्रातः स्मरणीय राम गुरुदेव महाप्रभु श्री रामस्नेही सम्प्रदाय, शाहपुरा (जि. भीलवाड़ा) राज. के पूज्यपादाचार्य श्री स्वामीजी श्री १००८ श्री रामचरणजी महाराज

जिस प्रकार वैष्णव धर्म के चार तीर्थ चार धाम के नाम से माने जाते हैं, जैसे जगन्नाथपुरी, बद्रीनाथ, द्वारिका पुरी तथा रामेश्वरम्। उसी प्रकार रामस्नेही सम्प्रदाय के भी चारधाम हैं। ये चारधाम हैं रामद्वारा सोडा, रामद्वारा बनवाड़ा, रामद्वारा भीलवाड़ा व रामद्वारा शाहपुरा।

रामस्नेही सम्प्रदाय के चारधाम

रामद्वारा सोडा

सोडा स्वामीजी श्री रामचरणजी महाप्रभु का ननिहाल था। माघ सुदी 14 विसं 1776 शनिवार को माता देऊबाई की कोख से महाप्रभु का प्राकट्य सोडा ग्राम में हुआ था। विसं 2008 में सम्प्रदाय के 11वें आचार्य स्वामीजी श्री निर्भयरामजी महाराज का चातुर्मास हुआ। उस समय प्राकट्य स्थल पर संगमरमर का फर्श व छतरी बनवाई गई। 13वें आचार्य स्वामीजी श्रीरामकिशोरजी महाराज के समय भी रामद्वारे का जीर्णोद्धार करवाया गया। वर्तमान आचार्यश्री 1008 श्री जगतगुरु स्वामीजी श्री रामदयालजी महाराज के सान्निध्य में भी मूल स्थान को छोड़कर शेष रामद्वारे का कार्य भव्य रूप से करवाया गया है। अवतार भूमि के आस-पास की भूमि को क्रय करके भव्य सत्संग हॉल, आचार्य निवास, संत निवास व भक्त निवास का निर्माण करवाया गया है। यहाँ पर प्रतिदिन वाणीजी का अखंड पाठ चलता है। वर्तमान समय में महाप्रभु रामचरण शिक्षण संस्थान के अंतर्गत विद्यालय भी संचालित किया जा रहा है, जहाँ 400 विद्यार्थी शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। यहां प्रतिवर्ष जयंती उत्सव मनाया जाता है। माघ शुक्ल 13 को जागरण एवं 14 को स्वामीजी महाराज की वाणीजी का जुलूस निकाला जाता है। पूरे वर्ष दूर-दूर से भक्तजन दर्शनार्थ यहाँ आते हैं। स्वामीजी श्री रामचरण महाप्रभु का प्राकट्य स्थल सोडा ग्राम मालपुरा से 25 किमी डिग्गी कल्याणजी से 10 किमी तथा जयपुर से 80 किमी की दूरी पर स्थित है।

रामद्वारा बनवाड़ा

ग्राम बनवाड़ा ब्रह्मस्वरूप प्रातः स्मरणीय परम बीतराग पूज्यपाद रामस्नेही सम्प्रदाय के मूल प्रवर्तक आद्याचर्य स्वामीजी श्री श्री 1008 श्रीरामचरण जी महाराज के गृहस्थाश्रम का मूल निवास स्थान है। यह स्थान सोडा से 30 किमी दूर पूर्व में स्थित है। यह ग्राम राजस्थान निर्माण से पूर्व जयपुर राज्य के अधीनस्थ था। वर्तमान में यह जिला टोंक राजस्थान में है, जो मालपुरा से 25 किमी की दूरी पर स्थित है। महाप्रभु का बचपन, शिक्षा एवं निर्वाह बनवाड़ा में ही सम्पन्न हुआ। आपके पिता श्री बख्तरामजी कापड़ी गाँव के सम्पन्न व्यक्ति थे। बनवाड़ा में श्री महाराज द्वारा नीम की डाली से दातुन करके वहीं गाड़ देने पर वो ही डाली नीम का विशाल वृक्ष बन गई। कालांतर में नीम का वृक्ष गिर गया तथा भक्तजनों ने वहीं पर एक कच्चा चबूतरा बनाकर पूजन वंदन शुरू कर दिया। इस परम पवित्र भूमि पर संत विनतीरामजी ने दयारामजी महाराज की असीम कृपा एवं जनता जनार्दन के सहयोग से फाल्गुन शुक्ल संवत 2024 को रामद्वारा भवन की नींव लगवाकर कार्य शुरू किया। इस रामद्वारा भवन में छोटे-बड़े आठ कमरे एक हॉल व एक

बरामदा बाहर है। हॉल के सामने की दीवार के बीचोंबीच नीम के वृक्ष के चबूतरे के स्थान पर संगमरमर की चँवरी (छतरी) बनाई गई। जिसमें स्वामीजी महाराज का चार फीट ऊँचा व तीन फीट चौड़ा सुंदर चित्र स्वरूप विराजमान है।

इस परम पवित्र भूमि बनवाड़ा में नवनिर्मित रामद्वारा भवन के उद्घाटन हेतु अंतरराष्ट्रीय अखिल भारतीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रधान पीठाधिपति शाहपुरा राजस्थान के परमपूज्य महागरिमामय आचार्य जगद्गुरु स्वामीजी श्रीश्री 1008 श्री रामकिशोरजी महाराज, परम पावन संत समाज सहित मिती फाल्गुन कृष्ण 8 रविवार सम्वत् 2032 दिनांक 22-2-2076 को पधारे तथा उद्घाटन सम्पन्न किया। बनवाड़ा रामद्वारे में प्रतिवर्ष जयंती महोत्सव पर जागरण एवं पूर्णिमा को प्रातःकाल श्री वाणीजी का जुलूस निकाला जाता है। वर्तमान समय में यहां पर एक विद्यालय भी संचालित किया जाता है।

भीलवाड़ा रामद्वारा

मियाचंदजी की बावड़ी पर विक्रम संवत् 1820 में श्री महाराज की वाणी का उद्गम हुआ। अनेका भक्तजन आने लगे तब विसं 1822 में सभी रामस्नेहियों ने मिलकर 12 बीघा जमीन मोल ली तथा देवकरणजी तोषनीवाल ने रामद्वारे का निर्माण करवाया। इसमें रामद्वारे का परकोटा व विशाल बावड़ी का निर्माण करवाया गया। रामद्वारे के उद्घाटन का खर्च नवलराम मंत्री ने वहन किया। रामद्वारे में मुख्य दर्शनीय स्थल बारहदरी में उत्तर दिशा में श्री महाराज के विराजने का आसन (चबूतरी), दक्षिण में जल भंडार एवं ऊपर श्री महाराज एवं आचार्यों का निवास बनाया गया। बारहदरी के सामने (सभा मंडप) सुख सदन का निर्माण जगद्गुरु स्वामीजी श्री जगरामदासजी के द्वारा करवाया गया और उसके आगे सभी मंडप का निर्माण जगद्गुरु स्वामीजी श्री रामकिशोरजी महाराज के समय करवाया गया।

वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामीजी श्री जगद्गुरु श्री श्री 1008 श्रीरामदयाल जी महाराज के कार्यकाल में एवं निर्देश में रामद्वारे का पूर्ण जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जिसमें बारहदरी के मूल स्वरूप को ज्यों-का-त्यों रखते हुए भव्य सभा मंडप का निर्माण करवाया गया है। संत निवास को नया स्वरूप प्रदान किया गया है तथा बावड़ी का भी जीर्णोद्धार किया गया है। दूसरी मंजिल पर वर्तमान आचार्य का निवास बनाया गया है। नवनिर्मित सभी मंडप में हजारों लोग बैठकर प्रवचन का लाभ ले सकते हैं तथा भजनान्दी भक्तों के लिए भजन करने का विस्तृत स्थान है। इस भव्य सभा मंडप में ही राम-नाम लिखी हुई सैकड़ों पुस्तिकाओं के ऊपर छतरी का निर्माण किया गया है। जहाँ पर घृत दीपक अखंड रूप से सतत् जलता रहता है, जो जन-जन को विशेष ऊर्जा प्रदान करने वाला है।

यहीं पर रामस्नेही चिकित्सालय संचालित है। इसका शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के वर्तमान पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री 1008 श्री रामदयालजी महाराज ने 25 अप्रैल 2000 को स्वयं के कर कमलों से कर पीड़ित मानव को श्रेष्ठ उपचार अत्यंत ही उचित एवं सेवा दरों पर उपलब्ध करवाने के अपने संकल्प को मूर्तरूप दिया था। आज भी यह निर्धन एवं असहाय रोगियों का एकमात्र सहारा बना हुआ है। रामस्नेही चिकित्सालय आज न केवल भीलवाड़ा और राजस्थान बल्कि सम्पूर्ण देश में अपने सेवाभावी क्रियाकलापों से ख्याति प्राप्त है। धानमंडी में राममेडिया स्थित है। जहां पर आज भी प्रतिवर्ष फूल डोल का जागरण होता है।

रामस्नेही सम्प्रदाय के 9 नियम

1. सत-चित आनंद स्वरूप सर्वव्यापी राम इष्ट रखना। श्रद्धा के साथ नित्यप्रति नियमित रूप से राम मंत्र का स्मरण प्रातः-सायं 1 या 2 घंटे नित्य करना। श्री राम महाराज में पूर्ण विश्वास, अटल भक्ति रखें और ऐहिक तथा पौराणिक सब सुखों का साधन राम स्मरण को ही समझें।
2. श्रुति, स्मृति, गुरुवाणी, गीता आदि आर्ष ग्रंथों का सदा नियमित रूप से स्वाध्याय करें और इन्हीं ग्रंथों को प्रमाण भूत मानकर तदनुसार आचरण रखें। सदा स्नान, ध्यान और आचार्यवाणी का पाठ तथा वाणी की पुस्तक को पीठासन पर रखकर प्रातः-सायं प्रार्थना, साष्टांग दंडवत् एवं प्रदक्षिणा और प्रणाम करें।
3. राम, गुरु, संत इन तीनों की एकांत उपासना करें और इनमें अनन्य भक्ति रखना, सदा सत्संगति में प्रीति रखें।
4. शील, संतोष, दया का पालन व ब्रह्मचर्य का व्रत रखें। काम, क्रोध, अभिमान, परनिंदा का सर्वथा परित्याग करें।
5. सात्विक वेषभूषा रखना, शृंगार प्रधान अश्लील साहित्य का नहीं पढ़ना। गाली गलौच आदि हीन भाषा का प्रयोग नहीं करना। स्त्रियों के साथ बेहूदा हंसी मजाक आदि हीन वृत्तियों का त्याग करना।
6. व्यसन जैसे मद्य, माँस, अफीम, भाँग, तंबाकू, वैश्यागमन, परदारा व्यभिचार, चोरी आदि का पूर्ण परित्याग करना।
7. मजबूत गाढ़े कपड़े से छानकर जल का व्यवहार करना। बने जहाँ तक दिवा भोजी होना यदि यह संभव नहीं हो तो चातुर्मास में अवश्य ही चार मास रात्रि भोजन का निषेध करना।
8. सत्य और मितभाषी होना। अपनी शक्ति के अनुसार परोपकार करते रहना और दीन-हीन की सहायता करना।
9. अन्य तुच्छ देवों की उपासना का त्याग करना और सब तरह के मन्तव्य एवं वाग्दान (बोलवा) केवल श्रीराम के प्रति ही करना।

पूज्य गुदड़ीजी (काली कम्बल)

सम्प्रदाय का विशिष्ट पर्व फूलडोल उत्सव

अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के संस्थापक परमवीतरागी विरक्त चूड़ामणि स्वामी रामचरण महाप्रभु को पौराणिक होलिका दहन की कथा के पात्र भक्त प्रहलाद का अवतार माना है। इसीलिए होली पर फूलडोलोत्सव आपके समय से ही भीलवाड़ा से प्रारंभ किया गया। यहाँ रात्रि भर जागरण (रामभक्त होलिका दहन नहीं देखते हैं) करते हैं व सुबह गुरु महाराज के दर्शन करके भक्त प्रहलाद का जीवन चरित्र सुनते हैं। जिसमें राम शब्द की महिमा बताई गई है। वि.सं. 1822 के फाल्गुन के अंत में महाप्रभु से प्रार्थना करके निर्गुण तरीके से फूलडोल उत्सव मनाना शुरू किया गया। रात्रि जागरण व प्रातः भक्त प्रहलाद की जीवन गाथा का उपदेश सुना। वहीं से यह पर्व निर्बाधित रूप से मनाया जा रहा है व मनाते रहेंगे।

फूलडोल में थाल परंपरा

राजा भीमसिंहजी के समय एक बार नवलरामजी की सुपुत्री स्वरूपाबाई ने अनेक महिलाओं के सहयोग से 398 प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए। इसमें प्रमुख रूप से तीन प्रकार के सत्तू के लड्डू, तीन रंग के घेवर, तीन रंग के पतासे, तीन प्रकार के शक्कर पारे, एक थाल में शक्कर से बने हुए महल-मालिए, हाथी घोड़े आदि थालों में रखकर रूमाल से ढंककर चंवर मोरछल करते हुए जुलूस बनाकर गाजे बाजे सहित भजन गाते हुए श्री महाराज की सेवा में उपस्थित हुए। श्री महाराज ने अल्प सा प्रसाद ग्रहण कर समस्त थालों को श्री कुशलराम जी को संभला दिये। उसी समय से यह थाल के जुलूस की परंपरा अद्यावधि चली आ रही है। यह छारंडी से पंचमी तक होता है। वीतराग महाराज के समय से ही परम्परानुसार एक थाल में पांच पतासे लेकर एक कांच के पात्र में श्री महाराज के भोग के लिए रख देते हैं। बचे हुए प्रसाद का चूरा करके संतों की पंगत में चला देते हैं।

सरावगी ही क्यों करते हैं वाणीजी धारण

बिसानिया ग्राम के झाँझरी गौत्र के नाथूजी सरावगी के तीन पुत्र राहु, शंभू एवं कुशाल देवयोग से व्यापार हेतु शाहपुरा आये। यहाँ स्वामीजी के प्रवचन सुने। प्रवचनों का जादू सा ऐसा प्रभाव हुआ कि पूरा परिवार ही कट्टर रामस्नेही बन गया। इससे सरावगी समाज इनसे नाराज हो गया। परिणाम यह हुआ कि इनको समाज ने बहिष्कृत कर दिया। इनके समाज ने सोचा कि इनकी जवान लड़कियाँ हैं। समाज से बहिष्कृत करने पर इनकी लड़कियाँ से विवाह कौन करेगा? इस भय से ये पुनः जैन धर्म के अनुयायी हो जावेंगे। लेकिन ये लोग अपनी दृढ़ता से तनिक भी विचलित नहीं हुए। इनके निश्चय के सामने पूरे समाज का प्रयत्न विफल रहा। रामस्नेही भाइयों ने भी इनकी कट्टरता और दृढ़ता को देखकर अपनी पुत्रियों की शादी रामस्नेही परिवार में ही करने का निर्णय ले लिया। साथ ही यह भी निर्णय लिया कि हम पृथक से रामस्नेही समाज बना लेंगे। जिससे परस्पर विवाह होते रहेंगे। सरावगी परिवार की इस दृढ़ता को देखते हुए रामस्नेही सम्प्रदाय द्वारा फूल डोल चल समारोह के दौरान वाणीजी की पुस्तक को मस्तक पर रखने का गौरव इस परिवार को प्रदान किया गया है।

गुरुदेव के आशीर्वाद से सब शुभ

*शाहपुरा में 75 वर्षों से उज्जैन के लड्ढा परिवार की ओर से चातुर्मास के दौरान प्रसादी चल रही है। लड्ढा परिवार के वरिष्ठ सदस्य व **उज्जैन के प्रतिष्ठित व्यवसायी रामकिशन लड्ढा** बताते हैं कि उनके परिवार का रामस्नेही सम्प्रदाय से जुड़ाव उनके दादाजी के समय से है। तब चंद्रावतीगंज में दादाजी व्यवसाय करते थे और आचार्य निर्भयरामजी वहाँ आमंत्रित थे। उस समय चातुर्मास के दौरान श्रद्धालुओं ने भी प्रथम बार वहीं प्रसादी ग्रहण की और फिर यह परंपरा बन गई। आचार्यश्री के आशीर्वाद से उनके कई असंभव से कार्य भी संभव हो गए।*

भीलवाड़ा के तीर्थ स्थल

मियाचंद्र जी की बावड़ी

"संवत् 18 से ही सही ऊपर 22 और देवकरण जी हरक से रची भजन हित ठोर।

वीतराग मुनिराजवी ब्यानधारा इस ठाम उरी अष्ठवी जान यह पूनी पंचम निज धाम।।"

विक्रम संवत् 1817 में जगद्गुरु स्वामी रामचरण महाप्रभु भ्रमण करते हुए भीलवाड़ा पधारे। नगर के बाहर स्थित मियाचंदजी की बावड़ी को भजन के लिए उपयुक्त स्थान समझकर यहां भजन शुरू कर दिये। यही वो स्थान है जहां सर्वप्रथम श्री देवकरण तोषनीवाल ने महाप्रभु के दर्शन कर उनकी शिष्यता अपने मित्रों श्री कुशालराम बिड़ला एवं श्री नकलराम मंत्री सहित स्वीकार की थी। आगे चलकर संत सीतारामदास जी ने भी यहां पर भजन किये। महाप्रभु की तपस्या के प्रभाव व सीतादासजी की प्रेरणा से इस कलिकाल में भी यहां पर 'हरे राम हरे राम राम राम हरे-हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे-हरे' का अखंड कीर्तन होता है। यह कीर्तन विगत कई वर्षों से सतत चल रहा है।

कुहाड़ा धाम

भीलवाड़ा से 5 किमी उत्तर दिशा में कोठारी नदी के किनारे पर स्थित कुहाड़ा ग्राम के बाहर यह सिद्धशिला स्थित है। स्वामी रामचरण जी महाप्रभु वि.सं. 1824 में यहां पधारे। यहाँ नदी का एकांत तट, सघन वट वृक्ष और स्वच्छ शिला है, जिस पर विराजकर महाप्रभु ने भजन किया। भीलवाड़ा के अनेक शिष्य महाप्रभु के दर्शन करने यहाँ आते थे। आज भी अनेकानेक भक्तजन इस सिद्ध शिला के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बनाते हैं एवं मनोवांछित फल की प्राप्ति करते हैं।

एक बार वर्षा ऋतु में अतिवृष्टि से कोठारी नदी में इतना जल आया कि सिद्ध शिला जहाँ महाप्रभु भजन में लीन थे, के ऊपर पानी पहुँच गया। श्री महाराज ध्यानवस्था में थे, वे भी जलमग्न हो गए। लगभग सात दिवस तक यही स्थिति बनी रही परंतु यहाँ प्रभु की हांडी जल पर तैरती रही। शिष्यगणों व भक्त लोगों ने सात दिन तक भोजन नहीं किया। जल उतरने पर आठवें दिन श्री महाराज के दर्शन कर भोजन किया। शिष्यों की अटूट श्रद्धा देखकर श्री महाराज ने फरमाया की मेरी अनुपस्थिति में वाणी जी व साधु-संत समाधि स्थल के दर्शन करके ही भोजन कर लिया करो।

रामचरण पूरा पद मिलीया राम नाम साध।
तीन चिह्न पीछे रहया वाणी साध समाध।।

"गैबी चले तो कुहाड़े जाइये...। यह श्री महाराज का प्रसिद्ध भजन है।

वर्तमान यहां पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीश्री 1008 श्री स्वामीजी श्री रामदयालजी महाराज के सान्निध्य एवं दिशा निर्देशन में भव्य एवं सुंदर उद्यान लगाया गया। जहाँ बैठकर भजनांदी भजन करने का आनंद ले सकते हैं। पुरानी छतरी को भव्य रूप देकर शिक्षाजी की पुनर्स्थापना की गई। साथ ही विशाल बारहदरी संत निवास एवं सभा भवन, आचार्य निवास, भक्त निवास का निर्माण करवाया गया है।

श्री राम निवास धाम (शाहपुरा)

राम निवास धाम नाम से ही स्पष्ट होता है कि जहां राम का निवास हो वो धाम, वह स्थान। इसी से तन-मन एवं आत्मा आल्हादित हो उठती है। वस्तुतः अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा का प्रमुख पीठ स्थल अपने आप में अनूठा एवं बेजोड़ है। यहाँ स्वामीजी श्री रामचरण जी महाप्रभु की तपस्या के फलस्वरूप चारों ओर फैला शांत, आध्यात्मिक, राम मय वातावरण व्यक्ति को इस आपाधापी वाली दुनिया से कहीं और ही ले जाता है। सम्वत् 1826 में श्री महाराज के शाहपुरा पधारने के पश्चात यह स्थल जन-जन की आस्था का केंद्र बन गया। वि.सं. 1855 श्री महाराज के ब्रह्मलीन होने पर उनकी समाधि के रूप में चार मंजिला श्रीराम निवास बैकुंठ धाम बनाया गया, जो धरा पर बैकुंठ सदृश्य ही है। इस धाम की स्थापत्य कला अद्भुत है। इस स्थान पर वर्ष-पर्यंत राम नाम की बहार व सत्संग की गंगा प्रवाहित होती रहती है।

इस परिसर में पूज्य स्तंभजी, बारहदरी आदि अनेक दर्शनीय एवं पूजनीय स्थल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए यहाँ लगभग 100 कमरे एवं 5 हॉल पूर्ण सुविधायुक्त ढंग से बने हुए हैं। प्रतिवर्ष लाखों दर्शनार्थी यहाँ श्रद्धा सुमन चढ़ाने आते हैं।

श्रीरामनिवास धाम शाहपुरा-भीलवाड़ा, देवली केकड़ी एवं विजयनगर से लगभग 50 किमी क्रमशः उत्तर पश्चिम, दक्षिण एवं पूर्व दिशा में स्थित है। निकटस्थ रेलवे स्टेशन भीलवाड़ा व विजयनगर है। निकटस्थ हवाई अड्डा उदयपुर (220 किमी) एवं जयपुर (185 किमी) है।

वर्तमानपीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीश्री 1008 श्री स्वामीजी श्रीरामदयाल महाराज के कार्यकाल में श्रीराम निवास धाम के सामने सुंदर उद्यान लगाया गया, जहां हरी-भरी दूब एवं पेड़ पौधों की छटा देखते ही बनती है, जो स्पष्ट रूप से वैकुंठ को इंगित करती हैं। साथ ही सभी महत्वपूर्ण स्थानों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ छत्र महल, सूरज पोल, लाल चौक एवं कँवर पदा की छतरी, समाधियाँ आदि सभी स्थानों का जीर्णोद्धार करवा नया स्वरूप प्रदान किया गया है।

शाहपुरा के प्रमुख तीर्थ स्थल

महाप्रभु की तपो स्थली (राजा भारतसिंहजी की छतरी)

वि.सं. 1826 में शाहपुरा के तत्कालीन नरेश के नम्र निवेदन पर स्वामीजी श्री रामचरण जी महाप्रभु शाहपुरा पधारे। पूरा नगर महाप्रभु के दर्शनार्थ पलक-पावड़े बिछाकर खड़ा था। राजाजी ने आपके लिए महलों में ठहरने का प्रबंधन किया। महाप्रभु ने उनके आग्रह को नहीं स्वीकारते हुए शाहपुरा नगर के दक्षिण में राजाओं के श्मशाम में स्थित राजा भारत सिंह जी की छतरी को अपने भजन हेतु उचित मानकर अपना आसन वहीं लगाया। महाप्रभु के साथ उस समय 16 शिष्य थे। श्री महाराज पूरे चातुर्मास यहां पर विराजे। सम्वत् 1831 तक फूल डोल उत्सव भी यहीं पर होता था, वर्षा, सर्दी आदि से बचने के लिए चारों तरफ कड़प की रस्सियाँ बाँध दी जाती थीं।

आसन की छतरी (राजा रणसिंह जी की छतरी)

वि.सं. 1831 में राजा रणसिंह जी का देहावसान हो जाने पर एक विशाल छतरी का निर्माण करवाया गया। जिज्ञासु जनों की बढ़ती संख्या एवं शिष्यों की वृद्धि के कारण महाप्रभु का आसन उस छतरी में किया गया। वर्तमान में भी यहाँ चबूतरी बनी हुई है। यहाँ पर महाप्रभु विसं 1847 तक बिराजे। स्वामीजी श्री रामचरण जी महाप्रभु के ब्रह्मलीन होने के पश्चात प्रथम आचार्य स्वामीजी श्री रामजन जी बीतराग महाराज की गादी नशीनी यहीं हुई। उसके पश्चात सम्प्रदाय एवं संत समाज से संबंधित न्यायिक प्रक्रिया यहीं पर सम्पन्न की जाती रही है। फलस्वरूप इसे न्याय मंदिर भी कहा जाता है। यहीं पर नवीन आचार्यश्री को सम्पूर्ण अधिकार प्रदान किये जाते हैं।

श्री भंडार (राजावत जी की छतरी)

राजाधिराज रणसिंह जी की धर्मपत्नी श्रीमती कुंदनाबाई राजावत ने श्री महाराज से मंत्र दीक्षा ली। श्री महाराज की असीम कृपा से उनके मन में यह प्रेरणा उत्पन्न हुई कि मेरे जीते जी ही मेरी जीवंत छतरी में श्री महाराज को विराजमान करूँ। यह सोचते हुए अपने नाखुन काटकर श्री महाराज को छतरी में पधाराया। श्री महाराज ने अपना पंचभौतिक शरीर इस छतरी में त्यागा। यह छतरी सम्प्रदाय के प्रमुख भंडार (श्री भंडार) के रूप में विख्यात है। यहाँ पर फूल डोल के समय कंबल जी महाराज विराजमान होते हैं। आज तक सभी आचार्य यहीं ब्रह्मलीन होते रहे हैं।

पूज्य स्तंभजी

स्वामीजी श्री रामचरण जी महाप्रभु बैशाख कृष्ण पंचमी गुरुवार सं. 1855 तदर्थ दिनांक 12.2.1723 को ब्रह्मलीन हुए। जहाँ उनकी पार्थिव देह का अग्नि संस्कार किया गया। उसी स्थल पर अष्टकोणीय समाधि स्तम्भ का निर्माण भी किया गया। यह प्रमुख श्रद्धा स्थल है। इसके चारों ओर चार दरवाजे एवं दो परिक्रमा हैं। जहाँ बैठकर संत एवं भक्त जन भजन करते हैं। यहां पर अद्भुत शांति का अनुभव होता है। यहाँ पर प्रतिवर्ष अनेकानेक भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु लच्छा बाँधते हैं एवं उनकी मनोकामना श्री महाराज की कृपा से पूरी होती है।

बारहदरी

नीचे की मंजिल का कार्य पूर्ण होने के बाद बारहदरी का कार्य शुरू किया गया। इसमें फूल आदि कुराईदार स्तम्भ लगाए गए। जिनका पत्थर इतना सुंदर एवं श्रेष्ठ है कि कांच की भांति चमकता है। इस बारहदरी में 12 खंभे तथा 12 ही दरवाजे हैं। इसके पश्चिमी खंभे पर शिलालेख है। इस बारहदरी के तीन परिक्रमा पथ हैं। दो परिक्रमा सहित बारहदरी में एक सौ आठ स्तंभ हैं, जिसके चारों तरफ कठेड़ा लगा हुआ है। सूरज पोल दरवाजे पर अतिशोभायमान झरोखा बना हुआ है। बारहदरी के पूर्वी भाग में सुंदर छतरियाँ बनी हुई हैं। पत्थरों में प्राकृतिक रूप से रकार, मकार, तुम्दी, तिलक, कण्ठी आदि चिह्न बने हुए हैं। बारहदरी में पूरे वर्ष श्री वाणीजी का पाठ, भजन एवं सत्संग होता है। फूल डोल के अवसर पर यहां दिनभर सत्संग होता है। आचार्यश्री के चातुर्मास का निर्णय भी यहीं होता है। प्रातः से सायंकाल सम्पूर्ण वर्ष रामधुनी होती है।

श्री पूज्य स्तम्भजी दर्शन

छत्र महल

श्री रामनिवास बैकुंठ के तीसरे खंड में बारहदरी के ऊपर छत्र महल बना हुआ है। इसमें 25 घुमटी जिन पर 47 कलश, जिसमें 124 खंभे हैं। सात प्रकार के सात झरोखे बनाए हुए हैं। चारों दिशाओं में चार छतरियाँ स्थित हैं। छत्र महल पर एक चौथा खंड भी बनाया गया है, जिसकी जानकारी किसी को नहीं है। उसमें वाणीजी महाराज विराजमान हैं। पूरे चार खंडों का दृश्य अद्भुत विशाल जहाज या पुष्पक विमान की तरह से प्रतीत होता है।

सूरजपोल

श्री रामनिवास धाम का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्व दिशा में बना हुआ है, जो सूरज पोल नाम से विख्यात है। इस प्रकार अति सुंदर शोभायुक्त झरोखा बना हुआ है, जिसकी तीन छतरियों पर पांच कलश हैं। दूसरे दोनों ओर श्याम रंग के पत्थर की छतरियाँ हैं। इन छतरियों के साथ ही उत्तर-दिशा में दो कबाणियों तीन-तीन कलशों के सफेद पत्थर के बने हुए अति छटा युक्त हैं। इस प्रवेश द्वार में प्रवेश करने पर दोनों ओर सवा छह फीट चौड़ी नाल बनी हुई है, इसमें 13-13 सीढ़ियाँ हैं। आचार्यश्री दक्षिण की नाल के ही पत्थर में हैं। आचार्यश्री के ब्रह्मलीन होने पर उनका विमान उत्तर की नाल से उतारा जाता है। सूरज पोल के बाहर संत एवं गृहस्थ अनुयायी अपने प्रियजनों की अस्थियाँ गाड़ते हैं, जो कि कुछ समय बाद अदृश्य हो जाती हैं। सूरज पोल में ही गंगाजी का वास माना जाता है। उत्तर की नाल में श्री देवकरण तोषनीवाल की समाधि है।

लाल चौक एवं कंवर पदा की छतरी

श्री राम निवास धाम के उत्तर में श्री भंडार के दाँयी तरफ एवं आसन की छतरी के सम्मुख विशाल चौक लाल चौक के नाम से प्रख्यात है। लाल पत्थर एवं चारों ओर लाल दीवारें, जिस पर चित्रकारी की हुई है। स्वामीजी श्री नारायणदासजी महाराज के समय इसका निर्माण हुआ। इसके बीचों-बीच कंवर पदा की छतरी बनी हुई है। इस छतरी में नये आचार्य श्री बनने पर उन्हें यहाँ लाकर उनका क्षौर कर्म किया जाता है। यहीं पर स्नान धारण करवाते हैं। एवं यहीं से राजा तथा गणमान्य व्यक्ति हस्त कमल पकड़कर नवीन आचार्यश्री के गादी पर पधराते हैं। पूरे वर्ष बच्चों के झडूले (मुंडन संस्कार) यहीं पर उतारे जाते हैं।

भंडारीजी की छतरी

सांगरिया के ठाकुरों की महासतीजी की छतरी में सम्प्रदाय के भंडारी का आसन रहता है। इसे भंडारीजी की छतरी के नाम से जानते हैं। इसके पास की धूप खिड़की है, जो सूरज पोल के बंद होने पर राम निवास में आने जाने का प्रमुख द्वार है। इसके पश्चिम में राम निवास धाम ट्रस्ट का कार्यालय है। कार्यालय के सामने वाली छतरियों में संतों के आसन रहते हैं। लाल चौक में श्री रामस्नेही साहित्य केंद्र की स्थापना की गई है। सम्प्रदाय से संबंधित सभी साहित्य एवं फोटो उपलब्ध रहते हैं।

धाम में स्थित महल

संक्षित रूप में धाम में निम्न महल स्थित है।

1. चत्र महल (प. आचार्य चरण चत्रदासजी महाराज)
2. हरि निवास (पू. आचार्यश्री हरिदास महाराज)
3. रंग महल, हवा महल, बादल महल, छह चौकियाँ (पू. आचार्यश्री हिम्मतरावजी महाराज)
4. कंवर पदा का महल
5. जग निवास (पू. आचार्य श्री जगरामदासजी महाराज)
6. रामकिशोर निवास (पू. आचार्यश्री रामकिशोरजी महाराज)
7. पू. आचार्यश्री रामदयाल सभागार एवं दयाल निवास (वर्तमान पू. आचार्यश्री रामदयालजी महाराज)

समाधियाँ (अंदर की)

श्री रामनिवास धाम के दक्षिण भाग में पूर्वाचार्यों की एवं श्री महाराज के शिष्यों की समाधियाँ बनी हुई हैं, जो सुंदर कलाकृति की छतरियों से सुसज्जित हैं। समाधियाँ अत्यंक मनमोहक हैं। अंदर की ओर स्वामीजी श्री रामजन्नजी महाराज, स्वामीजीश्री दुल्हेरामजी महाराज, स्वामीजी श्री चत्रदास जी महाराज, स्वामीजी श्री हरिदास जी महाराज, श्री कान्हड़दास जी महाराज (बड़ा), श्रीराम सेवकजी महाराज (छोटा), चेचट की समाधियाँ हैं। इन समाधियों एवं राम निवास धाम के बीच के स्थान पर फूल डोल में संतों की पंगत लगती हैं।

समाधियाँ (बहार की)

सूरज पोल के बांयी ओर बाहर की समाधियों में क्रमशः स्वामीजी श्रीनारायणदास जी महाराज, श्री ध्यानदासजी महाराज (उदयपुर), श्री तुलछीदास जी महाराज (खानपुर), श्री भगवानदास जी महाराज (जोधपुर), स्वामीजी श्री हिम्मतरामजी महाराज, स्वामीजी श्री दिलशुद्ध रामजी महाराज, स्वामीजीश्री धर्मदास जी महाराज, स्वामीजी श्री दयारामजी महाराज, स्वामीजी श्री जगरामदास जी महाराज, मुनिजी श्री क्षम्यारामजी महाराज (खाचरौद), स्वामीजी श्री निर्भयरामजी महाराज एवं भूतपूर्व आचार्य स्वामीजी श्री दर्शनराम जी महाराज की सुंदर छतरियाँ बनी हुई हैं। फूल डोल उत्सव पर संतों के आसन इन्हीं छतरियों में अपनी गुरु परंपरानुसार होते हैं। अंदर एवं बाहर की कुल 20 छतरियाँ भव्य एवं मनमोहक हैं, जो दूर से ही दर्शनार्थियों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

स्वरूपाबाई का चबूतरा

समाधियों के पीछे श्री महाराज के शिष्य श्री नवलराम जी मंत्री की सुपुत्री स्वरूपाबाई की समाधि बनी हुई है। यह श्री महाराज की गृहस्थ शिष्या थीं। श्री महाराज के अंतिम समय में चावल का प्रसाद स्वरूपा बाई ने लाकर हाजिर किया था और उस प्रसाद को रामजन्नजी महाराज ने श्री महाराज को नजर किया एवं श्री महाराज ने आरोगा। उस समय जो शेष प्रसाद बचा वहीं अद्यतन प्रसादी के रूप में सम्प्रदाय में काम में लिया जाता है। स्वरूपबाई के 10 भजन उनकी वाणी एवं 2 भजन बिरह के हैं। उनके द्वारा वाणीजी महाराजश्री रूपरामजी जोशी से लिखवाया गया। उस वाणी की पुस्तक का पाठ होली के जागरण से लेकर पंचमी के जागरण तक प्रतिदिन बारहदरी में होता है। उसे स्वरूपा बाई का पुस्तक कहते हैं। फूलडोल उत्सव पर आने वाले थालों का प्रारंभ भी उनके द्वारा किया गया। स्वरूपाबाई के चबूतरे की एक विशेषता यह है कि प्रचंड गर्मी में भी समाधि का मध्य भाग अपेक्षाकृत ठंडा रहता है।

शांति स्थल

आचार्यश्री स्वामीजी रामकिशोरजी महाराज का समाधि स्थल रामचरण द्वार से प्रवेश के पश्चात 50-60 कदम आगे चलने पर बायीं ओर स्थित है। जैसलमेरी पत्थरों से बना पीले रंग का स्मारक अति सुंदर छटा युक्त है। चारों ओर अति रमणीय उद्यान लगा हुआ है।

पूज्य कम्बल जी

बैसाख कृष्णा 5 गुरुवार विसं 1855 को श्री महाराज ब्रह्मलीन हुए। उस समय अनेकानेक चमत्कार हुए। उनमें देह त्याग के बाद राम राम का प्रत्युत्तर राम राम से देना। विमान जलते समय दक्षिण की ओर झुकने पर एक भक्त द्वारा यह कहना कि अपना विमान तो उत्तर दिशा में झुकना चाहिए है। अग्नि संस्कार के पश्चात तीसरे दिन जब क्षार (पुण्य अस्थियाँ) एकत्रित करने भक्तजन पहुँचे तो एक विलक्षण, अद्भुत चमत्कार सभी की प्रतीक्षा कर रहा था और वह था पूज्य श्री कम्बल का जस का तस मिलना। कम्बल कहीं से भी नहीं जली। पूज्य कम्बलजी महाराज के दर्शन फूल डोल महोत्सव के पाँच दिनों में होते हैं। पूज्य कम्बलजी महाराज को बारहदरी में सत्संग के समय उच्चासन पर विराजमान किया जाता है। श्री भंडार में भी आपके दर्शन करवाए जाते हैं।

पूज्य अणभै वाणी

12 साल की कठिन साधना के फलस्वरूप वि.सं. 1820 (सन् 1764) में स्वामीजी श्री रामचरण जी महाराज के श्रीमुख से पूज्य अणभै वाणी मुखरित हुए। जिसे आपके प्रमुख शिष्य श्री नबलरामजी एवं श्री रामजन्नजी महाराज ने लिपिबद्ध किया। 36397 छंद परिणाम वाली वाणीजी में ज्ञान, राम, भक्ति, वैराग्य एवं अहिंसा मुख्य विषय हैं। प्रत्येक शब्द में राम की छाप है। साथ ही उस अगम तक पहुँचने का सरल एवं सुगम मार्ग प्रशस्त किया है। अणभै वाणी पहले हस्त लिखित ही थी। सन् 1925 में 11वें आचार्य श्री निर्भयरामजी महाराज के समय श्री महाराज द्वारा उच्चारित सभी ग्रंथों का एक वृहद संग्रह "श्री रामचरणजी महाराज की अणभै वाणी" के नाम से वि.सं. 1981 में प्रकाशित करवाया गया। वि.सं. 2053 में वर्तमान आचार्यश्री स्वामीजी श्री रामदयालजी महाराज द्वारा 71 वर्ष बाद पुनः दूसरे संस्करण का प्रकाशन कुरज चातुर्मास के दौरान करवाया गया। पूज्य वाणीजी श्री महाराज का वाङ्मय स्वरूप है। सरल भाषा के इस ग्रंथ का आनंद है, इसमें अवगाहन करके ही उठाया जा सकता है। जहाँ श्री वाणी जी विराजमान रहते हैं, वहाँ अष्ट सिद्धि नव निधि का वास होता है।

पूज्य अणभै वाणी में संग्रहित प्रमुख कृतियाँ

अणभै वाणी/साखी, चंद्रायण, सवैया, झूलणा, कविता, कुंडलियाँ, रेखता, गुरु महिमा, नाम प्रताप, शब्द प्रकाश, अणभै विलास, सुख विलास, अमृत उपदेश, जिज्ञास बोध, विश्वास बोध, समता निवास, राम रसायण, चिंतावणी, मन खंडन, गुरु शिष्य गोष्ठी, ठिग पारख्या, जिंद पारख्या, पंडित सम्वाद, लछ अलछ जोग, बेजुक्ति तिरस्कार, काफर बोध, शब्द, गावा का पद, दृष्टान्त सागर।

"माहेश्वरी" होने का अर्थ ही है, मधुर व्यवहार व बंधुत्व की सहज, सरल भावना, जो बनाती है उन्हें श्रेष्ठ। इसी गुण का संपूर्ण विश्व को पाठ पढ़ा रहे हैं नईदिल्ली के कानूनविद् देवप्रकाश माहेश्वरी, अपनी संस्था "भारत विश्व सांस्कृतिक सहयोग संघ" के साथ। इसके श्री माहेश्वरी संस्थापक अध्यक्ष हैं। आपने गत ९ जुलाई को ही जीवन के ८३ वें वर्ष में प्रवेश किया।

सम्पूर्ण विश्व को बन्धुत्व का पाठ पढ़ाते

देवप्रकाश माहेश्वरी

नईदिल्ली निवासी ख्यात कानूनविद् व समाजसेवी देवप्रकाश माहेश्वरी न सिर्फ देश में बल्कि संपूर्ण विश्व में बंधुत्व की भावना के प्रसार से भारतीय संस्कृति की गौरव पताका फहरा रहे हैं। आप अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था भारत विश्व सांस्कृतिक सहयोग संघ अर्थात इंडियन फेडरेशन फॉर वर्ल्ड को-ऑपरेशन एंड कल्चुरल रिलेशन को संस्थापक अध्यक्ष के रूप में गत 51 वर्षों से सतत रूप से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यह संस्था अपने आयोजनों के माध्यम से विभिन्न देशों के बीच कल्चुरल एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित करती है। संस्था का लक्ष्य इनके द्वारा विश्व के विभिन्न देशों के बीच मैत्री पूर्ण संबंधों की स्थापना करना है। जिससे संपूर्ण विश्व सांस्कृतिक व बौद्धिक के साथ-साथ व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्र में भी एक-दूसरे से सम्बद्ध होकर सफलता का कीर्तिमान स्थापित कर सके। व्यावसायिक रूप से श्री माहेश्वरी एक प्रख्यात कानूनविद् हैं और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे हैं।

प्रबुद्ध परिवार में लिया जन्म

श्री माहेश्वरी का जन्म 9 जुलाई 1934 को अलीगढ़ (यूपी) में विदुषी श्रीमती कलावती देवी के परिवार में श्री भगवानदास व श्रीमती चंपादेवी के यहाँ हुआ। स्नातक स्तर की पढ़ाई के दौरान ही आपके प्रयासों से वाचनालय और पुस्तकालय की स्थापना के साथ अलीगढ़ में माहेश्वरी सेवा संघ की शुरुआत की गई थी। 1956 में एलएलबी की पढ़ाई कर पीएससी के द्वारा प्रशासनिक सेवा में चयनित हो गये। वर्ष 1964 में दिल्ली आकर लॉ आफिसर बने। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट में सफलतापूर्वक वकालात की। आप उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे और एक प्रतिष्ठित कानूनविद् के रूप में आपने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दीं।

समाजसेवा के पथ पर भी समर्पित सेवा

व्यावसायिक कारणों से नई दिल्ली में निवासरत रहते हुए भी माहेश्वरी अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद समाजसेवा के पथ पर भी समर्पित भाव से सक्रिय रहे। अलीगढ़ खुर्जा व दिल्ली के समाज संगठन के साथ अ.भा. माहेश्वरी महासभा में सक्रियता बढ़ी। कार्यसमिति सदस्य के साथ ही वर्ष 1982 से लगातार 3 सत्रों तक उपसभापति के रूप में सेवा दी। इस दौरान पश्चिमी उप्र प्रादेशिक सभा को सक्रिय करने व हरियाणा-पंजाब प्रदेश सभा के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिल्ली प्रदेश एवं उसकी जिला सभाओं का गठन किया। वर्तमान में आप दिल्ली प्रदेश सभा के संस्थापक अध्यक्ष हैं। आपके प्रयासों से एक ऐतिहासिक कार्य के रूप में अंतरराष्ट्रीय सद्भावना की दिशा में इंडियन फेडरेशन फॉर वर्ल्ड को-ऑपरेशन की स्थापना की गई। वर्तमान में विश्व के 20 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। दिल्ली में आवास की कमी को देखते हुए आपके द्वारा माहेश्वरी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की स्थापना भी की गई।

किस तरह चली आईएफडब्ल्यूसीसीआर की सेवा यात्रा

संस्था इंडियन फेडरेशन फॉर वर्ल्ड को-आपरेशन एंड कल्चुरल रिलेशन की स्थापना वर्ष 1966 में अंतरराष्ट्रीय शांति, सद्भावना व मैत्री के लिए हुई थी। संस्थापक अध्यक्ष देवप्रकाश माहेश्वरी के अनुसार यह वर्ष 2016 में अपने 50 वर्ष पूर्ण करने जा रही है। प्रारंभ में इससे सदस्य के रूप में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पोलैंड, बुल्गारिया, चेकोस्लोवाकिया व जर्मनी आदि देश संबद्ध रहे। कुछ समय पश्चात ही चीन भी सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से संबद्ध हो गया। वर्ष 1991 में चीन ने गौंगडांन फ्रेंडली एसोसिएशन के बैनर तले आईएफडब्ल्यूसीसीआर की कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इसमें गौंगडांन फ्रेंडली एसोसिएशन के अध्यक्ष इतने प्रभावित हुए कि प्रथम बार एमओयू (मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) साइन कर दिया गया। इसके बाद शंघाई में द्वितीय आयोजन हुआ। इनसे इनके प्रतिनिधियों के परस्पर संपर्क बढ़े। चीन के जोजान (यीवू) में भी प्रतिनिधिमंडल गया। इसी संस्था द्वारा गत 26 से 31 अक्टूबर 2015 तक भी चीन में अंतरराष्ट्रीय कल्चुरल एक्सचेंज व फ्रेंडशिप कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। इसमें भारत सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पोलैंड, बुल्गारिया, बांग्लादेश, जर्मनी, श्रीलंका सहित 20 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारत से 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल संस्था के संस्थापक अध्यक्ष देवप्रकाश माहेश्वरी के नेतृत्व में ही शामिल हुआ। इसमें श्री माहेश्वरी टाईम्स के संपादक पुष्कर बाहेती भी शामिल हुए थे। इनके साथ इस प्रतिनिधिमंडल में समाज प्रवाह मुंबई के संपादक रमेश काबरा, वापी के पुष्प धूत, एलएल मूंदड़ा मुंबई सहित दो सदस्य (माहेश्वरी नहीं) बैंगलुरु से शामिल हुए थे। इन्होंने वहाँ की संस्कृति व विकास को भी निकट से देखा।

With Best Compliments from

Tulsiram
Maheshwari Public School

Modinagar (U.P.)

Vinod Kumar Maheshwari
(President Manager)

Affiliated of Central Board of Secondary Education, New Delhi
A Co-Educational School

NURSERY to XII

Having
Highly Qualified Teachers on the Staff
Well Equipped
Biology, Chemistry, Computer Science, Physics
& Home Science Laboratories
Separate Sections for Hindi & English Medium
Excellent Results in Board's Examinations (X, XII)

पर्यावरणविद्
बाबूलाल जाजू
भीलवाड़ा

वर्षा ऋतु वास्तव में हरियाली का मौसम है। जब धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती हैं, यही वह मौसम हैं जब हम दे सकते हैं, अपनी भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण की सौगात। बस इसके लिये इस मौसम में कम से कम एक पौधा हर माहेश्वरी लगाऐ और उसकी देखरेख की व्यवस्था भी करें।

हर माहेश्वरी लगायें एक पौधा

वर्षा ऋतु वास्तव में पौधारोपण का मौसम है, जिसमें लगाये गये पौधे आसानी से पल्लवित होते हैं। माहेश्वरी समाज हमेशा से उच्च मानवीय भावनाओं से ओतप्रोत समाज है। अतः अपनी इन्हीं परम्पराओं का निर्वाह करते हुए व पर्यावरण संरक्षण को अपना कर्तव्य मानकर हर माहेश्वरी इस मौसम में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाऐ। सभी के सामुहिक योगदानों से भविष्य में इतने पेड़ तैयार होंगे, जो भावी पीढ़ी पर स्वच्छ पर्यावरण का अमृत बरसाने के लिये काफी होंगे। इसके लिये अपने आवास, कृषि भूमि, धार्मिक स्थल, विद्यालय, श्मशान, आश्रम, सार्वजनिक स्थल व अस्पतालों में तथा जहां उचित व सुरक्षित स्थान हो, वहां पर छायादार, फूलदार, फलदार पौधा अवश्य लगाऐ।

कैसे लगाऐं बड़े पौधे

बड़े पौधे लगाने के लिए 2 फीट चौड़ा, 2 फीट लम्बा, ढ़ाई फीट गहरा गड्ढ़ा खोदकर पीली मिट्टी, केंचुएं अथवा गोबर की खाद, थोड़ी मात्रा में बजरी मिलाकर गड्ढ़े को 9 इंच खाली रखकर पुनः भर दिया जाना चाहिए। पौधे की थैली को काटकर पिण्ड न टूटे ऐसी स्थिति में पौधे को बीच में रखकर पैर से दबाकर गोल थावला बनाकर शुरूआती रूप में प्रतिदिन पानी डालते रहें। सर्दियों में पौधे में एक सप्ताह में पानी डालें, गर्मी में हर तीसरे दिन पौधे को पानी पिलाते रहें। दो या तीन वर्ष यदि पूर्णतया सुरक्षा व रखरखाव व्यवस्था पूरी करते है तो जीवनभर पौधा आपको फल-फूल, छाया, प्राणवायु व आनंद की अनुभूति प्रदान करता है। अधिक पौधे जहां होते हैं, वहां अधिक वर्षा होने की संभावनाएं अधिक रहती हैं। अधिक पेड़ वातावरण में नमी प्रदान करते हैं। अपने आवासगृह पर अनेक प्रजाति की बेलों को लगाकर भी मकान पर चढ़ाया जा सकता है जिससे मकान में गर्मी के दिनों में 5 डिग्री तापमान में कमी होने के साथ ही मकान में ठण्डापन महसूस होता है।

कहां लगाऐं कौन से पौधे

- आवास गृह के बाहर अशोक व मोलश्री का पौधा वास्तु व सुंदरता की दृष्टि से ट्री-गार्ड लगाकर लगाया जा सकता है। उक्त पौधों की जड़ें आवास गृह को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं।
- आवास गृह में स्थान हो तो क्यारियों में मोगरा, गुलाब, मधुकामिनी, दिन का राज, रात की रानी, हारश्रृंगार, चांदनी, गुड़हल, चम्पा, चमेली, जूही, टीकोमा, गुलतुर्री के पौधे लगाकार फूलों की महक के साथ घर के आंगन को खूबसूरत बनाया जा सकता है। आवासगृह के बाहर बिजली के तार होने की स्थिति में बॉटलब्रश, हारश्रृंगार, चांदनी, कनेर, गुडहल या कम उंचाई वाला कोई भी अन्य पौधा लगाया जा सकता है।
- आवासगृह में कच्ची जगह नहीं होने की स्थिति में गमलों में मनी प्लांट, एस्केरिया, टी-साईकस, साईकस, देशी करोटन, बैंगलोरी करोटन, मिर्ची करोटन, एरिकापाम, सुपारीपाम, फोनिसपाम, एरिकाबुशी, सन ऑफ इण्डिया, ड्रेसीना, रजनीगंधा, सुदर्शन, लिल्ली, सपनेरा, पत्थरचट्टा, बटनबेल, फर्ण, एग्जोरा व अनेक प्रजाति के छोटे पौधे लगाये जा सकते हैं।
- श्मशान व विद्यालय स्थलों पर लम्बी उम्र के बरगद व 24 घण्टे प्राणवायु देने वाला पीपल का पौधा भी लगाया जा सकता है।
- कृषि भूमि में नीम, शीशम, जरखण्डा, जामुन, गुलमोहर, अर्जुन, हरड़, बेहड़ा, बादाम, सीताफल, नारियल, चीकू, बेर, अनार, बिल्वपत्र व अनेक प्रकार के छायां वाले व फलदार पौधे लगाये जा सकते हैं, जो पक्षियों को व हमें फल भी उपलब्ध कराते रहते हैं।

'रामस्नेही सम्प्रदाय' विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

रामराय सेठिया

अध्यक्ष- भीलवाड़ा डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एसोसिएशन ▸▸ अध्यक्ष- भीलवाड़ा जिला (ग्रामीण) माहेश्वरी सहयोग संस्थान
संगठन मंत्री- भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा ▸▸ जिला उपाध्यक्ष- भारतीय जनता पार्टी (व्यापार प्रकोष्ठ)

बागोर, तहसील-माण्डल, जिला-भीलवाड़ा (राज.) M. 94146 16746

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

सुनील जे. गिगल

सचिव

गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा

▸▸महामंत्री–	गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा
▸▸मंत्री–	अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन, गुजरात
▸▸मंत्री–	ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज
▸▸अध्यक्ष–	गुजरात केटलफीड मेन्युफेक्चरर एसोसिएशन, गुजरात
▸▸पूर्व संगठन मंत्री–	गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा, गुजरात
▸▸अध्यक्ष–	गायत्री विकलांग मानव मंडल, वड़ोदरा
▸▸अध्यक्ष–	बैंक ऑफ बरोडा एम्पलॉइज को. ऑप. हा. सो. लि.
▸▸उपाध्यक्ष–	लघु उद्योग भारती, वड़ोदरा
▸▸ट्रस्टी–	श्री साईं श्याम गौशाला, वड़ोदरा
▸▸सदस्य–	श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र
▸▸सदस्य–	अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर
▸▸सदस्य–	भामाशाह फाउंडेशन, अहमदाबाद
▸▸सदस्य–	बरोडा मैनेजमेंट एसोसिएशन

GIGAL GROUP OF COMPANIES

▸▸BHARAT CATTLEFEED INDUSRIES ▸▸LDH AGRO FOOD PVT. LTD

▸▸GIGAL INDUSTRIES ▸▸BHUMI MARKETING ▸▸GIGAL SECURITIES

201, Lakulesh Complex, Near Delux Cross Road, Nizampura, Vadodara 390002
(M) 9428588888 / 9426013693, Email- sunilgigal@yahoo.com

अपने कँई करणो है

हम तब तक किसी मामले नहीं बोलते जब तक बात हमारे ऊपर न आ जाए। बस इससे बचने के लिये एक रामबाण सूत्र है, अपणे कँई करणो। पर सोचें क्या यह सूत्र हमें अपनी जिम्मेदारी से बचा पाएगा।

बी.एल. अच्छा, उज्जैन

उस समय लोग कच्ची पहली को पक्की पहली ही करवाकर ही छोड़ते थे! मास्टरजी का डंडा दनदनाता लगता था और घर में काका कानों को बेतरह गरम कर देते थे। ऊठ-बैठ, टपाटप आँसू रूँधे हुए गले से पहाड़े। उस समय काका ने पूरी चौकसी से एम बात जो पक्की करवा दी, वह आज सुरक्षित जीवन का कवच बना गई है।

काका ने कहा था- देख रे, गाँठ बाँध ले। खाने में अगाड़ी और लड़ाई में पिछाड़ी और यह कोई दफ्तर में लगा श्रम ही पूजा है, जैसा मंत्र नहीं है। काका ने तो हमें इस मंत्र में पूरी तरह तंतर दिया है। जब कभी जीमने जाते, तो पंगत में सबसे पहले बिठवाते। परोसकारों से जबरन रखवाते। कभी हम पंगत में पहले बैठने झिझकते तो उनकी आँख ही डंडे का काम कर देती थी। कभी आँख मिचौली के चक्कर में देरी हो जाती तो चारों ओर पहली, दूसरी और तीसरी पुकार हो जाती और आते ही तड़ाक से थप्पड़ रसीद कर जीमने रवाना कर देते। तब से खाने में अगाड़ी की ट्रेनिंग पक्की हो गई है।

मगर 'लड़ाई में पिछाड़ी' रहने की ट्रेनिंग के लिए भी खूब मार खाई है। मुझे याद है कि एक गरीब सहपाठी को मेरे दोस्त खूब छेड़े जा रहे थे। कोई चिढ़ाता, कोई चिकोटी काटता, कोई ताने कसता जाता था। गुस्से में उस गरीब ने एक के पुट्ठे पर स्केल जरा तगड़ी जमा दी। बतंगड़ खड़ा हो गया। घर वाले परस्पर भिड़ गए। दरयाफ्त होने लगी तो मैंने कह दिया- ' ये ही उस गरीब मोहन को लगातार छेड़े जा रहे थे। मामला जैसे भी सुलट हो, मगर घर आते ही जो ऐसी तड़ातड़ मुँह पर पड़ी, कि आज भी याद है। काका बरस रहे थे- 'तेरे को बीच में पंचायत करने की क्या पड़ी थी। लड़ने देता उनको। अपणे कँई करणो है।'

तबसे जो तगड़ी ट्रेनिंग हुई है अब 'खाने में अगाड़ी लड़ने में पिछाड़ी' को जीवन सूत्र वाक्य बना लिया है। पिछले दिनों ट्रेन में जा रहा था। नमकीन बेचने वाले एक टिड्डे से लड़के को रेलवे पुलिस पाला सलटाए जा रहा था- अबे रस्साले, दिखता नहीं है। तेरे बाप ने आवाज दी थी, मगर रस्साला देने के नाम पर आँख बचाकर चलता बना? हमारे से बचकर इस गाड़ी में नमकीन कैसे बेचेगा? तेरे बाप की गाड़ी है? बच्चे को सुबकते हुए देख मेरा मन भी रोटी की तरह उकस गया। बोल दूँ- साले तेरे बाप का नमकीन है, जो फोकट में मांग रहा है।' पर तभी रोटी कहीं से फुस्स हो गई। सारी भाप निकल गई। एकाएक वह जीवन सूत्र याद आ गया अपणे कँई करणो है।' बच्चे की बच्चा जाने, पुलिस वाले अपनी जीने। फोकट रट्टा काहे को मोल लेना। फिर पुलिस के झगड़े-टंटे में कौन पड़े? अपन तो वैसे भी परिवार वाले हैं।

अभी पिछले दिनों सरे बाजार चाकूल चल गया। एक 'पेलवान' ने मेरे ही एक खास ग्राहक पर हमला बोल दिया। आदमी बड़ा भलामानुस और मुझे तो खासा फायदा पहुँचाया है उस आदमी ने। मन हुआ जरा इस परिचित से 'पेलवान' को समझाऊँ। न माने तो पुलिस में रिपोर्ट कर दूँ। पर पहले मैंने सटाक से शटर बंद किया। चाकू की प्रतिक्रिया से खौले हुए मन को एकाएक वही वाक्य याद आ गया- 'अपणे कँई करणो है।' और मैं चुपचाप चलता बना। गवाहों की दरयाफ्त होने लगी। सभी दुकानदार कह रह थे- 'हमारी तो दुकान ही बंद थी।' लगता था कि चाकू वाली घटना के दिन सारे बाजार कर्फ्यू लगा हुआ था। एक भी दुकान नहीं खुली थी। किसी ने मुँह खोला जरा सच कहने के लिए तो उसे धीरे कान में कह दिया गया-'अरे अपन तो दुकानदार हैं अपन कहाँ चक्कर में पड़े पेलवानों के। भलेमानुस पर 'पेलवान' का चाकू हावी रहा और मेरा भी गवाही का टंटा खत्म।

अगरचे मैं कर्मचारी होता तो चंदा तो कभी नहीं देता। अलबत्ता मीटिगों में लंबे-लंबे चीखते चिल्लाते भाषण जरूर देता। मेरा पक्का विश्वास है कि स्टाफ के जो लोग, क्लब की मीटिंगों में सबसे ज्यादा बोलते हैं, समझ लीजिए उन्होंने चंदा नहीं दिया है। इसीलिए जब 'हर जोर जुल्म की टक्कर' के लिए जेल भरो के नारे बुलंद होते, राजधानी जाने का दबाव आता। जेब से किराया देने की नौबत आती तो मैं किसी रिश्तेदार को पहले ही साध लेता। यही कि तार कर दे कि कोई निकट का बीमार है। फंदा ही कट जाता। न दोस्तों की नाराजगी, न फोकट की टक्कर। मुझे काका का वाक्य हमेशा ही रास्ता दिखा देता है-'अपणे कँई करणो है।' अरे जोर जुल्म की टक्कर करेंगे तो भी, जेब काटकर राजधानी जाएँगे तो भी, तनख्वाह तो उतनी ही मिलेगी, जितनी नहीं जाने वाले को। तो नाहक पैसा बर्बाद करने से क्या फायदा? खैर हड़ताल सफल हो जाती तो एरियर के बिल लगवाने के लिए मैं रसीदी टिकट जेब में लिए सबसे पहले चक्कर लगाता। काका की ट्रेनिंग है न-'खाने में अगाड़ी, लड़ाई में पिछाड़ी।'

इसलिए जब कभी मैं किसी पराये की पीड़ा पराये का अत्याचार, भ्रष्टाचार की नुकीली फाँस, दहेज प्रताड़ना में कराहती पड़ोस की बहू, किसी गुंडे से छेड़ी जाती डरी सी लड़की की कसक से भीतर-भीतर उद्वेलित हो जाता हूँ। भीतर की कसक भाप बनने लगती है। कोई कसक खौलने सी लगती है, तो इस जीवन रक्षा सूत्र को याद कर लेता हूँ- 'अपणे कँई करणो है।' और सच मानिए जैसे घने जंगल में 'हनुमान चालीसा' मन के डर को भगा देता है, उसी तरह यह वाक्य भी मेरी सारी उथल-पुथल को एकदम तनावहीन बना देता है।

आपने जो रास्ता चुना है वह
आपके बारे में बहुत कुछ कह
जाता है, इसीलिए आपने
सफलता कैसे प्राप्त की है
उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना
की सफल होना।
संगम का विश्वास समाज का
विश्वास जितना है और हम
उसी की सफलता को अपनी
सफलता मानते हैं। आज इसी
मूलमंत्र ने हमें मदद की है
अपने व्यापार सहयोगियों के
साथ सर्वश्रेष्ठ सम्बन्ध का
विकास करने में। एक अच्छे
एवं सफल व्यवसाय करने का
यही एक मात्र मूलमंत्र है।
Sangam
Value through values
आप कहाँ जा रहे हैं ये महत्वपूर्ण नहीं है
आपने क्या रास्ता चुना है यह महत्वपूर्ण है।
SPINNING
55 THOUSAND MTON PER ANNUM
36 MW CAPTIVE POWER
WEAVING
30 MN METER PER ANNUM
FABRICS PROCESSING
50 MN METER PER ANNUM
DENIM
40 MN METER PER ANNUM
KNITTING
3 THOUSAND M TON PER ANNUM
SEAMLESS GARMENT
30 LAC PIECES PER ANNUM
AN ISO 9001:2008 CERTIFIED ORGANISATION
3 STAR EXPORT HOUSE STATUS
AMONGST INDIA'S LEADING 500 COMPANIES BY ECONOMIC TIMES
TEXTILE | STEEL | INFRASTRUCTURE | POWER | www.sangamgroup.com | info@sangamgroup.com
CSR INITIATIVES : SANGAM UNIVERSITY | ITM BHILWARA | SMT KESAR BAI SONI HOSPITAL | SANGAM SCHOOL OF EXCELLENCE

हार्दिक बधाई
एवं
मंगलकामनाएँ

बाबूजी पद्मश्री बंशीलालजी राठी
(चैन्नई)

पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
के **जन्म दिवस (14 अगस्त)** के अवसर पर
भगवान् श्री महाकालेश्वर से
उत्तम स्वास्थ्य एवं शतायु होने की मंगलकामना.

श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट परिवार, उज्जैन (म.प्र.)

खुश रहें... खुश रखें...

कदम उठे कि समझो... मंजिल का फासला समाप्त हो गया

■ पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

दुनिया में परिवार के साथ रहते हुए जब कभी हम जीने के एक ढंग से ऊब जाते हैं, तो दूसरी जीवनचर्या में प्रवेश कर जाते हैं। चेंज के चक्कर में मनुष्य चकरघिन्नी हो जाता है। जीने का एक तरीका यह भी अपनाया जा सकता है। उसे देखकर जीयें जो सबको देख रहा है। इसे सीधी भाषा में कह सकते हैं कि भक्त बन जाएँ और अपने पुरुषार्थ, आत्मविश्वास को भगवान के भरोसे छोड़ दें। हालांकि इसका यह मतलब भी नहीं कि हम परिवार से, जीवन साथी या बच्चों से विमुख हो जाएँ। परिवार संचालन हमारी प्राथमिकता है और होना भी चाहिए। फिर भी परिश्रम अपना हो, परिणाम उसका रहे। इसका सीधा सा अर्थ है कि श्रम हम करें और फल परमात्मा पर छोड़ दें।

अध्यात्म में इसे ही निष्कामता कहा गया है। ऐसा सुनकर लोगों को लगता है कि यह तो बड़ी अकर्मण्यता हो जाएगी। भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म को लेकर वैसे भी लोग कहते हैं कि सब भगवान भरोसे, भाग्य भरोसे चलता है परंतु धर्म ने ऐसा कभी नहीं कहा, भगवान ने भी यह नहीं कहा कि मेरा पूजन करने वाला अकर्मण्य होकर बैठ जाए।

भक्त का अपना कर्मयोग होता है। भक्ति जीवन में उतरते ही प्रत्येक कृत्य, हर बात के अर्थ ही बदल जाते हैं। जैन साहित्य में महावीर स्वामी के दो वाक्य बहुत ही अद्‌भुत रूप से व्यक्त हुए हैं। एक बार उन्होंने कहा कि यदि आपने बिछाने के लिये दरी खोली, खोलनी शुरू ही की, तो समझ लो दरी खुल गई। यदि शुरू ही किया तो समझें काम पूरा होगा गया। दूसरी बात कही थी यदि चल दिए तो समझ लो पहुंच गए। भगवान की यात्रा में कदम उठाना ही काफी है। उसकी ओर कुछ कदम चले कि समझो मार्ग और मंजिल का फासला खत्म हो जाएगा।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

आम तौर पर जब चिकित्सा की बात की जाती है, तो दवा की कल्पना सहज ही हो जाती है। भला उसके बिना इलाज कैसा? लेकिन ऐसी औषधि भी हैं, जिन्हें न तो खाने की जरूरत है, न लगाने, न सूंघने और न ही इंजेक्ट करने की। मात्र इनके उच्चारण से ही ये अपना असर दिखना शुरू कर देते हैं। ये हैं हमारे वेदों की देन मंत्र।

रोगों की रामबाण औषधि भी हैं मंत्र

वेद सिर्फ आध्यात्मिक साहित्य नहीं बल्कि सुखी जीवन जीने के मार्गदर्शक हैं, जिनमें धर्म, राजनीति, आहार-विहार व समस्त प्रकार के ज्ञान विज्ञान निहित हैं। आयुर्वेद का ज्ञान भी वेदों की ही देन है, जिसने संपूर्ण विश्व को सबसे पहले रोगों से लड़ने का मार्ग दिखाया। चिकित्सा क्षेत्र में वेदों की एक देन और है मंत्र चिकित्सा। वास्तव में यह आधुनिक दौर की 'साउंड थैरेपी' है, लेकिन दुर्भाग्य है कि हम स्वयं इनसे अनजान हैं। बस इसमें रोग के अनुसार निर्धारित मंत्रों का विधिपूर्वक जाप करना पड़ता है और ये अपना असर दिखाना शुरू कर देते हैं। उच्चारण की अशुद्धता या कोई अन्य त्रुटि इसके सद्प्रभाव को दुष्प्रभाव में भी बदल सकती है, यह ध्यान रखें। अतः आम तौर पर इसका प्रयोग वेदों के विद्वानों के मार्गदर्शन में ही करना चाहिए।

कब-कैसे-किस मंत्र का करें प्रयोग

मस्तिष्क के रोग में- मंत्र ॐ ऊमादेवीभ्यां नमः

प्रभाव- इस मंत्र से सिरदर्द और मस्तिष्क संबंधी सभी रोगों को दूर करने में मदद मिलती है। स्त्रियों को हिस्टीरिया आदि विकारों में इस मंत्र का प्रभाव पड़ता है। जिनमें पागलपन के लक्षण नजर आते हैं या जो मंदबुद्धि के हों उन पर इनका प्रभाव शुभ देखा गया है।

विधि- उपरोक्त मंत्र ग्रहणकालमें 1008 बार जप करके सिद्ध कर लें। जब कभी-भी सिरदर्द हो, अपना दायां हाथ माथे पर रखकर मंत्र को 11 बार जपें। शीघ्र ही लाभ मिलेगा।

नाक के रोगों में- मंत्र ॐ यं यम घंटाभ्यां नमः

प्रभाव- इसके जप से नाक से संबंधित सारे रोग दूर होते हैं।

विधि- किसी भी शुभ मुहूर्त में कुशा आसन पर स्वच्छ वस्त्र धारण करके सामने तीन लौंग, तिल का तेल एक कटोरी में रखें। अब उपरोक्त मंत्र का 1008 बार जप किसी भी माला से करें और तेल पर इसे फूंकें। इस तेल को नाक पर लगाएं। आपको राहत मिलेगी।

आंखों से संबंधित रोग- मंत्र ॐ शांखिनीभ्यां नमः

प्रभाव- इससे आंखों की समस्त बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इसके नियमित जप से नेत्रों की ज्योति बढ़ती है। रतौंधी, मोतियाबिंद, आदि समस्त रोगों में इस मंत्र के प्रयोग से बड़ा लाभ होता है।

विधि- शुभ मुहूर्त में जप करें और गुलाब जल में इसे फूंकें फिर इसे गुलाब जल की बोतल में भरकर रख लें। इस गुलाब जल को आंखों में डालने से नेत्र रोग नहीं होते हैं।

कान संबंधी रोग- मंत्र ॐ हां द्वारन वासिनीभ्यां नमः

प्रभाव- इस मंत्र से कर्ण विकार दूर होते हैं। श्रवण शक्ति तीव्र होती है।

विधि- उपरोक्त को नाक हेतु दी गई मंत्र विधि द्वारा ही करें।

गले के रोग- मंत्र ॐ चिं चित्र घंटाभ्यां नमः

प्रभाव- इस मंत्र के प्रभाव से कंठ माला व गले के रोग ठीक हो जाते हैं। मंत्र के जप से गला मधुर हो जाता है। गायन शक्ति बढ़ती है।

विधि- उपरोक्त मंत्र को 1008 बार जपकर सिद्ध कर लें और नित्य 11 बार पढ़कर जल को अभिमंत्रित करें और सुबह-शाम पीएं, लाभ होगा।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

जनता री पुकार

खम्मा घणी सा हुक्म !

आपने बताऊँ आज देश री सबसूं बड़ी समस्या कांई है। देश रा नेता देश री समस्याओं पर चिंता खूब जतावे पर वाणे निदान पर गंभीरता सुं प्रयास करता नजर नहीं आवे । संसद में हंगामा, बवाल तो खूब मचावे ज्यों की देश री भलाई वास्ते वे कांई भी कर सके । बातां तो सदन में या लच्छेदार भाषणों में खूब करे पर हुक्म बातां सुं तो बाजार रा दाम नहीं गिरे और बेरोजगार ने नौकरियां नहीं मिले।

अगर हुक्म आपां बात करा आज रे प्रधानमंत्री री तो हुक्म दो साल में जनता ने कोई फायदों नहीं हुयो। माना की विदेशो में घुमण सुं सब देशो रे विकास री जानकारी हुई और देश में औद्योगिक क्षेत्र रो विकास हुयो पर हुक्म मोदी सरकार में मोदी री हुकूमत ताश रे पत्तों रे माफिक है। ज्यों ईश्वर रे हाथों री कठपुतली है इंसान। यों देश प्रधानमंत्री रे हाथ में है कमान। नरेंद्र मोदी समकालीन राजनीति रा जुमला है वे पार्टी में उन्हें ही राखे जो वानी हां में हां भरे। संघ में लोगा ने ठूस-ठूसभर दिया पर मोदीजी ने फुर्सत नहीं बारे घुमण सुं और संघ रा लोगो रे हाथ में पावर नहीं।

वादा खूब करिया मोदी साहब अब जनता आपरे वादों री बाँट जो रही है। हुक्म संघ रा लोग ही कठैई ओ गीत गाने आपने नहीं सुणादे कसमें वादे प्यार वफ़ा सब बातें है बातों का क्या। म्हे तो मोदी रो दिल सुं आदर करा जण हाथ जोड़ या अर्ज करा-

अब पधारो मोदीजी घर रे आँगण में
वादा पूरा करो जो दिया भाषणों में
घणा मान सुं वोट दिया मोदी सरकार ने
महंगाई कम करो यां हाथ जोड़ अर्ज थाने।

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

राजिया रा दुहा ..... प्रसिद्ध राजस्थानी कवि स्व. किरपा रामजी खिडिया की रचना ....

आछो मान अभाव मतहीणा कोई मिनख;
पुटिया के ज्यूं पाव राखे ऊपर, राजिया....

अर्थ : कम अक्ल का व्यक्ति थोड़े से (झूठे) सम्मान से फूल जाता है, जैसे पुटिया नाम का पक्षी जब खुश होता है तो अपने पंजे ऊपर कर खुशी मनाता है।

आज के सन्दर्भ में : क्या कहा जाय, चारों तरफ ये ही पक्षी नज़र आ रहे हैं।

इण ही सूं अवदात कहणी सोच विचार कर;
बे - मोसर री बात रूड़ी लगे न, राजिया .....

अर्थ : हमेशा 'बात ' उसी समय कहनी चाहिए जब उसका वजन पड़े, असमय कही बेतुकी बात का कोई महत्व नहीं होता ...।

आज के सन्दर्भ में : राजनीतिज्ञों में उल-जुलूलबातें करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है ... सीख लें।

उण ही ठाम अरोग भांजण री मन में भणे;
आ तो बात अजोग राम न भावै , राजिया ....

अर्थ : जिस बर्तन में खाए उसी को तोड़ने की बात मन में आये - ऐसी अयोग्य बात तो भगवान (राम) को भी स्वीकार नहीं ....।

आज के सन्दर्भ में : वर्तमान में यही तो हो रहा है !

उपजावै अनुराग कोयलमन हरखित करै;
कड़वो लागै काग रसना रा गुण , राजिया .....

अर्थ : कोयल का कुहुकना सब का मन मोह लेता है और कौवे की काँव - काँव किसी को नहीं सुहाती जबकि देखने में दोनों एक जैसे ही होते हैं .... ।

आज के सन्दर्भ में : बकवास का दौर सभ्रांत जनता को कैसे सुहाएगा ? विचार करें।

राशिफल

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये उन्नति दायक रहेगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। मेहमानों के आने से खुशी रहेगी। संतान के कार्यों से मन प्रसन्न होगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। राजकीय कार्यों से मान-सम्मान मिलेगा। परिवार में उत्साह एवं प्रसन्नता प्राप्त होंगी राजकीय कार्यों से मान-सम्मान मिलेगा। परिवार में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा। मकान, वाहन, क्रय करेंगे। स्थान परिवर्तन के योग भी बनेंगे। विवाद एवं क्रोध पर काबू रखें। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बनेंगे।

वृषभ- यह माह आपके लिये अनुकूलता प्रदान करेगा। संतान के कार्य से प्रसन्नता मिलेगी। खुशी का वातावरण बना रहेगा। मित्र से सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन रहेगा। व्यापार में उन्नति प्राप्त होगी। नौकरी में प्रमोशन मिलेगा एवं शत्रु परास्त होंगे। नये सम्पर्क का लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन मधुर रहेगा। नया वाहन लेंगे। वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। यात्रा से लाभ होगा। सम्पत्ति योग बनते हैं।

मिथुन- यह माह आपके लिये सामान्य व्यतीत होगा। नौकरी में कुछ परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। वाद-विवाद से बचें, रुके काम पूरे होंगे। भौतिक सुख सुविधा प्राप्त होगी। समाज में मान-प्रतिष्ठा मिलेगी। प्रेम प्रसंग की ओर रुझान रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होगा। संतान की ओर से हर्षोल्लास बना रहेगा। शेयर-लाटरी से बचें। हानि की आशंका रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। निर्णय सोच-समझकर लेवें।

कर्क- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। घर में मांगलिक कार्य होंगे। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ भाग लेंगे। संतान की ओर से प्रसन्नता प्राप्त होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। नई योजना पर कार्य करेंगे किंतु जीवन साथी से मनमुटाव बना रहेगा। अपनों से परेशानी बनी रहेगी। प्रेम के क्षेत्र में असफलता मिलेगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। यात्रा के योग प्रबल बनेंगे। शिक्षा में रुकावट उत्पन्न होगी। धन लाभ होगा, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह- इस माह आपको प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार प्राप्त होगा, घर में मांगलिक कार्य होंगे। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। मन प्रसन्न रहेगा, उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षा में परेशानी उठाना पड़ेगी। जीवन साथी के साथ वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। खर्च अधिक होगा। साझेदारी में सावधानी बरतें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, तीर्थ यात्रा होगी।

कन्या- इस माह आपको कठिन परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि उच्चाधिकारियों से भेंट होगी। रुका काम पूर्ण होगा। संतान के कार्यों से गर्व करेंगे। शत्रु से परेशानी उठाना पड़ सकती है। व्यस्तता अधिक बनी रहेगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। शेयर्स लॉटरी में हानि उठना पड़ेगी। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी।

तुला- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख शांति का माहौल रहेगा। जीवन साथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। बिगड़े कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों के लिये समय अच्छा रहेगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। चोट लगने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य भी नरम-गरम रहेगा। वाहन आदि पर खर्च करेंगे। वाणी के कारण बनते कार्य बिगाड़ लिया करेंगे।माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। सम्पत्ति के कारण विवाद होगा।

वृश्चिक- इस माह आपको व्यापार से लाभ मान-सम्मान में वृद्धि होगी। घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा। कई रुके कार्य पूरे होंगे। साझेदारी से लाभ होगा। शत्रु परास्त होंगे। शुभ समाचार मिलेगा। मांगलिक कार्य होंगे किंतु मानसिक तनाव बना रहेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। पिता से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। सेहत के प्रति लापरवाह न रहें। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। नये अवसर प्राप्त होंगे। खर्च की अधिकता रहेगी।

धनु- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। सरकारी कार्यों से लाभ मिलेगा। कार्य में नये अवसर प्राप्त होंगे। उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। समय आनंद से व्यतीत होगा। नौकरी में स्थनान्तर की संभावना बनी रहेगी। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। माता से सहायता मिलेगी। मित्रों को दिया हुआ पैसा वापस नहीं मिलेगा। आलस्य से दूर रहें, खर्च अधिक होगा। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें।

मकर- यह माह आपके लिये आर्थिक लाभदायी होगा। बाहर जाने का अवसर मिलेगा। अधिकारी प्रसन्न होंगे। मान-सम्मान मिलेगा। संतान सुख प्राप्त होगा। नये कार्य में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग की ओर रुझान बढ़ेगा। हस्ताक्षर किसी पर न करें, हानि उठाना पड़ सकती है। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। घर में शुभ कार्य होगा। उन्नति की ओर अग्रसर होते चले जावेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कुंभ- यह माह आपके लिये अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा। शुभ कार्यों में खर्च करेंगे। परिवार में सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। भूमि-भवन-वाहन आदि पर खर्च करेंगे। अचानक यात्रा होगी। भ्रमण का प्रोग्राम बनेगा। नये कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता मिलेगी। अपनों से लाभ एवं सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों से खुशी मिलेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। आय बढ़ाने के लिये हमेशा अग्रसर बने रहेंगे। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेगी।

मीन- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। साझेदारी से लाभ, प्रियजन से भेंट परिवार में हर्ष-उल्लास का वातावरण एवं सपरिवार यात्रा करेंगे। संतान सुख मिलेगा। भाइयों से वैचारिक मतान्तर होंगे। चोट आदि से भय बना रहेगा। कर्ज लेना पड़ेगा। शंका के कारण दाम्पत्य सुख में कमी आयेगी। व्यापार में उन्नति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, नहीं तो बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। जल्दबाजी से कोई कार्य न करें। आर्थिक सम्पत्ति अच्छी रहेगी।

श्री बंशीलाल नराणीवाल

भीलवाड़ा। समाज सदस्य नंदलाल, कैलाशचंद्र, ओमप्रकाश, संपतलाल, केदारमल व जगदीशचंद्र नराणीवाल के पिता श्री बंशीलाल नराणीवाल का स्वर्गवास गत 06 जून को हो गया। 82 वर्षीय वयोवृद्ध श्री नराणीवाल कुछ समय से अस्वस्थ थे। स्व. नराणीवाल द्वारा शहर के समस्त मंदिरों में अपनी सेवाएँ दी गई थीं। आपके द्वारा पंचमुख मोक्षधाम, गाँधीनगर मोक्षधाम, जवाहर नगर, मोक्षधाम सहित अनेक सामाजिक भवनों व रामस्नेही चिकित्सालय के विकास में भी हमेशा योगदान दिया गया।

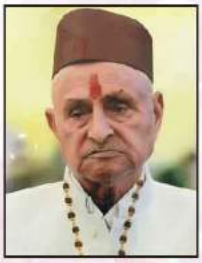

श्रीमती सीताबाई डागा

इंदौर। स्थानीय समाज की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती सीताबाई डागा धर्मपत्नी स्व. श्री राधाकिशन डागा का बैंकुठवास गत 13 जुलाई को हो गया। आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं प्रसिद्ध समाजसेवी अशोककुमार डागा व दिनेशकुमार डागा की माता थीं।

श्री गोपीकिशन माहेश्वरी

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज इंदौर के मंत्री लक्ष्मण माहेश्वरी के बड़े भाई श्री गोपीकिशन माहेश्वरी (मानधन्या) का स्वर्गवास गत 10 जुलाई को हो गया। अंतिम संस्कार उनके निवास स्थान महू में किया गया। आप अपने पीछे शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती गुलाबदेवी अजमेरा

भीलवाड़ा। समाज सदस्य महावीरप्रसाद अजमेरा की माता श्रीमती गुलाबदेवी अजमेरा का स्वर्गवास 91 वर्ष की अवस्था में गत 30 जून को हो गया। अजमेरा परिवार द्वारा उनका नेत्रदान करवाकर उनकी अंतिम इच्छा पूर्ण की गई।

श्रीमती रुकमनदेवी लड्ढा

आगूंचा। रामगोपाल, सत्यनारायण, कैलाश चंद्र व शंकरलाल की लड्ढा की माता श्रीमती रुकमनदेवी का स्वर्गवास गत 16 जुलाई को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती सरला देवी मानधना

वरंगल। राजस्थानी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा तथा प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष भगवानदास मानधना की धर्मपत्नी श्रीमती सरलादेवी मानधना का गत दिनों स्वर्गवास हो गया। श्रीमती मानधना 30 साल से महिला मंडल की अध्यक्ष थीं। आप अपने पीछे शोकाकुल भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती मोहनीदेवी मूंधड़ा

कोलकाता। कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्रकुमार मूंधड़ा की माता श्रीमती मोहिनीदेवी मूंधड़ा धर्मपत्नी स्व. श्री शंकरलाल मूंधड़ा, नापासर का निधन गत 23 जुलाई को हो गया। आप अपने पीछे भरपूरा परिवार छोड़ गई हैं।

दिवंगत आत्माओं को 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

श्री माहेश्वरी टाईम्स

द्वारा शीघ्र प्रकाशन

ऐतिहासिक नगरी

जोधपुर

के गौरवशाली इतिहास, गरिमामय माहेश्वरी संस्कृति

समाज के प्रतिष्ठित संगठन व समाज के गौरव को समर्पित

जोधपुर विशेषांक

यदि आपके पास है इस सम्बन्ध में विस्तृत

जानकारी तो अवश्य लिख भेजें.

विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन भी आमंत्रित हैं.

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें

विशेषांक प्रभारी- **श्रीमती स्वाति जैसलमेरिया** (मो. 75680-76940)

श्री हरिप्रकाश राठी (मो. 94141-32483)

श्री माहेश्वरी टाईम्स

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) - 456010, दूरभाष - 0734-2526561, 2526761, मोबाइल - 094250-91161

E-mail : smt4news@gmail.com

नोट - आलेख प्रकाशन का अन्तिम निर्णय सम्पादक मण्डल का होगा.

14 अगस्त

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति

श्रद्धेय पद्मश्री बंशीलाल जी राठी

व

वर्तमान महामंत्री

श्री रामकुमार जी भूतड़ा

को जन्म दिवस की

हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलम दीर्घायुष्य की कामना.

एक शुभेच्छु

25 अगस्त (श्रीकृष्ण जन्माष्टमी)

जीवेत् शरदः शतम्

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति

श्रद्धेय पद्मश्री बंशीलाल जी राठी

को जन्म दिवस (14 अगस्त) की

हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएँ

एवं

मंगलम दीर्घायुष्य की कामना.

एक शुभेच्छु

RituRaj
INFRATECLTD.
SURAT

RITURAJ TEXTILE HUB
RITURAJ UNIQUE TEXTILE MARKET
RITURAJ MUMBAI FANCY MARKET
SAKET TEXTILE MARKET

Rajendra Chandak (Rajubhai) : +91 93747 23455
Badal Chandak : +91 78786 12345

HEAD OFFICE:
C-3122-3123-3124, 1st Floor,
Millennium Textile Market
Ring Road, Surat - 395002
Ph. : (O) 0261 2353772
www.riturajinfratec.com

RITURAJ INFRATEC LTD

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 August, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com